खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 01 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-119

भारत सरकार ने बेहतरीन युद्ध-रणनीति का उदाहरण पेश किया

जल जीवन है, पर वह घातक अस्त्र भी बन सकता है

शुभ-लाभ विमर्श

जल ही जीवन है, लेकिन युद्ध की स्थिति में वही घातक अस्त्र भी बन सकता है। पहलगाम आतंकी हमले की प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यानि जल स्वयं एक रणनीतिक प्रतिरोधक है। यह पहला मौका नहीं है, जब पानी को हथियार बनाया गया है। इतिहास गवाह है कि राष्ट्रों ने नदियों को शस्त्र की तरह मोड़ा है। 1938 में चीन ने हुआंग हे (येलो रिवर) के तटबंध को तोड़कर जापानी सेना को रोका था। शत्रु सेना तो रुकी, पर चीन को अपने 8/ लाख नागरिकों की बलि देनी पड़ी थी। 1672 /में डचों ने फ्रांसीसी आक्रमण रोकने हेतु खेत-खलिहान जलमग्न कर दिए थे। सद्दाम हुसैन ने इराक के दलदलों को सुखा कर शियाओं को विस्थापित किया और 2023 में यूक्रेन के नोवा काखोव्का बांध के विध्वंस ने हजारों को बेघर किया। इस पृष्ठभूमि में भारत का निर्णय केवल पानी रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि एक शत्रु की धमनियों पर उंगली रखने वाला सामरिक संदेश भी है। विश्व/बैंक की मध्यस्थता से 1960 /में हुई सिंधु जल संधि ने छह नदियां बांटीं। रावी-ब्यास-सतलुज (41 /बीसीएम) भारत को मिलीं, जबकि सिंधु-झेलम-चिनाब (99 /बीसीएम) का प्रभुत्व पाकिस्तान को। लिहाजा, 70/ प्रतिशत जल पाकिस्तान के और मात्र 30 /प्रतिशत जल भारत के हिस्से में आया। फिर भी संधि ने 65 /वर्ष और दो युद्ध झेले।

इतिहासकार डैनियल हेन्स ने लिखा है, यह संधि जल को समान रूप से साझा करने के बारे में कम और संघर्ष से बचने के लिए इसे विभाजित करने के बारे में अधिक थी। भारत को वर्षों तक खटकता रहा है कि बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद की परछाई में यह बंटवारा उचित नहीं है। 2016/ में उरी और 2019 /में पुलवामा आतंकी हमलों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र/ मोदी का कथन गूंजा, रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते। उसी भावना ने 2024/ में शाहपुर/कांडी बैराज से रावी का अंतिम रिसाव भी रोका।

उरी : सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा : एयर-स्ट्राइक, पहलगाम : सिंधु वाटर-स्ट्राइक

पाकिस्तान को खेती के लिए 90 प्रतिशत पानी यही नदियां देती हैं। मगर नालियों में लीकेज, व्यर्थ बहाव के चलते आधा पानी समुद्र में चला जाता है। साथ ही, भू-जल स्तर भी गिर रहा है। ऐसे में भारत के पास कुछ विकल्प हैं। मसलन, पूर्वी नदियों का पूर्ण उपयोग। पंजाब-राजस्थान लिंक नहरें शेष धारा को वापस मोड़ सकती हैं। इससे कृषि क्षेत्र को भी लाभ होगा। ▶10पर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का हुआ पुनर्गठन

सारे रिटायर मिल कर बनाएंगे लड़ने की योजना!

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है। इसमें सात रिटायर अधिकारी शामिल होंगे। सारे रिटायर मिल कर देश को लड़ने की योजना सिखाएंगे! रॉ के पूर्व प्रमुख बोर्ड के अध्यक्ष बनाए गए हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल होंगे। सरकार की ओर से केंद्रीय खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड में पश्चिमी एयर कमांड के पूर्व प्रमुख एयर मार्शल पीएम सिन्हा, दक्षिणी सेना कमांड के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और नौसेना कमांडर रियर एडमिरल मोंटी खन्ना को शामिल किया गया है। भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) से रिटायर हुए बी वेंकटेश वर्मा और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) से रिटायर हुए राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य होंगे। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इसके बाद राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए), आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक हुई। ताबड़तोड़ बैठकों के बाद एक पूर्ण कैबिनेट की बैठक भी हुई। पहलगाम हमलों के बाद दूसरी बार बुलाई गई सीसीएस पहलगाम की घटना के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर विस्तार से विमर्श किया गया था।मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी, ▶10पर

बोर्ड में सात सदस्य, अध्यक्ष होंगे रॉ के पूर्व प्रमुख

पीएम मोदी की कैबिनेट ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

आम जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी होगी

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आखिरकार भाजपा भी जातिवाद के घटिया रास्ते पर उतर आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया कि देश में होने वाली मूल जनगणना के साथ ही जातीय जन-गणना भी कराई जाएगी। इस तरह मोदी सरकार भी जातिवाद की मुख्य धारा पर उतरते हुए जातिगत जन-गणना कराने की घोषणा कर दी है। मंत्रिमंडल के फैसले के बारे में आधिकारिक जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाएगा।

वैष्णव ने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया था कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसेक बाद एक मंत्रिमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। ▶10पर

पाकिस्तान ने अपना दूत मॉस्को भेजा, पर नाकाम रहा

पाकिस्तान विरोधी मोर्चे में भारत के साथ आया रूस

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में जेहादी हमले से उपजे हालात में रूस ने भारत के पक्ष में खड़े होने का फैसला सुना दिया है। इस सिलसिले में रूस और भारत के बीच बातचीत भी हो चुकी है। रूस के उप विदेश मंत्री ने मास्को में भारत के राजदूत से इस बारे में विस्तार से बात की। रूस ने सार्वजनिक रूप से भारत का पक्ष लिया है। हमले के फौरन बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संवेदनाएं व्यक्त करते हुए भारत को समर्थन देने की बात की थी। पाकिस्तान ने रूस का रुख बदलने के इरादे से फौरन अपना दूत रूस भेजा, लेकिन रूस ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपना रुख नहीं बदलेगा। पाकिस्तान ने अपना चीन-कार्ड भी खेलने की कोशिश की, लेकिन उसमें भी कामयाब नहीं हुआ। पाकिस्तान ने खुद को बेदाग दिखाने की गरज से रूस और चीन की अगुआई में एक अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की थी। उसे लग रहा था कि उसका आका चीन उसका पक्ष लेगा, लेकिन पाकिस्तान की यह उम्मीद औंधे मुंह गिर गई जब चीन ने किसी प्रकार का समर्थन देने के बजाय टका पाकिस्तान को संयम बरतने की सलाह दे दी। रूस की तरफ से बयान जारी कर कहा गया कि पाकिस्तान के राजदूत मोहम्मद खालिद जमाली के काफी अनुनय-विनय के बाद रूस के उप विदेश मंत्री ने उनसे भेंट की। इस चर्चा में रूस और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न आयामों के ▶10पर

सिसोदिया और जैन के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

क्लास रूम बनाने में खा गए थे 2 हजार करोड़

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व पीडब्लूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ निर्माण में भ्रष्टाचार के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ 2 हजार करोड़ के बड़े घोटाले का मामला दर्ज हुआ है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने दोनों नेताओं के खिलाफ अत्यधिक लागत पर कक्षाओं का निर्माण कराने के जरिए भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। 12,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में 2000 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़ा यह मामला है। एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि दिल्ली में आपा सरकार के शासनकाल में 12,748 कक्षाओं और भवनों के निर्माण में 2,000 करोड़ का भारी घोटाला सामने आया है। परियोजना को आम आदमी पार्टी से जुड़े कुछ ठेकेदारों को कथित तौर पर दिया गया था। निर्माण में भारी विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई।

इसके अलावा निर्धारित अवधि के अंदर एक भी काम पूरा नहीं हुआ। एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा दर्ज केस में इन नेताओं पर दिल्ली सरकार के स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता करने का आरोप लगाया गया है। आरोप यह भी है कि आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को कक्षाओं के निर्माण का काम देकर वित्तीय गड़बड़ी को अंजाम दिया गया। जांच एजेंसी ने दर्ज केस में आरोप लगाया है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार रहने के दौरान 12,748 कक्षाओं का निर्माण किया गया था। आरोप पत्र के अनुसार, इन कक्षाओं के निर्माण में घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, लेकिन इसका पैसा बेहतर आरसीसी निर्माण तकनीकी की दर से वसूल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में भारी वित्तीय गड़बड़ी की गई है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह भी आरोप लगाया है कि इन कक्षाओं के निर्माण में जिन 34 ठेकेदारों को निर्माण का ठेका दिया गया था, ▶10पर

पाकिस्तान के लिए परेशानी का सबब बन रही भारत की युद्धक क्षमता

भारत के सुखोई जैसे लड़ाकू विमानों से शत्रु सेना में खौफ

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले में 26 हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मारे जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव खतरनाक नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। पहलगाम में आतंकी हमला पाकिस्तान के इस्लामी सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा किया गया था, जिसने दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति पैदा कर दी। दोनों देश इसके लिए तैयार हो रहे हैं, लेकिन पाकिस्तानी सेना और खुफिया अधिकारी चिंतित भी हैं। दुनियाभर के रणनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि यदि युद्ध छिड़ जाता है, तो दोनों सेनाओं के बीच की असमानता युद्ध के मैदान में साफ-साफ दिखेगी। भारत के खतरनाक एसयू-30एमकेआई या राफेल लड़ाकू विमानों और थलसेना की लड़ाकू युद्ध-क्षमता को लेकर पाकिस्तान का आकलन उसे चिंता में डाल रहा है। अगर संघर्ष छिड़ता है तो भारत के सैन्य हार्डवेयर की श्रेष्ठता को नकारा नहीं जा सकता। पाकिस्तान की सेना, जिसमें उसका परमाणु शस्त्रागार भी शामिल है, भारत की अधिक उन्नत प्रणालियों की तुलना में काफी पुरानी मानी जाती है। भारत की हवाई युद्ध क्षमता में एसयू-30एमकेआई निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। यह भारत की विमानन ताकत को काफी आगे बढ़ाती है। इसके बेड़े में डसॉल्ट मिराज 2000, राफेल एमएस और साब जेएएस 39 ग्रिपेन भी शामिल हैं, जो सब पाकिस्तानी वायुसेना के भंडार में मौजूद विमानों से बहुत बेहतर हैं। रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की स्थिति में इस्लामाबाद को बहुआयामी अपमान का सामना करना पड़ेगा। ▶10पर

भारतीय नौसेना का मल्टी रोल गेमचेंजर बनेगा राफेल मरीन

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल के वर्षों में भारत की सामरिक रणनीति में समुद्री क्षेत्र पर जोर देना स्पष्ट संकेत है कि देश अब केवल भूमि आधारित खतरों पर ही नहीं बल्कि समुद्री सीमाओं पर भी अपने प्रभुत्व को सुदृढ़ करना चाहता है। भारत की समुद्री शक्ति को और अधिक धार देने तथा हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ को सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने फ्रांस के साथ एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने भारतीय नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल-एम मरीन फाइटर जेट की खरीद को हरी झंडी दी है। यह सौदा लगभग 63 हजार करोड़ रुपए (करीब 7.9 अरब डॉलर) का है, जिसे भारत की अब तक की सबसे महत्वपूर्ण नौसेना डील के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय नौसेना को इस सौदे के तहत 26 अत्याधुनिक राफेल मरीन लड़ाकू विमान मिलेंगे, जिन्हें विमानवाहक पोतों से संचालित किया जाएगा। यह सौदा न केवल भारत की समुद्री सुरक्षा नीति के केंद्र में स्थित है बल्कि इसके पीछे एक दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्य भी छिपा है, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना और चीन तथा पाकिस्तान जैसे प्रतिद्वंद्वियों के बढ़ते नौसैनिक प्रभाव को प्रभावी रूप से जवाब देना। भारत के लिए यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय रक्षा खरीद प्रणाली में निरंतर परिपक्वता और पारदर्शिता की ओर बढ़ते हुए कदमों का संकेत देता है। यह सौदा सरकार से सरकार के स्तर पर किया गया है, जिससे इसकी पारदर्शिता और ▶10पर

बांग्लादेश के रमना बटामुल नरसंहार केस में दोषियों की सजा पर फैसला आठ मई को

ढाका,30 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में दिल दहला देने वाले 2001 के रमना बटामुल नरसंहार केस में हाई कोर्ट आठ मई को फैसला सुनाएगा। जस्टिस मुस्तफा जमान इस्लाम और जस्टिस नसरीन अख्तर की पीठ ने आज फैसला सुनाने की तारीख आठ मई तय की। पीठ ने 18 फरवरी को मृत्युदंड संदर्भों (मृत्युदंड की पुष्टि के लिए ट्रायल कोर्ट के दस्तावेज) और मामले में दोषी ठहराए गए आरोपितों की अपीलों पर सुनवाई पूरी कर सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

खबर में अभियोजन के हवाले से यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि 14 अप्रैल, 2001 को राजधानी के रमना बटामुल में छायानौत के 1408 पहला बैशाख समारोह के दौरान दो बम विस्फोट हुए। देश को दहला देने वाले इन बम धमाकों में 10 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुई थे। 23 जून, 2014 को ढाका की एक अदालत ने मुफ्ती अब्दुल हन्नान, मौलाना अकबर हुसैन उर्फ हेलालुद्दीन, मौलाना मोहम्मद ताजुद्दीन, हाफेज जहांगीर आलम बदर, मौलाना अबू बकर उर्फ सेलिम हवलदार, मुफ्ती शफीकुर रहमान, मुफ्ती अब्दुल हई और आरिफ हसन सुमन को मौत की सजा सुनाई। इसके अलावा मौलाना अबू ताहेर, मौलाना सब्बीर उर्फ अब्दुल हन्नान, मौलाना याहिया, मौलाना शौकत उस्मान, मौलाना अब्दुर रउफ और शहादत उल्लाह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सभी दोषी इस्लामी समूह हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी के सदस्य हैं।

हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी बांग्लादेश के सभी आतंकी हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने में शामिल देश के सबसे कुख्यात आतंकवादियों में से एक मुफ्ती अब्दुल हन्नान को 13 अप्रैल, 2017 को काशिमपुर उच्च सुरक्षा जेल में फांसी दी जा चुकी है। हन्नान को 21 मई, 2004 को सिलहट में तत्कालीन ब्रिटिश उच्चायुक्त अनवर चौधरी पर ग्रेनेड हमला करने के लिए फांसी दी गई थी। उस मामले में कुछ अन्य आरोपित अभी फरार हैं।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा विदेश विभाग प्रमुख विजय चौथाईवाले तीन दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

काठमांडू। भारत की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले

नेपाल के साथ संबंध मजबूत करने और प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ जुड़ने के उद्देश्य से तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर बुधवार को काठमांडू पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान चौथाईवाले प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल के नेता पुष्पकमल दहाल प्रचंड, सत्तारूढ़ गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं, राजनीतिक मोर्चों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। काठमांडू आगमन पर चौथाईवाले ने बताया कि इस यात्रा के दौरान उनकी चर्चा राजनीतिक सहयोग, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने को लेकर केन्द्रित रहने वाली है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की भारत की संभावित यात्रा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर भी चर्चा की जाएगी। ओली के प्रधानमंत्री बनने के दस महीने के बाद भी उनकी भारत यात्रा नहीं हो पाई है। उनकी यात्रा नेपाल के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ संबंधों को गहरा करने और ऐसे समय में सद्भावना को बढ़ावा देने की व्यापक पहल का हिस्सा है, जब दोनों पड़ोसियों के बीच उच्च स्तरीय आदान-प्रदान सीमित हो गया है। चौथाईवाले के नेपाल भ्रमण को नेपाली राजनीतिक दल के साथ भाजपा की निकटता को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पाकिस्तान को जासूसों ने किया आगाह भारत कभी भी कर सकता है सैन्य कार्रवाई, 24 से 36 घंटे बेहद अहम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की हुकूमत को उसके जासूसों ने आगाह किया है। जासूसों ने कहा है कि यह चौकन्ना रहने का वक्त है। भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आने वाले 24 से 36 घंटे बेहद अहम हैं। जासूसों की यह चेतावनी भारत के जम्मू-कश्मीर के पर्यटक स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है। सूचनामंत्री अताउल्लाह तरार ने माना है कि संघीय सरकार को ऐसी खुफिया रिपोर्ट मिली है। इस पर अविश्वास का कोई कारण नहीं है। सूचनामंत्री तरार ने कहा कि विश्वसनीय खुफिया रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि भारत दोनों देशों के बीच तनाव के बीच अगले 24 से 36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। इस हमले के लिए नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को दोषी ठहराया है। तरार ने कहा कि हालांकि इसके लिए भारत ने कोई सबूत नहीं दिया है। इस बीच भारत के अपनी सेना को खुली छूट देने से समूचे मुल्क में हड़कंप मचा हुआ है। भारत की इस अहम घोषणा से पसीना-पसीना तरार ने कुछ घंटों बाद मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार के पास विश्वसनीय खुफिया जानकारी है कि भारत पहलगाम घटना का बदला लेने के लिए 24-36 घंटों में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का इरादा रखता है। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है। अगर मुल्क पर हमला होता है तो उसके परिणाम विनाशकारी होंगे। पाकिस्तान की फौज जवाब देने के लिए तैयार है।

अमेरिका में ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी जरुरी, आदेश से सिख समुदाय चिंतित

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में ट्रक चालकों के लिए अंग्रेजी में अनिवार्यता को लेकर एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया हैं। इस आदेश को लेकर सिख अधिकार समूहों ने चिंता जाहिर की है। इन समूहों ने कहा है कि आदेश का सिख समुदाय के ट्रक चालकों पर ''भेदभावपूर्ण प्रभाव'' पड़ सकता है और रोजगार में अनावश्यक बाधाएं पैदा हो सकती हैं। आदेश में कहा गया है, अंग्रेजी में दक्षता पेशेवर चालकों के लिए सुरक्षा संबंधी अनिवार्यता होनी चाहिए। वे यातायात संकेतों को पढ़ने और समझने में सक्षम हो, उन्हें यातायात सुरक्षा, सीमा गश्त, कृषि चौकियों और माल वजन-सीमा स्टेशन के अधिकारियों के साथ संवाद करना आना चाहिए। ट्रंप ने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा घोषित किया है। 'सिख कोलिशन' संगठन कहा कि वे ट्रंप के आदेश से ''काफी चिंता'' में है।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया का साया, रिपोर्ट जारी की, किया बदलाव का वादा

वाशिंगटन ,30 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड विश्वविद्यालय पिछले कुछ समय से यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की मंगलवार को सार्वजनिक की गई रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। हार्वर्ड ने इसमें बदलाव का वादा किया है। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड ने पिछले दिनों फंड में कटौती का विरोध करते हुए ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिया पर रिपोर्ट के बाद बदलाव का वादा किया है। यह दोनों रिपोर्ट हार्वर्ड टास्क फोर्स ने जारी की हैं। हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कहा है कि यहूदी विरोधी भावना ने पाठ्यक्रम, सामाजिक जीवन, कुछ संकाय सदस्यों की नियुक्ति और कुछ शैक्षणिक कार्यक्रमों के वैश्विक दृष्टिकोण में घुसपैठ कर ली है।

हार्वर्ड टास्क फोर्स ने कैंपस में अरब विरोधी, मुस्लिम विरोधी और फिलिस्तीन विरोधी पूर्वाग्रह पर एक अलग रिपोर्ट भी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अधिकांश मुस्लिम विद्यार्थियों को अपने राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए शैक्षणिक या पेशेवर दंड का सामना करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन कैंपस में यहूदी विरोधी भावना के आरोपों की जांच कर रहा है। विश्वविद्यालय संघीय निधि में अरबों डॉलर वापस लेने का विरोध कर रहा है।

द बोस्टन ग्लोब की खबर के अनुसार, इस रिपोर्ट के आने के बाद अरब और मुस्लिम विद्यार्थियों ने कहा कि कैंपस में उन्हें दोयम दर्जे के नागरिक जैसा महसूस होता है। साथी उन्हें संदेह की दृष्टि से देखते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के साथ अपने असाधारण टकराव के बीच दोनों रिपोर्ट मंगलवार को जारी की हैं। दोनों रिपोर्ट पिछले साल शरद ऋतु में जारी की जानी थी। ट्रंप प्रशासन ने 19 अप्रैल को मांग की थी कि हार्वर्ड यहूदी विरोधी रिपोर्ट से संबंधित सभी दस्तावेज सौंपे।

उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय मैसाचुसेट्स राज्य के कैम्ब्रिज शहर में स्थित है। यह एक निजी शोध विश्वविद्यालय है और आईवी लीग का सदस्य है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्च शिक्षा का सबसे पुराना संस्थान है।

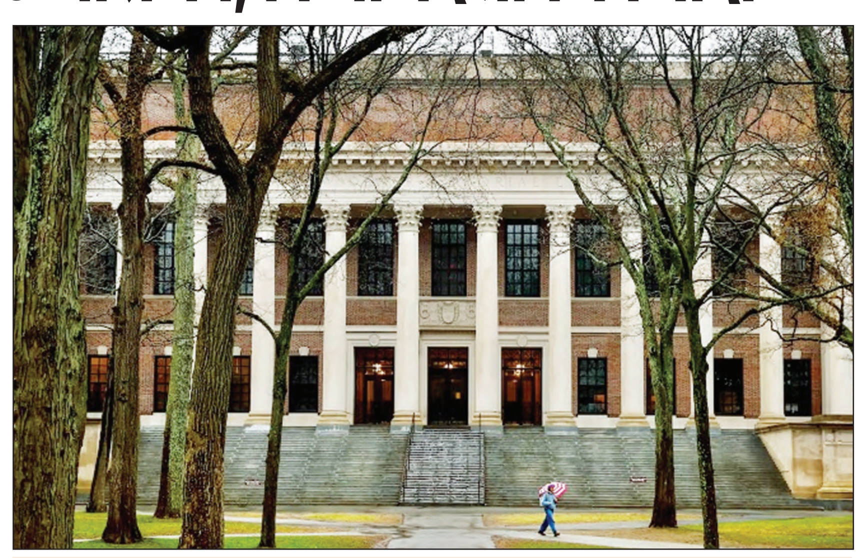

एस-400 मिसाइल पड़ोसी को मिली, लेकिन भारत की ज्यादा पावरफुल

मॉस्को। रूस की एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली को दुनिया की सबसे एडवांस वायु रक्षा प्रणालियों में से एक माना जाता है। भारत के बाद अब चीन भी इस प्रणाली को हासिल कर चुकी है। लेकिन रूस ने चीन को जो एस-400 मिसाइलें सप्लाई की हैं उसमें वो आधुनिक तकनीक को शामिल नहीं किया गया है जो भारत की मिसाइलों में है।एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने चीन को दी गई इन प्रणालियों में जानबूझकर कुछ एडवांस सुविधाओं को सीमित या अक्षम कर दिया है, जिससे बीजिंग कथित

तौर पर हैरान और निराश है। 2014 में, चीन ने रूस के साथ कई अरब डॉलर का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, जिसके तहत उसे एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल की कई यूनिट प्राप्त होनी थीं। यह सौदा रूस-चीन सैन्य सहयोग का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना गया था और इसे चीन की वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। हालांकि, चीनी विश्लेषकों ने हाल ही में देखा कि ये मिसाइलें चीनी सेना के सार्वजनिक प्रदर्शनों या रिपोर्टों में शायद ही नजर आती हैं। चीनी मीडिया के अनुसार, रूस ने चीन को एस-400 का एक सामान्य वर्जन प्रदान किया है, जिसमें कई एडवांस तकनीकी सुविधाएं जानबूझकर बंद कर दी गई हैं। यह कदम रूस द्वारा अपनी तकनीकी गोपनीयता की रक्षा करने और विदेशी सेनाओं को अपनी सैन्य क्षमताओं से प्रतिस्पर्धा करने से रोकने के लिए उठाया गया माना जा रहा है। रूसी रक्षा सूत्रों की मानें, तो सभी एक्सपोर्ट की जाने वाली हथियार प्रणालियों को ई इंडेक्स के साथ चिह्नित किया जाता है और इनमें सीमित क्षमताएं होती हैं। उन देशों के लिए जो रूस के संभावित प्रतिद्वंदी नहीं हैं, उनको दिए जाने वाले हथियारों की क्षमताएं भिन्न हो सकती हैं।

यूएनएससी में पाकिस्तान को घेर रहे थे जयशंकर तभी रुस ने कर दी हां में हां

जिनेवा,30 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान हर एक मोर्चे पर मुंह की खा रहा है। इसके बाद भी उसे अक्ल नहीं आ रहीं है। यूएनएससी में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को घेरा ही था कि रुस ने भारत का समर्थन करते हुए हां में हां कर दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक घेराबंदी तेज कर दी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सभी अस्थायी सदस्यों से संपर्क साधा और आतंक के खिलाफ कड़ा संदेश देने का आग्रह किया। इसकी जिम्मेदारी विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुद संभाली है। उन्होंने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, सिएरा लियोन, स्लोवेनिया और सोमालिया जैसे देशों के विदेश मंत्रियों से बात की है। ये सभी फिलहाल यूएनएससी के अस्थायी सदस्य हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी फोन पर चर्चा की है। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि गुटेरेस ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है और हमलावरों को सजा दिलाने के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन किया है।

हालांकि संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान चाह रहा था कि जम्मू-कश्मीर को विवादित क्षेत्र कहा जाए, लेकिन भारत ने उसे अमेरिका और फ्रांस की मदद से रोक दिया। सुरक्षा परिषद ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हमलावरों, योजनाकारों, फंड देने वालों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस बयान का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकी संगठनों को समर्थन दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योगना पटेल ने इस बयान को पाकिस्तान की असली सोच का पर्दाफाश बताया और कहा कि पाकिस्तान एक दुष्ट राष्ट्र बन चुका है जो वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

फैटी लिवर से काफी बढ़ जाता है डिजीज का खतरा

हेल्थ विशेषज्ञों के अनुसार, जंक फूड में खराब वसा, अधिक मात्रा में चीनी और प्रोसेस्ड पदार्थ शामिल होते हैं, जो शरीर में मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल और टाइप-2 डायबिटीज जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाते हैं। लिवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए अच्छी नींद लेना और जंक फूड से दूरी बनाना बेहद जरूरी है। इन बीमारियों के चलते नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफडी) का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। यह बीमारी समय के साथ सिरोसिस या लिवर कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों में बदल सकती है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि जंक फूड को रोजाना खाने की आदत लिवर के लिए बेहद हानिकारक है। उनके अनुसार, जंक फूड का नाम ही बताता है कि यह कचरे के समान है और इसे डस्टबिन में डाल देना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने पेट और आंतों को कचरे का डिब्बा नहीं समझता, तो उसे ऐसे खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। लिवर को स्वस्थ रखने के लिए केवल सही खानपान ही नहीं, बल्कि पर्याप्त और सही समय पर नींद लेना भी आवश्यक है। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि जो लोग ठीक से नींद नहीं लेते, उनमें फैटी लिवर डिजीज होने का खतरा कई गुना अधिक बढ़ जाता है। देर रात जागने और देर से भोजन करने की आदतें पेट में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी प्रभावित करती हैं, जो शरीर की संपूर्ण सेहत के लिए आवश्यक हैं। रात को देर से खाना खाने से वसा और कार्बोहाइड्रेट का पाचन ठीक से नहीं हो पाता, जिससे ये तत्व लिवर में जमा हो जाते हैं और लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं।

बांग्लादेश के आगामी बजट में सामाजिक सुरक्षा पर जोर, प्रस्तावों को मंजूरी

ढाका,30 अप्रैल (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आगामी राष्ट्रीय बजट (2025-26) में सामाजिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है। वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद ने बजट प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इस बजट में 624,000 नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों में शामिल किया गया है। सभी प्रकार के लाभों के लिए भत्ते में न्यूनतम 50 टका से अधिकतम 100 टका की वृद्धि की जाएगी।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से यह खबर अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है। इसमें कहा गया कि सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों पर सलाहकार परिषद समिति की हाल ही में हुई बैठक में वित्त सलाहकार अहमद ने प्रस्तावों को मंजूरी दी। आगामी बजट में 12 प्रकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के लिए कुल आवंटन 19,707 करोड़ टका होगा। चालू वित्त वर्ष (2024-25) में आवंटन 17,957 करोड़ टका था।

वित्त विभाग के अनुमान के अनुसार, 2025-26 में 99,000 नए लाभार्थियों को जोड़कर कुल 6.1 मिलियन बुजुर्गों को वृद्धावस्था भत्ता मिलेगा। इस भत्ते की राशि में 50 टका की वृद्धि की गई है, जो 600 टका से बढ़कर 650 टका हो गई है। इस कार्यक्रम के लिए कुल 4,791.31 करोड़ टका

आवंटित किए जाएंगे, जो मौजूदा बजट में 4,350.97 करोड़ टका से अधिक है। इसके अलावा विधवा भत्ता श्रेणी में अतिरिक्त 125,000 महिलाओं को शामिल किया जाएगा। बजट प्रस्तावों में 800,000 गैरकैडर सरकारी कर्मचारियों की पेंशन के लिए 27,413.78 करोड़ टका आवंटित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, 219,000 स्वतंत्रता सेनानियों के लिए भत्ते के रूप में 5,176.71 करोड़ टका आवंटित किया गया। विकलांगता भत्ता कार्यक्रम के लिए लाभार्थियों की संख्या 3.234 मिलियन से बढ़ाकर 3.45 मिलियन की गई है। इसके भत्ते को 50 टका बढ़ाकर 900 टका किया जाएगा। बांग्लादेश में मातृ एवं शिशु लाभ कार्यक्रम के तहत गरीब माताओं को वजीफा दिया जाता है। आगामी वित्त वर्ष में इस कार्यक्रम में 115,920 नई लाभार्थियों को जोड़ा जाएगा। साथ मासिक भत्ता 50 टका से बढ़ाकर 850 टका कर दिया जाएगा।

मुजीब को नोटों से हटाने की जिद के चलते बांग्लादेश में करेंसी की हुई भारी किल्लत

ढाका,30 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत का पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश कई चुनौतियों से जूझ रहा है। रही सही कसर बेतुके निर्णय के कारण पूरी हो रही है। जिसमें बांग्लादेश की करेंसी टका से शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें हटाने के फैसले से देश को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस की सरकार में नोटों को लेकर लिया गया फैसला बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक को भी नुकसान पहुंचा रहा है। हालत यह है कि बांग्लादेश में करीब 15000 करोड़ टका की करेंसी प्रचलन से बाहर है। इन नोटों में बांग्लादेश के संस्थापक रहे शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें छपी थीं और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इन्हें प्रचलन से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी सरकार के डर से बैंक अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं, लेकिन नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं कि इससे संकट पैदा हुआ है। नोटों की कमी से मार्केट में कारोबार ही ठप है। इसके अलावा बैंकों में भी लोग यदि पैसे निकालने जा रहे हैं तो करेंसी ही नहीं है कि कैश दिया जा सके। बैंकों ने केंद्रीय बैंक से नोटों की डिमांड की है, लेकिन अब तक सप्लाई नहीं हुई है।

इस साल अप्रैल की शुरुआत में सरकार ने अचानक ही फैसला ले लिया कि उन सभी नोटों और सिक्कों को प्रचलन से बाहर किया जाएगा, जिनमें शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीरें हैं। यह फैसला लेने से पहले कोई नई करेंसी छापी नहीं गई थी। ऐसे में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। भारत में 2016 में नोटबंदी हुई थी और उससे पहले बड़े पैमाने पर 500 और 2000 रुपये के नोट छापे गए थे। ऐसे में अचानक नोटबंदी के फैसले का उतना असर नहीं दिखा था। बांग्लादेश की स्थिति यह है कि मुजीबुर रहमान की तस्वीरों वाले नोटों से कारोबार बंद है और नए नोट अभी बाजार में आए नहीं हैं। बांग्लादेश बैंक का कहना है कि नए नोटों की छपाई मई में शुरू होगी। ऐसे में यह सवाल है कि कब नोट छपेंगे और कब बैंकों एवं बाजारों में आएंगे। सूत्रों का कहना है कि पहले राउंड में 20, 50 और 1000 टका के नोट छापे जाएंगे।

पाकिस्तान ने कहा अमेरिका के लिए गंदा काम किया, यूएस से सच पूछा तो बगले झांकने लगा

वॉशिंगटन। अमेरिका अपनी बात से मुकरता है और झूठ भी बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ता है। इसका ताजा उदाहरण पाकिस्तान का वो बयान है जिसमें उसने कहा था की अमेरिका के कहने पर 30 साल आतंकियों को पोषित किया है। इस मामले में जब अमेरिका से पूछा गया तो वो बगलें झांकने लगा और घुमा फिराकर जवाब दिया। जब वाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में इस बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा, हम भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के संपर्क में हैं। हम क्षेत्र में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ट्रंप प्रशासन ने इस तनावपूर्ण माहौल के बीच दोनों देशों को बातचीत से समाधान निकालने की सलाह दी है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत और पाकिस्तान के अपने समकक्षों से शीघ्र बातचीत करेंगे। टैमी ब्रूस ने कहा, हम सभी पक्षों से आग्रह कर रहे हैं कि वे जिम्मेदार रवैया अपनाएं। पूरी दुनिया इस स्थिति को देख रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका सिर्फ मंत्री-स्तर पर नहीं, बल्कि कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान के साथ संपर्क में है। बता दें कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के हालिया सनसनीखेज कबूलनामे के बाद हड़कंप मच गया है।

युद्ध की ओर बढ़ रहा है

सीजफायर उल्लंघन का सिलसिला

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 अप्रैल।

पहलगाम हमले के उपरांत पाकिस्तान सेना द्वारा एलओसी के बाद अब इंटरनेशनल बार्डर पर भी मोर्चे खोलते हुए सीजफायर उल्लंघन का जो सिलसिला बढ़ाया है वह सीमावासियों में युद्ध की आशंका बढ़ा रहा है। सीमा पर रहने वालों के लिए वैसे यह कोई पहला मौका नहीं होगा जब उन्हें जंग की आहट के बीच जीवनयापन करना पड़ रहा हो। करगिल युद्ध के बाद संसद पर हुए हमले और पुलवामा हमले के उपरांत भी वे युद्ध की स्थिति में बर्बाद हो चुके हैं पर कोई आर-पार का फैसला नहीं हो पाया था।

यही कारण था कि अखनूर क्षेत्र के परगवाल सेक्टर में ग्रामीणों ने बीती देर रात कई राउंड गोलीबारी की आवाज सुनी तो उन्हें दहशत में इसलिए आ जाना पड़ा क्योंकि इस तरह का संघर्ष विराम उल्लंघन 7-8 साल बाद हो रहा है। हालांकि सीमावासी कहते हैं, हमें इन सबकी आदत है, लेकिन अभी हम हाई अलर्ट पर हैं। इसी तरह से कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बसा हाजीनार गांव पिछले हफ्ते तक अपनी दिनचर्या से गुलजार रहने वाला एक ऐसा ही गांव है। लेकिन 1500 से अधिक आबादी वाला यह सुदूर गांव अब खामोश हो गया है और युद्ध के साये में जी रहा है। दरअसल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद एलओसी पर गोलीबारी की पुनरावृत्ति ने फरवरी 2021 से भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच संघर्ष विराम समझौते द्वारा लाई गई नाजुक शांति को बिगाड़ दिया ह।.

गोलीबारी की इन घटनाओं से कई गांवों में भय और दहशत का माहौल पैदा हो गया है, जिससे लोग सहमे हुए हैं। जानकारी के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू संचालक की हत्या कर दी थी, जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को कम कर दिया। इसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी देना बंद करना, अटारी-वाघा बार्डर को बंद करना और भारत में पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए कहना शामिल है। इस बढ़े हुए तनाव ने हाजीनार गांव के जाफर हुसैन लोन जैसे लोगों को सबसे बुरी स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित किया है।

गांव के लोगों का कहना है कि गांव में सामुदायिक तथा निजी बंकरों का पुनर्निर्माण कर दिया है तथा लोगों की बाहर आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। पूर्व सरपंच लोन कहते थे कि हम पिछले चार सालों से शांति से रह रहे थे। बंकर बंद थे और धूल जमा हो गई थी। लोग गोले या गोलीबारी के डर के बिना स्वतंत्र रूप से घूम रहे थे, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमारे गांव में डर फिर से लौट आया है। पिछले कुछ दिनों में, एलओसी के इस गांव में चार सामुदायिक भूमिगत बंकरों का पुनर्निर्माण किया गया है, जिनका निर्माण पिछले दशक में केंद्र सरकार द्वारा किया गया था। नागरिक आबादी की सुरक्षा के लिए भारत सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर में लगभग 14,460 बंकरों (सामुदायिक और व्यक्तिगत) का निर्माण किया गया। अन्यथा, पिछले तीन दशकों से अधिक समय में गोलाबारी और गोलीबारी के कारण पूरे क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग हताहत और घायल हुए हैं।

इसके अलावा इससे सम्पत्तियों और आजीविका का नुकसान हुआ और हजारों ग्रामीणों को सुरक्षा के लिए अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन सामुदायिक बंकरों में दो कमरे और एक शौचालय था, जिसमें 100 लोग रह सकते थे, जिससे उन्हें अपने गांवों के ऊपर से उड़ते गोले से कुछ सुरक्षा मिली। परगवाल के अमन सिंह कहते हैं कि कल रात करीब 8.30-9 बजे 3-4 राउंड फायरिंग की गई। हम अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी हमें सब कुछ बंद करके अपने घर वापस जाने के लिए कहा गया। उसके बाद कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत फसल अभी भी कटनी बाकी है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना के अनुसार बीती रात को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार जम्मू कश्मीर के कई सेक्टरों में अपनी चौकियों से पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। इसका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया।

नरेश शर्मा कहते हैं कि कल जब गोलियां चलाई गईं तो हम अपने खेतों में काम कर रहे थे, तभी हमें फोन आया कि सब कुछ रोककर अपने घर वापस लौट जाएं। जबकि जारी एक बयान में भारतीय सेना ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने जम्मू क्षेत्र के नौशहरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों में भारतीय ठिकानों को निशाना बनाया। बाद में कहा गया कि बारामुल्ला और कुपवाड़ा जिलों में उत्तर में और साथ ही परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पार भी इसी तरह के संघर्ष विराम उल्लंघन दर्ज किए गए। हालांकि भारतीय सेना के जवानों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इसके साथ ही पाकिस्तानी सेना ने उत्तरी कश्मीर में बारामुला और कुपवाड़ा में एलओसी पर और परगवाल सेक्टर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलीबारी की। पर दहशत का माहौल उन्हें घुट घुट कर जीने को मजबूर कर रहा हे क्योंकि वर्ष 2001 से वे आर-पार की लड़ाई के प्रति सुन तो रहे हैं पर वह अभी तक नहीं हुई है।

पीओके के आतंकी शिविरों में मची अफरातफरी, हमले का डर

जम्मू, 30 अप्रैल (ब्यूरो। पाक कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवाद के ट्रेनिंग कैम्पों पर अब हमला अवश्यंभावी है। इस संबंध में हरी झंडी मिल गई है और हमले के जवाब में सीमा पार से होने वाली संभावित कार्रवाई से निपटने की तैयारी की जा रही है। हालांकि दिक्कत यह आ रही है कि पिछले तीन दिनों से इन कैम्पों को पाक सेना इधर उधर कर सैटेलाइटों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं।

पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवाद के ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला करने की खातिर भारतीय सेना ने पूरी तैयारी कर ली है। ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला करने तथा उसके परिणामों से देश को बचाने की खातिर की जाने वाली तैयारियों के लिए भारतीय सेना ने कुछ दिनों का समय मांगा है। पाक कब्जे वाले कश्मीर में स्थित ट्रेनिंग कैम्पों पर प्रहार करने की खातिर जो तैयारियां की गई हैं उनमें मिसाइलों की तैनाती से लेकर बोफोर्स तोपों की तैनाती तो शामिल है ही सेना की कई कमांडों यूनिटों को भी इसके लिए तैयार रखा गया है जिन्हें उनके टास्क के बारे में पूरी जानकारी दे दी गई है।

इन कैम्पों पर हमला करने के पीछे की हिचकिचाहट विश्व समुदाय का रुख भी है। हालांकि पाकिस्तान तथा अमेरीका इसके प्रति आशंका प्रकट करने लगे हैं कि भारत हमले का प्रतिकार करने की खातिर इन कैम्पों पर हमला कर सकता है। फिलहाल यह सुनिश्चित नही है कि आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों पर हमले के लिए सभी विकल्पों का एक साथ इस्तेमाल होगा या फिर बारी बारी से उनका प्रयोग किया जाएगा। इन ट्रेनिंग कैम्पों पर हमला कर उन्हें तबाह करने के लिए जो विकल्प सुझाए जा रहे हैं उनमें सबसे प्रमुख जमीन से जमीन पर मार करने वाले मिसाइलों का इस्तेमाल तो है ही कमांडो रेड भी शामिल हैं। हालांकि सेनाधिकारियों का विचार है कि सबसे पहले भारत को बिना एलओसी को लांघे ट्रेनिंग कैम्पों को तबाह करने की कोशिश करनी होगी जिसके लिए मिसाइलों तथा बोफोर्स तोपों का इस्तेमाल ही सबसे बेहतर माना जा रहा है।

यही नहीं, मिसाइलों तथा बोफोर्स तोपों के बाद कमांडो रेड तथा हवाई हमलों के विकल्प को भी खुला रखा गया है। इन दोनों विकल्पों का इस्तेमाल उसी स्थिति में किया जाएगा जब पहले वाले दो विकल्पों से जो ट्रेनिंग कैम्प बच जाएंगे उन्हें नष्ट करने की खातिर। भारत इन प्रशिक्षण केंद्रों को तबाह करने के लिए बाद वाले दो विकल्पों का इस्तेमाल करने से परहेज करता है क्योंकि वह जानता है कि उसका अर्थ दुनिया एलओसी को लांघने के रूप में लेगी जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा अमेरिका द्वारा भी आतंकवाद के खात्मे की मुहिम के तहत किया जा चुका है।

यह बात अलग है कि पाकिस्तान भारत के उस प्रत्येक कदम को अपनी संप्रभुता पर हमले के रूप में लेने की बात कर रहा है जो भारत द्वारा आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों को समाप्त करने के लिए उठाए जाने की बात हो रही है। यही कारण है कि सीमाओं पर जबरदस्त तनाव का माहौल बना हुआ है। सच्चाई यह है कि भारत सरकार अपने प्रत्येक उठाए जाने वाले कदम का परिणाम जानती है। वह जानती है कि उसका कोई भी कदम या विकल्प पाकिस्तान के साथ युद्ध के रूप में सामने आएगा। नतीजतन इन परिणामों को ध्यान में रखते हुए ही भारत द्वारा सीमाओं पर सेनाओं को युद्ध के लिए तैयार रखा गया है। हालांकि सेना की तैनाती की पहल पाकिस्तान द्वारा ही गई है। नतीजतन सीमाओं पर मंडरा रहे युद्ध के बादलों के बीच सारे प्रदेश में दहशत और चिंता फैली हुई है जिसमें रात्रि उड़ान भरने वाले लड़ाकू विमानों के स्वर और बढ़ौतरी करने लगे हैं।

पूर्व कर्नल की बेटी को अमीन ने दी धमकी, पुलिस ने दबोचा

मुसलमान बन कर निकाह कर, वरना ले जाऊंगा कश्मीर

नोएडा, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा के फेज-1 थाना क्षेत्र में लव-जेहाद का मामला सामने आया है। सेना के रिटायर कर्नल की बेटी को मुसलमान बन कर निकाह करने के लिए दबाव डाला जा रहा है। मुस्लिम कारोबारी अमीन कोलू ने पूर्व कर्नल की बेटी को इस्लाम स्वीकार करने और निकाह करने का दबाव डाला। अमीन कोलू ने लड़की को ऐसा नहीं करने पर अगवा कर कश्मीर ले जाने की धमकी दी। कश्मीर के चांदपोरा हरवन का रहने वाला कारोबारी अमीन कोलू कारोबार के सिलसिले में मार्च 2025 में युवती के परिजनों के सम्पर्क में आया था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि 23 अप्रैल 2025 को अमीन कोलू ने उन्हें सैंपल और मीटिंग के बहाने फैक्ट्री बुलाया, जहां उसने छेड़छाड़ की। पीड़िता वहां से भाग निकली, लेकिन आरोपी लगातार फोन और मैसेज कर फैक्ट्री आने का दबाव बनाता रहा। इसके बाद उसने धर्मांतरण कर निकाह करने के लिए कहा और इन्कार करने पर कश्मीर उठा ले जाने की धमकी दी। इस मामले में डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं अदालत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अदालत मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से यह फैसला दिया।

न्यायालय का 190-पृष्ठ का निर्णय 20 फरवरी, 2024 को तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा संदर्भित किए जाने पर आया।

मुख्य न्यायाधीश खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा कि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 और 37 के तहत न्यायालय के पास मध्यस्थता फैसलों को संशोधित करने की सीमित शक्ति है।

शीर्ष अदालत का यह निर्णय मुख्य न्यायाधीश द्वारा लिखा गया। न्यायमूर्ति गवई, न्यायमूर्ति कुमार और न्यायमूर्ति मसीह ने उनके निर्णय का समर्थन किया, जबकि न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने असहमति वाला फैसला सुनाया।

बहुमत के फैसले में पीठ यह भी कहा कि न्यायालय कुछ परिस्थितियों में मध्यस्थता के फैसलों के बाद के हित को संशोधित कर सकता है और बहुत सावधानी और सतर्कता के साथ संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

न्यायालय ने बहुमत के फैसले में कहा कि इस तरह की शक्ति का प्रयोग तब किया जा सकता है जब मध्यस्थता फैसल अलग करने योग्य हो, 'अमान्य' हिस्से को 'वैध' हिस्से से अलग करके, और किसी भी लिपिकीय, गणना संबंधी या टाइपोग्राफिकल त्रुटियों को ठीक करके जो रिकॉर्ड के सामने गलत दिखाई देती हैं।

पीठ ने कहा,हम मानते हैं कि कानूनी विवाद के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। प्रस्तुत तर्क एक ओर समानता और न्याय के बीच लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष और दूसरी ओर न्यायालय की अधिकारिता सीमाओं द्वारा लगाए गए बंधनों का प्रतीक हैं।

पीठ ने कहा,अदालतों को किसी निर्णय को संशोधित करने के अधिकार से वंचित करना (विशेष रूप से जब ऐसा इनकार महत्वपूर्ण कठिनाइयों को लागू करेगा, लागत बढ़ाएगा और अनावश्यक देरी की ओर ले जाएगा) मध्यस्थता के अस्तित्व के उद्देश्य को पराजित करेगा। यह चिंता विशेष रूप से भारत में स्पष्ट है, जहां धारा 34 के तहत आ-वेदन और धारा 37 के तहत अपील को हल करने में अक्सर वर्षों लग जाते हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मध्यस्थ निर्णय को रद्द करने का अधिकार अनिवार्य रूप से इसे पूरी तरह से नहीं बल्कि आंशिक रूप से रद्द करने की शक्ति को शामिल करता है।

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने हालांकि, कहा कि अधिनियम की धारा 34 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए और परिणामस्वरूप अपीलीय पदानुक्रम में न्यायालयों के पास मध्यस्थ फैसले को संशोधित करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि संशोधन और पृथक्करण दो अलग-अलग अवधारणाएँ हैं, जबकि धारा 34 के तहत संशोधन की अनुमति नहीं है, धारा 34 के तहत शक्तियों के प्रयोग में धारा 34 के उल्लंघन में आने वाले मध्यस्थ फैसलों को पृथक करने की अनुमति है। पृथक्करण की ऐसी शक्ति धारा 34 न्यायालय के लिए अपीलीय पदानुक्रम में न्यायालयों को भी उपलब्ध है।

उन्होंने अपनी असहमति में कहा कि रद्द करने की शक्ति में संशोधन करने की शक्ति शामिल नहीं होगी, क्योंकि संशोधित करने की शक्ति रद्द करने की शक्ति में शामिल कम शक्ति नहीं है और रद्द करने की शक्ति और संशोधित करने की शक्ति एक ही स्थिति से उत्पन्न नहीं होती हैं और अधिनियम के संदर्भ में गुणात्मक रूप से भिन्न शक्तियाँ हैं।

न्यायालय के समक्ष प्रश्न यह थे कि यदि भारतीय न्यायालयों को मध्यस्थ फैसलों को संशोधित करने का अधिकार है, तो किस सीमा तक? विशेष रूप से, मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996, न्यायालयों को मध्यस्थ पुरस्कार को संशोधित करने या उसमें बदलाव करने का स्पष्ट रूप से अधिकार नहीं देता है। 1996 अधिनियम की धारा 34 न्यायालयों को केवल फैसलों को रद्द करने की शक्ति प्रदान करती है।

फिर भी (सर्वोच्च न्यायालय को कई मामलों में) लंबी मुकदमेबाजी को कम करने और न्याय के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए मध्यस्थ फैसलों को संशोधित करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

इसके विपरीत, कुछ निर्णयों में कहा गया है कि भारतीय न्यायालय धारा 34 के संकीर्ण रूप से परिभाषित दायरे के कारण फैसलों को संशोधित नहीं कर सकते हैं।

बहुमत के निर्णय में कहा गया है कि यदि यह तय किया जाता है कि न्यायालय केवल मध्यस्थता फैसलों को रद्द कर सकते हैं और उन्हें संशोधित नहीं कर सकते हैं, तो पक्षों को मध्यस्थता के एक अतिरिक्त दौर से गुजरना होगा जो पिछले चार चरणों में शामिल होगा: प्रारंभिक मध्यस्थता, धारा 34 (कार्यवाही रद्द करना), धारा 37 (अपील कार्यवाही), और अनुच्छेद 136 (एसएलपी कार्यवाही)।

न्यायालय ने कहा,वास्तव में, यह व्याख्या पक्षों को केवल एक निर्णय की पुष्टि करने के लिए एक नई मध्यस्थता प्रक्रिया में मजबूर करेगी, जिस पर न्यायालय आस-ानी से पहुँच सकता है। यह मध्यस्थता प्रक्रिया को पारंपरिक मुकदमेबाजी से भी अधिक बोझिल बना देगा।

न्यायालय ने यह भी कहा कि निहित शक्ति का सिद्धांत केवल कानून के उद्देश्य, अर्थात 1996 अधिनियम को प्रभावी बनाने और आगे बढ़ाने तथा कठिनाई से बचने के लिए है।

सलचर से शिलांग के बीच 166 किलोमीटर लंबे गलियारे को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी

नई दिल्ली 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

केन्द्र सरकार ने असम के सिलचर से मेघालय के शिलांग के बीच 22 हजार 864 करोड़ रूपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या छह के 166.80 किलोमीटर लंबे गलियारे के हिस्से के विकास , रख रखाव और प्रबंधन के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जायेगा।

इस परियोजना के तहत मेघालय में 144.80 किलोमीटर और असम में 22 किलोमीटर हिस्सा आयेगा। प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर गुवाहाटी से सिलचर तक जाने वाले यातायात के लिए सेवा स्तर में सुधार करेगा। इस कॉरिडोर के विकास से मुख्य भूमि और गुवाहाटी से त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम के बराक घाटी क्षेत्र की कनेक्टिविटी में सुधार होगा और यात्रा की दूरी और यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

यह गलियारा असम और मेघालय के बीच संपर्क में सुधार करेगा और मेघालय में उद्योगों के विकास सहित आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, क्योंकि यह मेघालय के सीमेंट और कोयला उत्पादन क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यह गलियारा गुवाहाटी हवाई अड्डे, शिलांग हवाई अड्डे, सिलचर हवाई अड्डे (मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग-06 के माध्यम से) से आने वाले राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को सेवा प्रदान करेगा, जो गुवाहाटी को सिलचर से जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर में पर्यटकों के आकर्षण के सुंदर स्थानों को जोड़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना गुवाहाटी, शिलांग और सिलचर के बीच अंतर-शहर संपर्क में सुधार करेगी, जो री भोई, पूर्वी खासी पहाड़ियों, पश्चिम जैंतिया पहाड़ियों, मेघालय में पूर्वी जैंतिया पहाड़ियों और असम में कछार जिले से होकर गुजरती है।

बरेली के स्कूल को मिली मुसलमानों की धमकी

अगर राष्ट्रगान हुआ तो बंद करवा देंगे स्कूल

बरेली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली शहर के किला थाना क्षेत्र में ब्लूमिंग डेल स्कूल में राष्ट्रगान बजने पर स्कूल को बंद कराने की धमकी मिली है। स्कूल की संचालिका शोभना जाहिद ने पड़ोसियों पर राष्ट्रगान का विरोध करने का आरोप लगाया है। मंगलवार 29 अप्रैल को स्कूल की मैनेजर शोभना ने एसएसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई।

मैनेजर शोभना के बताया कि उनके स्कूल में प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान कराया जाता है, जिसका कुछ पड़ोसी विरोध करते हैं और कहते है कि हम लोगों की नींद खराब हो रही है। अगर राष्ट्रगान बंद नहीं हुआ, तो स्कूल बंद करवा देंगे। मैनेजर शोभना ने आगे बताया कि वे राष्ट्रगान की बजाय इस्लामिक नज्म बजाने के लिए कहते हैं। शोभना जाहिद ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग स्कूल आकर शिक्षकों के सामने दबंगई दिखाते हैं।

शोभना का आरोप है कि पहलगाम हमले के बाद मुस्लिमों ने ज्यादा परेशान करना शुरू कर दिया है। मुस्लिम समुदायों का कहना है कि स्कूल मुस्लिम आबादी वाले इलाके में है और अगर स्कूल चलाना चाहती हो, तो हमारे अनुसार राष्ट्रगान की जगह लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी चलाओ। किला थाना प्रभारी राजेश कुमार ने जांच के बाद बताया कि मामला एक ही समुदाय के दो गुटों के बीच आपसी तनातनी का है।

फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद का नया गीत बन पिया रिलीज

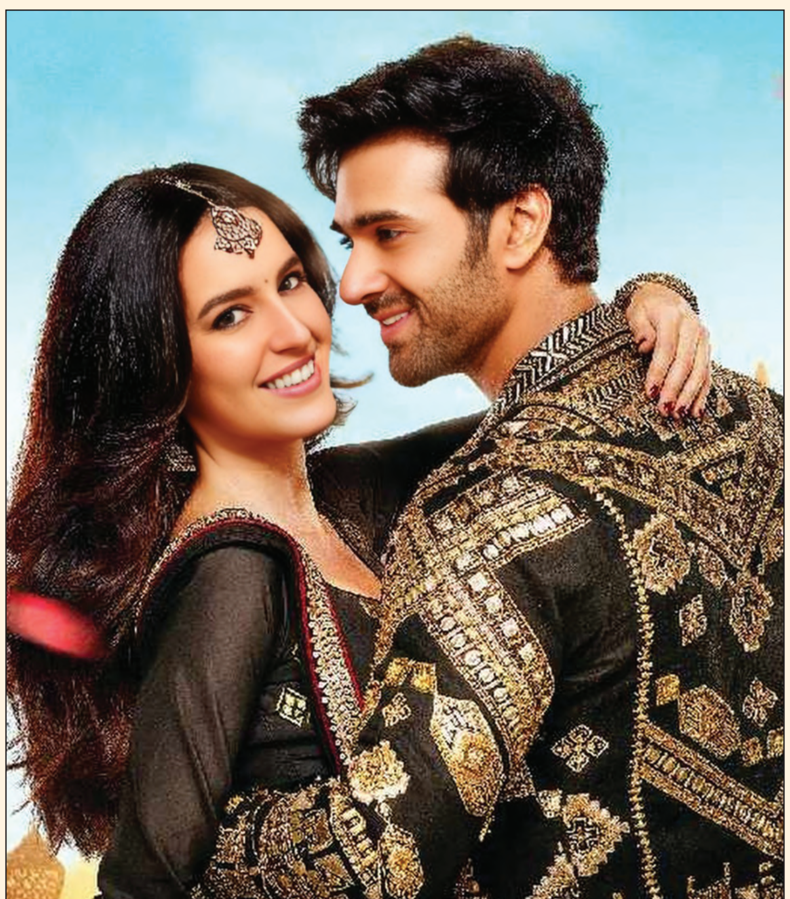

कैटरीना कैफ की बहन से रोमांस करते दिखे पुलकित

पुलकित सम्राट पिछले काफी समय से अपनी अपकमिंग फिल्म सुस्वागतम खुशामदीद को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसमें उनकी जोड़ी कैटरीना कैफ की छोटी बहन इसाबेल कैफ के साथ बनी है। फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं। उत्सुकता के लेवल को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने फिल्म का नया गाना बन पिया रिलीज कर दिया है। गाना काफी शानदार है, फैंस इस गाने को काफी पसंद कर रहे हैं।

नए गाने बन पिया में अरमान मलिक, ध्वनि भानुशाली, अमोल श्रीवास्तव और अभिषेक टैलेंटेड ने अपनी आवाज दी है। वहीं म्यूजिक अमोल-अभिषेक की जोड़ी ने तैयार किया है। गाने में हल्की-फुल्की त्योहारों जैसी फीलिंग है, जो सीधा दिल को छू जाएगी। इस गाने को गणेश आचार्य ने कोरियोग्राफ किया है। गाना एनर्जी और मस्ती से भरपूर है।

गाने में पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की केमिस्ट्री साफ देखने को मिल रही है। उनका मस्ती भरा अंदाज फिल्म के सीमाओं से परे प्यार के थीम को खूबसूरती से दर्शाता है। गाने के बारे में बात करते हुए, डायरेक्टर धीरज कुमारन ने कहा, यह सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि फिल्म की भावना है। पुलकित और इसाबेल गाने में पॉजिटिव एनर्जी और फ्रैशनेस लेकर आए हैं। हमने गाने को इस तरह से शूट किया है, ताकि यह ऐसा लगे जैसे अलग-अलग संस्कृतियां एक साथ मिलकर जश्न मना रही हों। यह गाना फिल्म की जान है।

वहीं कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने कहा, गाने को कोरियोग्राफ करना, डांस स्टेप्स बनाना काफी मजेदार अनुभव रहा। मेरा मकसद था कि डांस भी गाने की तरह ही त्योहार जैसा जोशीला और एनर्जी भरा महसूस हो। पुलकित और इसाबेल की केमिस्ट्री ने ऐसा ही कर दिखाया। उनका आपसी तालमेल कमाल का था। गाने को बहुत बड़े लेवल पर शूट किया गया ताकि फिल्म के जश्न वाले माहौल को अच्छे से दिखाया जा सके। सुस्वागतम खुशामदीद का निर्माण शरवन कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, धीरज कुमार, दीपक धर, अजान अली और सुनील राव ने मिलकर किया है। इस फिल्म के जरिए इसाबेल बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू कर रही हैं। गाने से पहले फिल्म का टीजर जारी किया गया था। फिल्म में पुलकित हिंदू लड़के अमन का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, इसाबेल मुस्लिम लड़की नूर के किरदार में हैं।

पुलकित और इसाबेल के अलावा फिल्म में साहिल वैद, प्रियंका सिंह, दिवंगत ऋतुराज सिंह, मेघना मलिक और अरुण बाली जैसे बेहतरीन कलाकार अहम किरदार में होंगे। यह फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

प्रीति जिंटा का मंडे मूड और रोमांटिक अंदाज ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा इन दिनों आईपीएल को लेकर सुर्खियों में है। वह पंजाब किंग्स की मालकिन है। वहीं जल्द ही पर्दे पर वापसी करेंगी। वह अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के बीच छाई रहती हैं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर एक लेटेस्ट फोटो शेयर की, जिसमें वह अपने पति जीन गुडइनफ के साथ नजर आ रही हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटो में प्रीति झील के किनारे एक बेंच पर अपने पति की गोद में बैठी नजर आ रही हैं। दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। प्रीति ब्लैक कलर ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं।

इस फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- मंडे मूड, उनका यह रोमांटिक अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वह उनकी इस फोटो को न सिर्फ पसंद कर रहे हैं, बल्कि कमेंट्स कर तारीफों के पुल भी बांध रहे हैं।एक यूजर ने लिखा- आप मेरी पसंदीदा जोड़ी हो। जीन आप आईपीएल के लिए यहां कब आ रहे हो? उम्मीद है कि हम आप दोनों को एक साथ जल्द ही देखेंगे! आप दोनों को प्यारहमेशा !दूसरे यूजर ने लिखा- ईर्ष्या हो रही है... पर भगवान आपको आशीर्वाद दें एक अन्य यूजर ने कमेंट में लिखा- प्रीति मैम, आपकी खुशी देखकर मेरा दिल सचमुच मुस्कुरा रहा है! आप दोनों का रिश्ता सच्चा है। भगवान आपको हमेशा ऐसे ही मुस्कुराते रखे!

बता दें कि प्रीति ने 2016 में अमेरिकन बिजनेसमैन जीन गुडइनफ से शादी की थी। प्रीति की जीन से मुलाकात अमेरिका में एक ट्रिप के दौरान हुई थी। इस मुलाकात से दोस्ती का रिश्ता बना और फिर दोनों में प्यार हो गया। 2015 में आईपीएल फाइनल के दौरान भी वे प्रीति के साथ नजर आए थे। इसके बाद यह कपल अमेरिका चला गया और 29 फरवरी 2016 को लॉस एंजिलस में शादी कर ली। 2021 में सरोगेसी के जरिए दोनों ने जुड़वा बच्चों को स्वागत किया। उनका एक बेटा जय और एक बेटी जिया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, प्रीति राजकुमार संतोषी की अपकमिंग निर्देशित फिल्म लाहौर 1947 के साथ बॉलीवुड में वापसी करने वाली हैं। इस फिल्म में वह सनी देओल के अपोजिट नजर आएंगी।

रूबीना दिलैक का ग्रीन साड़ी में देसी अवतार

टीवी एक्ट्रेस रूबीना दिलैक का फैशन सेंस कमाल का है। उनके स्टाइल के लाखों लोग दीवाने हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपने नए लुक की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसे देख फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। उनका यह फोटोशूट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लेटेस्ट फोटोशूट में रूबीना ग्रीन कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। अपने देसी अंदाज को बेहतरीन बनाने के लिए उन्होंने बालों को खुला रखा है और कानों में हैवी ईयरिंग्स पहने हुए हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'इश्क और मुश्क छिपाए नहीं छुपता।

इस लेटेस्ट फोटोशूट पर एक्ट्रेस निशा रावल ने कमेंट किया- हमेशा प्यार बांटती रहो।एक्ट्रेस आकांक्षा सिंह ने कमेंट में लव इमोजी शेयर किया। वहीं एक यूजर ने कमेंट में लिखा- अनारकली। करते हुए रूबीना ने कैप्शन दिया- सुनहरी धूप ने कुछ इस तरह से छुआ... बता दें कि रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कॉन्टेस्ट में अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं। इसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी कर रही थीं। इस दौरान अपनी एक फ्रेंड के कहने पर उन्होंने छोटी बहू सीरियल के लिए ऑडिशन दिया और सेलेक्ट हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह: एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू और शक्ति जैसे हिट शो का हिस्सा रही हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बॉस 16 की विनर भी रही हैं।

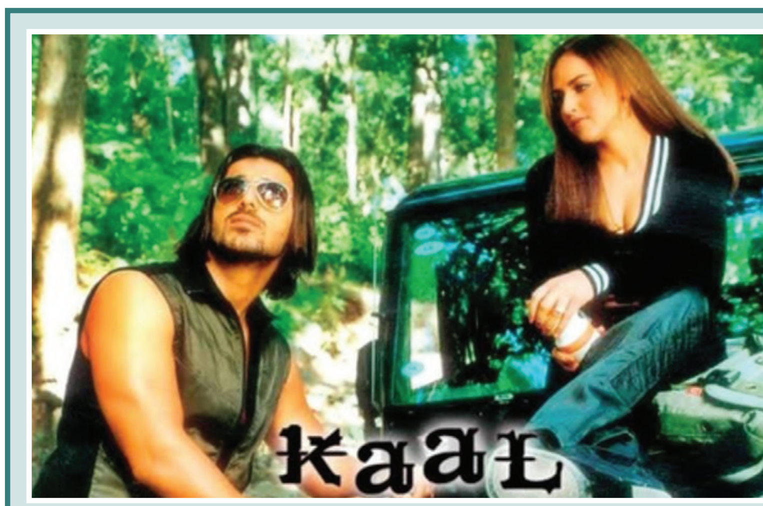

फिल्म काल के लिए बाघों के साथ दो महीने जंगल में रही थीं ईशा देओल

बॉलीवुड की हॉरर-थ्रिलर फिल्म काल को रिलीज हुए आज पूरे 20 साल हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल ने फिल्म से जुड़ी कुछ पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम के साथ सेट से ली गई बीटीएस फोटो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की और बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने दो महीने जंगल में बिताए थे। उस समय वे असली बाघों के बीच शूटिंग कर रहे थीं, जो एक बहुत ही रोमांचक और यादगार अनुभव था।

फोटो में ईशा कार की बोनट पर बैठी नजर आ रही हैं, वहीं जॉन के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 20 साल हो गए जब हम सबने दो महीने जंगल में बाघों के साथ बिताए थे, बहुत सुंदर यादें हैं। अपने इस पोस्ट में उन्होंने इसी फिल्म का गाना 'तौबा तौबा' भी बैकग्राउंड म्यूजिक ट्रैक में जोड़ा।

फिल्म की कहानी जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क जैसे एक जंगल में सेट है, जहां कुछ लोग बाघों की रहस्यमयी मौतों की जांच करने आते हैं। फिल्म में जॉन ने डॉ. क्रिश थापर की भूमिका निभाई, जो एक वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट हैं। उसे सरकार की तरफ से इन मौतों की जांच का जिम्मा दिया जाता है। वहीं एक दोस्तों का ग्रुप, जिसमें विवेक ओबेरॉय, ईशा देओल, लारा दत्ता और विशाल मल्होत्रा जैसे किरदार होते हैं, एडवेंचर ट्रिप पर उसी जंगल में आते हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ग्रुप के लोग एक-एक करके मरने लगते हैं। पहले सबको लगता है कि ये बाघ कर रहे हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि इन मौतों के पीछे एक रहस्यमयी ताकत है।फिल्म में अजय देवगन का किरदार 'काली' सस्पेंस से भरा होता है। यह फिल्म 29 अप्रैल 2005 को रिलीज हुई थी। इसे करण जौहर और शाहरुख खान ने प्रोड्यूस किया था।

दुनिया भर में बढ़ रही भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता : नानी

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सफल अभिनेता नानी अपनी अपकमिंग फिल्म 'हिट: द थर्ड केस' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भारतीय सिनेमा की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। अभिनेता ने दुनिया भर में बढ़ते भारतीय सिनेमा के प्रभुत्व के बारे में बात करते हुए कहा, हम अभी उस जनरेशन में हैं और इन सब के कारण, हमारे देश में शानदार फिल्में आ रही हैं। 'आरआरआर' ऑस्कर में गई और इस तरह की अन्य फिल्मों को भी काफी पसंद किया गया। मुझे लगता है कि यह हम सभी के लिए बड़ा सोचने, बड़े सपने देखने, बड़ी कल्पना करने और हर चीज के स्वागत करने का समय है।

उन्होंने आगे कहा, यह पॉजिटिव बात है और मुझे उन फिल्मों पर गर्व है, जो रिलीज हो चुकी हैं। मैं उन सभी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, जो जल्द ही रिलीज होने वाली हैं।

इसके साथ ही अभिनेता ने सोशल मीडिया के सिनेमा पर पड़ने वाले असर पर भी खुलकर बात की। नानी ने बताया, हम ऐसे युग में हैं, जहां एक अच्छी फिल्म बनाने के बाद लोगों तक उसकी बात पहुंचाने के लिए ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। हमारे पास सोशल मीडिया है, हमारे पास लोगों तक पहुंचने के लिए कई तरह के साधन हैं। अगर देश के एक कोने में कोई अच्छी फिल्म आती है, तो देश के दूसरे कोने में दो दिन में ही इसकी जानकारी पहुंच जाती है। नानी फिल्म में एक सख्त पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, जिसका नाम अर्जुन सरकार है। सैलेश कोलानू के निर्देशन में बनी फिल्म का निर्माण प्रशांति टिपिरनेनी ने किया है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी के साथ अभिनेत्री श्रीनिधि शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। 'हिट' इस साल 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

न बाद टीवी पर वापसी करने जा रहीं पद्मिनी कोल्हापुरी

जमाता के किरदार में आएंगी नजर

म इंडस्ट्री को एक से र एक फिल्म देने वाली जमाने की मशहूर भिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी 1 साल बाद छोटे पर्दे पर ापसी करने जा रही हैं। द्मिनी 'चक्रवर्ती सम्राट ृथ्वीराज चौहान' में ाजमाता की भूमिका में जर आएंगी। सोनी टरटेनमेंट टेलीविजन के ाथ अपने टीवी सफर की ुआत करने वाली भिनेत्री ने उसी चैनल पर ी को लेकर अपनी ता जाहिर की।उन्होंने कि राजमाता के रूप में का न केवल किरदार की कारण खास है, बल्कि भरी है। वह राजमाता के ी, जो शांत होने के साथ ़जन पर वापसी को लेकर ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट म रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए ी हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है।

उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई।

किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं।(चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान ऐतिहासिक टीवी शो है, जो पृथ्वीराज चौहान की यात्रा को दिखाता है। टीवी शो में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

विनायक चतुर्थी आज

सनातन धर्म में किसी भी शुभ और मांगलिक काम की शुरुआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, गणपति बप्पा की पूजा करने से साधक के सभी काम सफल होते हैं। वहीं, चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश की पूजा करने की विशेष महत्व है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह में विनायक चतुर्थी का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन के सभी बाधाएं दूर होती हैं। ऐसे में ही आइए जानते हैं विनायक चतुर्थी की डेट और शुभ मुहूर्त के बारे में।

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की शुरुआत 30 अप्रैल को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर हो रही है। वहीं, तिथि का समापन अगले दिन यानी 1 मई को सुबह 11 बजकर 23 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में विनायक चतुर्थी 1 मई को मनाई जाएगी।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 05 :40 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 06 :56 मिनट पर
चन्द्रोदय– सुबह 08: 23 मिनट पर
चंद्रास्त– रात 11: 18 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 14 मिनट से 04 बजकर 57 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 31 मिनट से 03 बजकर 24 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 बजकर 55 मिनट से 07 बजकर 17 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 11 बजकर 56 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक

विनायक चतुर्थी पूजा विधि

इस के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें।

चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश की प्रतिमा को विराजमान करें।

गणेश जी को मोदक, दूर्वा, हल्दी समेत आदि चीजें अर्पित करें।

दीपक जलाकर सच्चे मन से आरती करें।

गणेश जी के मंत्रों का जप और गणेश चालीसा का पाठ करें।

मोदक और फल का भोग लगाकर लोगों में प्रसाद बाटें।

करें यह उपाय

आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए विनायक चतुर्थी का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन पूजा के दौरान ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का पाठ करें। साथ ही प्रभु से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। इससे आर्थिक तंगी दूर होती है और गणेश जी प्रसन्न होते हैं।

मई से इन राशियों को हर क्षेत्र में मिलेगी सफलता और समृद्धि

ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान का कारक माना जाता है। देवताओं के गुरु बृहस्पति देव हैं। उनकी कृपा से जातक में सात्विक गुणों का विकास होता है। साथ ही जातक की रूचि धर्म-कर्म में बढ़ती है। देवगुरु बृहस्पति धनु और मीन राशि के स्वामी हैं। वहीं, कर्क राशि के जातकों पर बृहस्पति देव की विशेष कृपा बरसती है।

ज्योतिषियों की मानें तो मई महीने में देवताओं के गुरु बृहस्पति देव राशि परिवर्तन करेंगे। बृहस्पति देव के राशि परिवर्तन से सभी राशियों के जीवन में भाव और ग्रहों की स्थिति के अनुसार बदलाव देखने को मिलेगा। इनमें कई भाग्यशाली राशि के जातकों को अधिक फायदा होगा।

गुरु गोचर 2025

वर्तमान समय में देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि में विराजमान हैं। इस राशि में देवगुरु बृहस्पति 13 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन देवगुरु बृहस्पति राशि परिवर्तन करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो 14 मई को बृहस्पति देव राशि परिवर्तन करेंगे। 14 मई को बृहस्पति देव देर रात 11 बजकर 20 मिनट पर वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में बृहस्पति देव 17 अक्टूबर तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 18 अक्टूबर को देवगुरु बृहस्पति मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में गोचर करेंगे।

वृषभ राशि – गुरु के राशि परिवर्तन से वृषभ राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। इस दौरान गुरु की उपस्थिति धन भाव में रहेगी। गुरु की कृपा से धन की समस्या दूर होगी। कारोबार से जुड़े लोगों को भी जीवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। खासकर, सोने और चांदी के व्यापरियों को अधिक फायदा होगा। चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी लाभ होगा। घर में शुभ काम का आयोजन होगा। संपत्ति में भी बढ़ोतरी होगी। बड़े अधिकारीयों से सहयोग मिलेगा। सरकारी नौकरी मिलने के भी योग हैं। लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से हर काम में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि – मिथुन राशि में देवगुरु बृहस्पति के गोचर से कन्या राशि के जातक भी लाभान्वित हो सकते हैं। इस राशि के जातकों को बड़ों का प्यार और स्नेह मिलेगा। साथ ही भरपूर सहयोग मिलेगा। आप वेदांत के ज्ञाता हो सकते हैं। गुरु की कृपा से आप अपने जीवन में आगे बढ़ेंगे। वकालत से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। सरकारी तंत्र से भी लाभ दिख रहा है। धन-संपत्ति में मनमुताबिक वृद्धि होगी। ऐसा भी हो सकता है कि मनचाही मुराद पूरी होगी। किसी न किसी साधन से आय का आगमन होता रहेगा। भूमि और भवन की खरीदारी कर सकते हैं। संतान सुख के भी योग बन रहे हैं।

मई में 15 दिन बजेगी शहनाई

हिंदू धर्म में 16 संस्कारो में से एक महत्वपूर्ण संस्कार विवाह होता है। सिर्फ वर और कन्या का नहीं, यह दो परिवारों का संबंध होता है। लिहाजा, न सिर्फ दांपत्य जीवन सुखमयी रहे, बल्कि दोनों परिवारों के बीच भी अच्छे रिश्ते रहें, इसलिए शादी को शुभ मुहूर्त में कराया जाता है।

कई लोगों ने अपने-अपने बेटे-बेटियों के लिए रिश्ते तय कर लिए हैं। अब उन्हें एक अच्छे मुहूर्त की तलाश है, जिसमें उनके घरों में शहनाई बजे। इसके लिए लोग मई के शुभ मुहूर्तों के बारे में जानना चाह रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस साल शादी के लिए सबसे ज्यादा मुहूर्त मई में ही बन रहे हैं।

मई में शादी के लिए 15 तारीखें हैं। इसके बाद जून में विवाह के लिए 5 और नवंबर-दिसंबर में करीब 17 मुहूर्त मिलेंगे। तो देर किस बात की है, यहां पढ़िए मई में शादी-ब्याह के शुभ मुहूर्त किस-किस तारीख पर बन रहे हैं।

शादी के लिए शुभ तारीख

6 मई 2025, मंगलवार
8 मई 2025, गुरुवार
10 मई 2025, शनिवार
14 मई 2025, बुधवार
15 मई 2025, गुरुवार
16 मई 2025, शुक्रवार
17 मई 2025, शनिवार
18 मई 2025, रविवार
22 मई 2025, गुरुवार
23 मई 2025, शुक्रवार
24 मई 2025, शनिवार
27 मई 2025, मंगलवार
28 मई 2025, बुधवार

4 महीनों तक नहीं होंगे विवाह

इसके बाद जून में शादी के लिए 5 मुहूर्त रहेंगे। फिर जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में शादी के लिए कोई भी शुभ मुहूर्त नहीं है। देवशयनी एकादशी के बाद जून में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाएंगे।

शादी के लिए अगले मुहूर्त इसके 4 महीने के बाद नवंबर और दिसंबर में ही बनेंगे। नवंबर में 14 दिन और दिसंबर में तीन दिन ही शादी के लिए शुभ मुहूर्त रहेंगे।

देवशयनी एकादशी 6 जुलाई को मनाई जाएगी

सनातन धर्म में देवशयनी एकादशी का खास महत्व है। यह पर्व हर साल आषाढ़ महीने में मनाया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। धार्मिक मत है कि लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को सभी संकटों से मुक्ति मिलती है।

सनातन शास्त्रों में निहित है कि देवशयनी एकादशी के दिन से चातुर्मास शुरू होता है। इस दिन से जगत के पालनहार भगवान विष्णु क्षीर सागर में लगातार चार महीने तक विश्राम करते हैं। इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन जागृत होते हैं।

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवशयनी एकादशी मनाई जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, 05 जुलाई को शाम 06 बजकर 58 मिनट पर आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि शुरू होगी। वहीं, 06 जुलाई को शाम 09 बजकर 14 मिनट पर आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का समापन होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 06 जुलाई को देवशयनी एकादशी मनाई जाएगी।

कब से शुरू होगा चातुर्मास?

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि से चातुर्मास शुरू होता है। वहीं, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को चातुर्मास समाप्त होता है। इस साल 06 जुलाई से चातुर्मास की शुरुआत होगी। वहीं, 01 नवंबर को चातुर्मास की समाप्ति होगी। चातुर्मास 06 जुलाई से लेकर 01 नवंबर तक है। इसके अगले दिन यानी 2 नवंबर को तुलसी विवाह है। इस दिन से सभी प्रकार के मांगलिक कार्य किए जाएंगे।

देवशयनी एकादशी शुभ मुहूर्त

देवशयनी एकादशी तिथि पर साध्य और शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का संयोग है। इसके अलावा,रवि और भद्रावास योग के भी योग हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी। साथ ही सभी प्रकार के दुखों से मुक्ति मिलेगी।

मोहिनी एकादशी 8 मई को

सनातन शास्त्र में एकादशी तिथि का विशेष महत्व बताया है। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह की दूसरी एकादशी तिथि को मोहिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस शुभ तिथि पर भक्त सुबह स्नान करने के बाद श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। साथ ही व्रत का संकल्प लेते हैं। वहीं, द्वादशी तिथि पर व्रत का पारण करने के बाद विशेष चीजों का दान करने का खास महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, श्रद्धा अनुसार दान करने से साधक को जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 7 मई को सुबह 10 बजकर 19 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 8 मई को दोपहर 12 बजकर 29 मिनट पर तिथि खत्म होगी। ऐसे में मोहिनी एकादशी व्रत 8 मई को किया जाएगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एकादशी व्रत का पारण अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर किया जाता है। ऐसे में मोहिनी एकादशी व्रत का पारण 9 मई को किया जाएगा। इस दिन व्रत का पारण करने का शुभ मुहूर्त सुबह 05 बजकर 34 मिनट से लेकर 08 बजकर 16 मिनट तक है। इस दौरान किसी भी समय व्रत का पारण किया जा सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04:10 मिनट से 04:53 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02:32 मिनट से 03:26 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06:59 मिनट से 07:21 मिनट तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 11:56 मिनट से 12:39 मिनट तक

मोहिनी एकादशी पूजा विधि

एकादशी के दिन की शुरुआत देवी-देवताओं के नाम से करें।

स्नान करने के बाद मंदिर में गंगाजल का छिड़काव करें।

चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें।

विधिपूर्वक आरती करें। विष्णु चालीसा का पाठ करें।

श्रीहरि के मंत्रों का जप करें। पंचामृत, फल और मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं। आखिरी में लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा 30 जून से होगी प्रारंभ

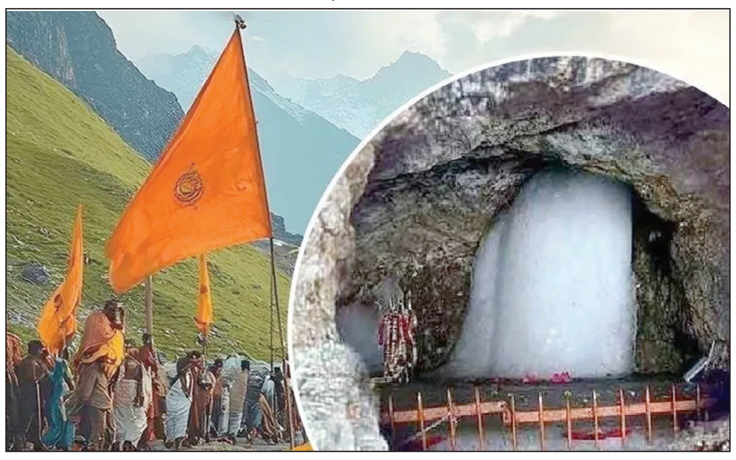

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कैलाश पर्वत पर महादेव और मां पार्वती का वास होता है। इसलिए सनातन धर्म में कैलाश मानसरोवर यात्रा को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। अब जल्द ही लंबे समय के बाद एक फिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत होने जा रही है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए महादेव के भक्त बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस यात्रा पर वर्ष 2020 में कोरोना महामारी की वजह से रोक लगाई थी, जिसके बाद 5 साल के बाद फिर से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू होने जा रही है। इस यात्रा में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऐसे में आइए जानते हैं कि कब से शुरू हो रही है कैलाश मानसरोवर यात्रा?

वर्ष 2025 में कैलाश मानसरोवर यात्रा की शुरुआत 30 जून से होगी। इस यात्रा के लिए आवेदन और चयन की प्रक्रिया को ऑनलाइन रखा गया है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा का धार्मिक महत्व

कैलाश मानसरोवर को बौद्ध और जैन धर्म के लोग भी पवित्र स्थान मानते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, कैलाश मानसरोवर को कुबेर नगरी कहा जाता है। इसी जगह से जगत के जगत के पालनहार भगवान विष्णु के चरण से गंगा नदी निकलती है और कैलाश पर्वत की चोटी पर गिरती है। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कठिन रास्तों का सामना करना पड़ता है और शिव के धाम का दर्शन करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ध्यान और तप के देवता शिव माने जाते हैं। महादेव के भक्त मुक्ति का मार्ग ध्यान और तपस्या को मानते हैं। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का वास है। कैलाश पर्वत तिब्बत में है।

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने के लिए हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन धर्म से जुड़े लोग दूर-दूर से आते हैं, लेकिन सभी धर्मों के लिए अलग-अलग मान्यताएं हैं। यहां पर श्रद्धालुओं आध्यात्मिक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

18 साल बाद हो रहा राहु का राशि परिवर्तन, अगले 18 महीने इन राशियों को जिंदगी में मिलेंगा लाभ

राहु 18 मई को कुंभ राशि में गोचर करने जा रहे हैं। यह अब 8 साल बाद 18 मई 2025 रविवार के दिन शाम के समय 07 बजकर 35 मिनट पर शनि के स्वामित्व वाली कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। राहु सदैव वक्री गति करते हैं। ऐसे में किसी राशि में आगे बढ़ने की जगह यह पिछली राशि में प्रवेश करते हैं। इसलिए मीन राशि के बाद अब राहु का गोचर कुंभ राशि में संचार करेंगे। राहु एक राशि में 18 महीने तक गोचर करते हैं। ऐसे में अगले 18 माह तक राहु के राशि परिवर्तन से मेष समेत कई राशियों को अप्रत्याशित रूप से लाभ मिलने वाला है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि 18 मई को राहु कुंभ राशि में गोचर करने के बाद किन राशियों के लिए लाभदायक रहेंगे।

मेष राशि वालों को होगा चौतरफा फायदा

इन राशि के जातकों के 11वें भाव में राहु का गोचर होगा, जिसे बहुत अनुकूल माना जा रहा है। अगले 18 महीने में आपको जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। 11वें भाव में राहु की उपस्थिति आपकी मनोकामनाएं पूरी करने वाला हो सकता है। आपने जो भी कार्य सोचा होगा, उसमें सफलता हासिल होगी और लंबे समय से कार्यों में आ रही रुकावटें भी दूर होने लगेंगी। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और मन में प्रसन्नता बनी रहेगी। इस दौरान समाज में भी आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नौकरी करने वाले कर्मचारियों की आय में भी वृद्धि हो सकती है। साथ ही, आपको दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा और जीवन में अच्छे मित्रों से मुलाकात होगी। परिवार को समय देने के साथ-साथ आप सामाजिक कार्यों में भी ज्यादा रुचि दिखाएंगे। नए लोगों से मिलने-जुलने और उनके साथ समय बिताने से आपको प्रसन्नता मिलेगी। इस दौरान आपकी लव लाइफ में भी खुशियां आएंगी। व्यापार करने वालों को अपने काम में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल हो सकती है और ऊंचा पद मिलने की भी उम्मीद है।

कर्क राशि वालों को होगा अप्रत्याशित धन लाभ

आपके अष्टम भाव में राहु का गोचर होने जा रहा है। ऐसे में कुछ मामलों में ये शुभ परिणाम देने वाला रहेगा। लेकिन कोई भी कार्य सोच-समझकर करना ही आपके लिए बेहतर है। आप अपने ससुराल के कार्यों में ज्यादा रुचि दिखा सकते हैं। राहु के कारण आपको किसी ऐसी जगह से अचानक धन मिल सकता है, जिसकी आपने उम्मीद भी न की हो। इस दौरान आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में ज्यादा बढ़ सकती है। साथ ही, संपत्ति से जुड़ा कोई लाभ भी हो सकता है। आप अचानक से कोई प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं, जो लाभकारी रहेगी। कहीं जाते वक्त रास्ते में धन मिलने की उम्मीद भी की जा सकती है। परिवार के मामले में सुख-शांति बनी रहेगी और शादीशुदा लोगों का गृहस्थ जीवन खुशहाल बनेगा। इसके अलावा, लव लाइफ में भी आपको सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कन्या राशि वाले होंगे मालामाल

इन राशि के जातकों के लिए राहु छठे भाव में गोचर करने वाले हैं, जिसे अनुकूल परिणाम देने वाला माना जाता है। अगर आप लंबे समय से किसी समस्या से परेशान चल रहे थे, तो उससे अब निजात मिल सकती है। जीवन के दुख भी कम होने लगेंगे और आप किसी भी मुश्किल परिस्थिति का समाधान बहुत आसानी से निकाल लेंगे। साथ ही, इस दौरान आपको हर कार्य में सफलता भी हासिल हो सकती है। राहु के इस गोचर से आपकी सेहत में थोड़ा उतार-चढ़ाव आ सकता है। लेकिन आप बहुत जल्दी ठीक भी हो जाएंगे। अगर आपके ऊपर लंबे समय से कोई कर्ज था तो वह उतर सकता है। व्यापार करने वाले लोग कार्यक्षेत्र पर अगर कोई नया लोन लेने के बारे में सोच रहे थे, तो उसमें भी सफलता हासिल होगी। काम धंधे को लेकर पहले के समय में किए गए निवेश अब आपको फायदा पहुंचा सकते हैं। न्यायालय में कोई मामला अटका हुआ था, तो आपके पक्ष में फैसला आएगा और शत्रुओं से निजात मिलेगी। आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा और धन लाभ के योग भी बन सकते हैं।

तुला राशि वालों को हर क्षेत्र में मिलेगी कामयाबी

आपके पंचम भाव में राहु का गोचर होने वाला है। इससे आपको अपने जीवन में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। पढ़ने लिखने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे और करियर में सफलता मिलेगी। शिक्षा में अपने अच्छे प्रदर्शन से आपको कामयाबी हासिल होगी। जो भी आप पढ़ेंगे वह आपको तुरंत याद हो जाएगा। लव लाइफ में साथी के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और दोनों के बीच का प्रेम बढ़ेगा। आप अपने और साथी के रिश्ते में खुशहाली बनाए रखने के लिए प्रयास करेंगे। राहु के इस गोचर से आपकी बुद्धि का अच्छा विकास होगा और कुछ भी याद रखने की क्षमता में बढ़ोतरी आएगी। अगर शेयर बाजार में निवेश करने का सोच रहे हैं, तो उसमें लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापार और कार्यक्षेत्र पर धन कमाने के अन्य मार्ग खुलने के योग बनेंगे। मुश्किल से मुश्किल काम आप बहुत आसानी से पूरा कर लेंगे।

धनु राशि वालों के लिए खुलेंगे सफलता के द्वार

इस राशि के जातकों के तीसरे भाव में राहु गोचर करेंगे। इससे आपके जीवन में कई बड़े सफलता के रास्ते खुल सकते हैं। इस दौरान आप कामकाज में व्यस्त रहेंगे और कहीं छोटी-छोटी जगहों पर काम के सिलसिले में जाना भी पड़ सकता है। आपको अपने दोस्तों के साथ समय बिताने के अवसर मिलेंगे और जरूरी कार्यों में उनका पूरा सहयोग मिलेगा। आप परिवार के सदस्यों से ज्यादा दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। व्यापार के मामले में कोई नई योजना या कोई नया काम शुरू करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। आपकी मधुर वाणी लोगों पर प्रभाव छोड़ेगी और इससे आपको नौकरी में भी फायदा मिल सकता है। भाई-बहनों की किसी समस्या को आप सुलझा सकते हैं। रचनात्मक विषयों में रुचि बढ़ सकती है, जिसे आप आगे लेकर चल सकते हैं और आपका साहस भी बढ़ेगा।

संपादकीय

यह सवालों का समय नहीं

सबसे महत्वपूर्ण और प्रथम राष्ट्र है। प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सांसद, राजनीतिक दल और देश के औसत नागरिक उसके हिस्से हैं। राष्ट्र का अस्तित्व है, तो सभी का अस्तित्व है। पहलगाम नरसंहार हमारे भारत की आत्मा, अस्तित्व और संप्रभुता पर हमला था। उसे तनिक भी भुलाया नहीं जा सकता। भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आश्वासन पर भरोसा करना चाहिए। हमले के तुरंत बाद आतंकियों और उनके आकाओं पर पलटवार के तौर पर हमला नहीं किया जा सकता। यह भी कूटनीतिक और सामरिक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली से कश्मीर तक बैठकों और गहन जांच के दौर जारी हैं। जांच में इसरो को भी शामिल किया गया है। 10 आतंकियों के घर जमींदोज कर दिए गए हैं। कुछ घरों में विस्फोटक भी दिखे हैं। करीब 2000 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। तीनों सेनाओं के प्रमुख और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच 40 मिनट की मुलाकात हुई। जाहिर है कि पाकिस्तान पर हमले के प्रारूपों पर विमर्श हुआ होगा! दुनिया के 40-45 देशों के राष्ट्राध्यक्षों, राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों आदि ने प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत को भरपूर समर्थन दिया है। प्रमुख मुस्लिम देश भी भारत के साथ खड़े हैं। चीन, तुर्किये सरीखे देशों ने भी पाकिस्तान को सार्वजनिक समर्थन नहीं दिया है। वे पाकिस्तान की फितरत और हकीकत जानते हैं। क्या कुछ विपक्षी दलों को ये गतिविधियां दिखाई नहीं देती हैं? यह सवालों का नहीं, राष्ट्र के तौर पर एकजुट दिखने का समय है। प्रधानमंत्री का सर्वदलीय बैठक में न आ पाना कोई बुनियादी सवाल नहीं है। बैठक में रक्षा मंत्री और गृह मंत्री थे, जो सुरक्षा और खुफिया संबंधी सवालों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह होते हैं। क्या उनकी मौजूदगी महत्वपूर्ण नहीं थी? यह फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल किए गए कथित 300 किग्रा आरडीएक्स विस्फोटक पर बार-बार सवाल करने का समय नहीं है। यह किसी कथित आतंकी को भाजपा का टिकट देने पर सवाल करने का भी समय नहीं है। यह आतंकी हमले गिनवाने का भी समय नहीं है। घटना 1984 की है, लिहाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके आधिकारिक आवास में हत्या को सबसे अहम सुरक्षा चूक करार देना आज न तो प्रासंगिक है और न ही उचित समय है।

भारत को हिंदू और मुसलमान में विभाजित कर आघात नहीं किया जा सकता। हम ऐसा आघात बर्दाश्त नहीं करेंगे, क्योंकि राष्ट्र के सवाल पर सभी समुदाय एकजुट हैं। नरसंहार के बाद सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी। उसमें सवाल जरूर उठे होंगे, लिहाजा मोदी सरकार ने खुफिया-सुरक्षा चूक को भी स्वीकार किया। जो नेता कट्टरपंथी किस्म के दिखाई देते हैं, आज वे भी सरकार के साथ हैं और प्रधानमंत्री मोदी के किसी भी फैसले का समर्थन कर रहे हैं। वक्फ जैसा संवेदनशील मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। फिलहाल आतंकवाद पर आंख गड़ी है और उसे सबक सिखाना है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के जरिए नरसंहार के पीड़ित परिवारों के साथ अपनी व्यथा और अपना गुस्सा साझा किए हैं। एक बार फिर उन परिवारों को आश्वस्त किया गया है कि न्याय जरूर मिलेगा। हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोरतम जवाब जरूर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री को एहसास है कि हर भारतीय का खून, आतंकी हमले की तस्वीरों को देखकर, खौल रहा है।

वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

योगेंद्र योगी

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ़्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते। इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमज़ोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति ख़तरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी।

दृष्टि कोण

जीएसटी का रास्ता आसान बनाने की जरूरत

देश में आर्थिक उदारीकरण के बाद जो सबसे बड़ा सुधार हुआ, वह था 'वन नेशन वन टैक्स' का फैसला। इसके तहत ही जीएसटी की नींव रखी गई। कई सरकारों से गुजरता हुआ यह अंत में जीएसटी के रूप में पहली जुलाई 2017 को संसद में पारित हुआ और इसे टैक्स वसूली और कारोबारियों को राहत देने की दिशा में एक गेम चेंजर माना गया। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस पर बहुत काम किया और उम्मीद जताई कि यह टैक्स भरने में एक सुगम व्यवस्था बन जाएगा। लेकिन शुरुआत बहुत बुरी हुई और पहले तो इसका वेबसाइट बार-बार क्रैश करने लगा और फिर बहुत से कॉलम भी आसानी से भरे नहीं जा रहे थे। इन तकनीकी समस्याओं से जूझते हुए भी इस सुधार को आगे बढ़ाया गया। लेकिन इसमें तरह-तरह की अड़चनें आने लगीं जिसका अंत अब तक होता नहीं दिख रहा है। कारोबारियों को बताया गया था कि यह आसान व्यवस्था होगी और उनके लिए टैक्स भरना पहले से भी आसान होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई तरह की समस्याएं आती रहीं और कई तरह की विसंगतियां भी। लेकिन पूर्ण समाधान होता नहीं दिख रहा है। दरअसल जीएसटी को सुचारू रूप से लागू करने के लिए एक जीएसटी काउंसिल बनाई गई थी और वह अभी भी इसका काम देखती है। भारत सरकार के वित्त विभाग के अंतर्गत यह नहीं है, सिवा इसके कि केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसकी अध्यक्षता करती हैं। उन्हें अपने बूते किसी भी तरह का फैसला करने का अधिकार नहीं है। वहां जो भी फैसले होते हैं, वे सभी बहुमत से होते हैं, यानी सभी राज्यों के चुने प्रतिनिधियों जो सामान्य रूप से वित्त मंत्री होते हैं। यह इस काउंसिल का लोकतांत्रिक स्वरूप जताता है, लेकिन यह कई बड़े फैसले न ले पाने का कारण भी बनता है। वित्त मंत्री की बहुत इच्छा रही है कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में शामिल किया जाए, ताकि इसके दाम भी पूरे देश में लगभग एक समान हों, लेकिन कई सदस्य इसे होने नहीं दे रहे हैं। वे अपने राज्य के हित में चलते हुए ऐसा नहीं होने देते। जब भी किसी राज्य को अपना राजस्व बढ़ाना होता है, वह तुरंत ही पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा देता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कर्नाटक, जहां इनकी कीमतें सबसे ज्यादा हैं। अगर इस पर जीएसटी लगा होता तो ऐसा संभव नहीं था। यह तो हुई जनता की परेशानी। अब आते हैं कारोबारियों-व्यापारियों पर जो अब तक जीएसटी भुगतान में सहज नहीं हो पा रहे हैं। इसमें कई तरह की विसंगतियां हैं, मसलन दो तरह के सामान जो मिलकर एक उत्पाद होते हैं, उन पर अलग-अलग टैक्स दरें हैं। यह कारोबारी के लिए एक परेशानी है। अगर हम भारत के एक पॉपुलर स्नैक बन मस्का को देखें तो पाएंगे कि बन पर टैक्स की दर अलग है और मस्का यानी मक्खन पर अलग। अब व्यापारी किस दर से टैक्स लेगा? रेस्तरां में रोटी पर कम टैक्स है तो परांठे पर ज्यादा। बिना एसी वाले रेस्तरां के लिए अलग दर है तो एसी वाले के लिए अलग। खुले सामान पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट में आते ही उस पर टैक्स लगेगा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जो जीएसटी की विसंगतियां बताते हैं। इसके अलावा कई सेवाओं पर 18 फीसदी का भारी भरकम टैक्स भी है। एक ओर तो सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर करती है, तो दूसरी ओर काउंसिल ने हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी लगा रखा है। व्यापारियों का कहना है कि दरों में विसंगति न हो और उन्हें तार्किक बनाया जाए। उनकी यह भी शिकायत है कि वे पूरे माह जीएसटी रिटर्न भरने में लगे रहते हैं, नहीं तो लाखों की देनदारी का नोटिस आ जाता है। रेस्तरां के एसी या नॉन एसी होने से जीएसटी कैसे घट-बढ़ सकता है जबकि आज देश में निम्न आय वर्ग के लोग भी भीषण गर्मी की मार से बचने के लिए अपने घरों में एसी लगाते हैं। इस समय टैक्स के चार स्लैब हैं- 5, 12, 18 और 28 फीसदी। इन्हें घटाकर तीन स्लैब करना चाहिए। इन दरों को तर्कसंगत बनाने से वैधानिक मामले कम हो जाएंगे। साथ ही, जीएसटी की रिटर्न प्रणाली और इनपुट टैक्स क्रेडिट नीति में भी बदलाव की जरूरत है। जीएसटी लागू हुए 8 वर्ष हो गए, लेकिन इसके नियमों में हर महीने बदलाव होते रहते हैं जिससे व्यापारियों में भ्रम पैदा होता है।

कुछ अलग

आओ कब्र खोदें

आंखें छोटी करते हुए वह मुझसे बोले, 'अगर मायने नहीं रखता तो उठाया क्यों जाता? पर यह पूछो कि किसके लिए मायने रखता है? जाहिर है हर रोज दो जून की रोटी के जुगाड़ में लगे लोगों के लिए ऐसे मुद्दे कोई मायने नहीं रखते। काम-धंधे में लगे लोगों के लिए भी इनका कोई मतलब नहीं होता। कौन अपनी रोटी या काम-धंधा छोड़ कर फालतू बातों में समय खराब करेगा। यह तो गुंडों-मवालियों और फसली बटेरों का काम है। जरूरी नहीं कि खादी में लिपटा हर मगज ऐसी सोच रखता हो। पर अधिकांश लोग ऐसे ही हैं और सत्ता में बने रहने के लिए वे कुछ भी कर सकते हैं। ऐसे लोग जो अपने लिए मेहनत नहीं कर सकते वे देश और समाज के लिए क्या हाड़ तोड़ेंगे। उनका मकसद तो पैसा कमाना है, फिर चाहे वह कमीशन-घूस से आए या देश बेच कर आए। अगर ये लोग सामाजिक उत्थान का कोई लक्ष्य सामने रखेंगे तो देश सवाल करेगा। सवालों से बचने के लिए ये लोग समय-समय पर ऐसे मुद्दे खड़े करते रहते हैं। कभी धर्म सामने आएगा तो कभी इतिहास में विधर्मी शासक द्वारा किए गए अत्याचार, कभी भैंसें सामने आएंगी तो कभी कपड़ों से की जाने वाली पहचान। लेकिन कभी यह लक्ष्य सामने नहीं आता है कि वियतनाम की तरह अगले दस सालों में देश पूरी तरह साक्षर हो जाएगा या बांग्लादेश की तरह परिवार नियोजन शत-प्रतिशत लागू हो जाएगा। लेकिन अगर लोग पढ़े-लिखे होंगे और परिवार छोटे होंगे तो गरीबी ख़ुद-बख़ुद दूर कर लेंगे। याद रखना कि सत्ता कभी नहीं चाहती कि लोग ख़ुद मुख़्तार हों। ऐसे लोग किसी भी सत्ता के लिए फायदेमंद नहीं होते। इसलिए आज़ादी के अमृत काल में भी न गरीबी हटी और बेरोजगारी तथा न गरीब और बेरोजगार। क्योंकि चुनावों में सत्ता तक पहुंचने के यही दो पहिये हैं। तुमने कभी सोचा है कि फ्रांस या रूस की क्रांतियां क्यों हुई थीं। अपने देश में गाहे-बगाहे प्रदर्शन होते रहते हैं, पर कभी इतने बड़े पैमाने पर क्रांति नहीं होतीं। छोटे-मोटे प्रदर्शनों को कुचलना आसान है। इसलिए सरकारें नस्ल, जाति, धर्म, संप्रदाय, इतिहास वगैरह के भेद और मुद्दों से समाज को विभाजित रखती हैं ताकि लोग कभी इक_ा न हो सकें। अगर ऐसा न होता तो कबाइली इलाकों के जंगलों सहित तमाम संसाधनों पर कब्जा कैसे होता? हसदेव और कांचा गचीबावली के जंगल कैसे कटते?' इतना कहते-कहते उनकी गंभीर आंखों से उदासी झांकने लगी। उनके साथ मैं भी गंभीर और उदास हो उठा। कुछ देर शांत रहने के बाद मेरी जिज्ञासा के कीड़े पुनः उसी तरह कुलांचे भरने लगे जैसे किसी नेता के जनसभा में संबोधन के लिए आमंत्रित न किए जाने पर होते हैं। मैंने उनसे कहा कि जब आपको इन सारी चीज़ों की इतनी गहरी समझ है तो आप अपने घर में क्यों कब्र खुदवा रहे हैं? इस बार वह तिरछी हंसी हंसते हुए बोले, 'पण्डित जी, स्वार्थ, खालिस स्वार्थ, शुद्ध सोने की तरह 24 कैरेट स्वार्थ। नौकरी में इतने पैसे बचते नहीं थे कि लाखों की ज़मीन ख़रीद कर, लाखों का मकान बनवा सकूं या महंगी गाड़ी ख़रीद सकूं। फिर बच्चों की पढ़ाई और तमाम तरह के ख़र्चे। इसलिए कमीशन खाई, रिश्वत खाई, घपले-घोटाले किए। फिर सरकार ने जांच बिठाई। अब इससे बाहर तो आना है। सरकारी नौकरी के दौरान बिगड़ी आदतें पेंशन से पूरी नहीं होतीं। इसलिए सरकारी दरबार में शामिल होना ज़रूरी है। क्या फर्क पड़ता है मेरे जैसे लोग किसी भी दरबार में अपनी गोटियां फिट कर सकते हैं।

देश दुनिया से

विकास और कृषि-पशुपालन ढांचा

देश एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने की नितांत आवश्यकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में फिर से विकास की बयार बहेगी तथा बेरोजगारी को दूर करने में कुछ हद तक मदद मिलेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा यदि सरकार इसके लिए अनुदान देती है। नकद राशि मिलने से बेरोजगार युवा खेतीबाड़ी करने के साथ ही पशु पालने में रुचि लेंगे। अन्यथा ग्रामीण क्षेत्र में यह स्थिति हो गई है कि लोगों को सब्जियां या दूध आदि का वितरण शहरों से हो रहा है। एक समय था जब ताजा शुद्ध दूध गांव-गांव से इकट्ठा करके शहर ले जाया जाता था। फल व सब्जियां भी गांव से ही जाती थी। शहरवासी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के उत्पादों को गुणवत्ता से परिपूर्ण मानते हुए बड़े चाव से उनका उपयोग करते थे। लेकिन अब परिस्थितियां विपरीत हो गई हैं। गांव के लोग भी शहर से लाए उत्पादों का बड़े चाव से सेवन कर रहे हैं। उसमें यह नहीं देख रहे हैं कि उनकी रसोई तक कितना खतरनाक कैमिकल पहुंच रहा है। एक समय था जब ग्रामीण स्तर पर कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय एक दूसरे के पूरक थे। पहले पशुओं, विशेषकर बैलों के बिना खेतीबाड़ी की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब लोग इस काम में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वैसे भी गांव में अब खेतीबाड़ी करना बहुत मुश्किल हो गया है। उपजाऊ जमीन विरान पड़ गई है। जहां खाली जगह है वहां जहरीला फुलणु घास व कंटीली झाडियों के जंगल खड़े हो गए हैं। घासनियों में भी जहरीली घास फैल गई है। कुल मिलाकर जमीन बंजर हो गई है। अब गांव में जो इक्का-दुक्का परिवार खेतीबाड़ी कर रहे हैं, उन्हें जितना खर्च करना पड़ता है, उस हिसाब से फसल नहीं हो रही है। जंगली जानवरों एवं लावारिस पशुओं से फसल का बचाव करना मुश्किल है। खेतों में सिंचाई की सुविधा न के बराबर होने के कारण किसानों को बारिश पर ही निर्भर रहना पड़ता है। मौसम की दगाबाजी ऐसी है कि, कभी सूखा पड़ता है तो कभी जरूरत से ज्यादा बारिश हो रही है। उससे फसल खराब हो रही है तथा सारे किए कराए पर पानी फिर जाता है। खेती करने में आ रही मुश्किलों से अधिकतर ग्रामीण अब खेतों के बजाय क्यारियों में ही साग-सब्जियां उगा रहे हैं। खेतीबाड़ी के न होने से पशुपालन का व्यवसाय भी नाममात्र का रह गया है। गांव में अब कोई विरला ही परिवार है, जिसने गाय या कोई भेड़-बकरी पाल रखी है। अन्य पशु अब लावारिस होकर सडक़ों पर भटक रहे हैं। पहले शहर में ही इक्का-दुक्का लावारिस पशु नजर आते थे, लेकिन अब गांव-गांव तक लावारिस पशुओं के झुंड घूमते देखे जा सकते हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी एवं पशुपालन बहुत ही घाटे का सौदा हो गया है। इन दोनों व्यवसायों में खर्च के मुताबिक आय नहीं हो रही है। सरकार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। हलांकि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दिए जाने के बाद कृषि क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है। लेकिन इसके लिए और अधिक धनराशि की जरूरत है। यदि सरकार बैल पालने के लिए हर महीने प्रति जोड़ी 1500, गाय या भैंस पालने के लिए 750 रुपए मासिक तथा भेड़ व बकरी पालन के लिए 250 रुपए अनुदान दे, तभी कृषि के साथ ही पशुपालन व्यवसाय फिर से पनप पाएगा। इससे एक तो बेसहारा पशुओं की समस्या का हल होगा तथा दूसरे ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तरह कृषि उपज भी बढ़ेगी। ग्रामीणों को अपने गांवों में अच्छा अनाज, शुद्ध दूध-दही व घी के साथ ही फल व सब्जियां उपलब्ध होंगी। ग्रामीणों को अपने घरों में ही रोजगार उपलब्ध होगा। इससे हिमाचल सरकार को दूध व प्रस्तावित गोबर खरीदने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले करीब चार दशकों से ग्रामीण क्षेत्र में कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय में जबरदस्त गिरावट आई है। एक समय था जब ग्रामीणों में यह कहावत 'उत्तम खेती, मध्यम व्यापार, नखिद चाकरी करे गवार' प्रचलित थी। अर्थात पहले खेतीबाड़ी को सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। व्यापार को दूसरे स्थान तथा नौकरी को सबसे घटिया गिना जाता था। लेकिन अब स्थितियां इसके विपरीत हैं। आज हर कोई सरकारी नौकरी पाना चाहता है। इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि सरकारी क्षेत्र में कर्मचारियों के वेतन में अत्यधिक बढ़ोतरी हुई है तथा सेवानिवृत्ति के बाद पैंशन की सुविधा होने से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाता है। दूसरी ओर उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं की संख्या में एकाएक वृद्धि हो रही है। ऐसे युवा जो सरकारी सेवा में नहीं जा सकते हैं, वे मजबूरी में कम वेतन पर निजी क्षेत्र में काम करते हैं। सरकारी एवं निजी क्षेत्र में यह सुविधा है कि हर महीने वेतन मिलता है। जबकि ग्रामीण क्षेत्र में फसल अच्छी होने के बाद यदि उसका दाम ठीक मिले तो समझा जाता है कि कम से कम फसल पर जितना खर्च हुआ था, उसकी भरपाई हो गई। किसानों को दुधारू पशु या भेड़-बकरियां आदि के बिकने पर ही नकद पैसा मिल पाता है। किसानों द्वारा उगाई जाने वाली फसल भी उन्हें काफी महंगी पडने लगी। खाद, बीज एवं कीटनाशक दवाइयों की कीमतें आसमान छू रही हैं। खेतों की साफ-सफाई तथा हल जोताई आदि पर भी काफी खर्च हो जाता है। जबकि उससे कम कीमत पर अनाज एवं दालें आदि बाजार में मिल जाती हैं। अर्थात किसानों की उपज का भी उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल पाता। कृषि के साथ बागवानी करने वालों के तो उनसे भी बुरे हाल हैं। सब्जियों की तरह फलों का समर्थन मूल्य न के बराबर मिलता है। इसलिए लोग अपने फलों को विक्रय केन्द्र तक भी नहीं पहुचा पाते। कई स्थानों तक तो सम्पर्क सडक़ों का अभाव है। पशुपालन व्यवसाय की हालत बहुत खराब है। पहले कृषि के लिए बैल बहुत उपयोगी माने जाते थे। किसान उन्नत नस्ल के बैल पालने के बहुत शौकीन थे। कई किसान तो हरियाणा एवं पंजाब से बैल पालने को लाते थे। अनेक स्थानों पर पशु मंडियां लगती थी। बैलों व अन्य पशुओं की बड़े पैमाने पर खरीद-फरोख्त होती थी। उन्नत नस्ल के पशुपालकों को आयोजन समिति की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम भी दिए जाते थे। इस तरह दुधारू पशुओं की भी गांव में खासी संख्या होती थी। ग्रामीण कड़ी मशक्कत करते थे तथा घी-दूध भी खूब खाते थे। हर परिवार के पास बैल की जोड़ी, दो-तीन भैंसें, गाय व भेड़-बकरियां आदि पशु होते थे, लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं।

आप का नजरिया

स्थानांतरण में आत्मबोध

प्रशासन में कर्म की परीक्षा कभी मुकम्मल नहीं होती, फिर भी व्यवस्था की आपूर्ति में अधिकारियों के जिम्मे किसी भी सरकार का पूरा कालखंड होता है। हर अधिकारी के फर्ज में सरकार का रुतबा गूंजता है और अगर यही नगीने खनक जाएं तो छवि की पताका पर संदेह होना लाजिमी है। सरकारों का अपना-अपना ट्रांसफर काल भी दिखाई देता है। हम इसे पटवारी से लेकर राज्य के मुख्य अधिकारी तक देख सकते हैं। लोग बेहतर समीक्षक होते हैं और कई बार सरकारों के ट्रांसफर आर्डरों का विरोध भी करते हैं, लेकिन जनापेक्षाएं भी सियासत की तरह अकसर मोम नहीं होतीं। नुकीले प्रश्नों की आबरू में सबसे ज्यादा पैमाइश और आजमाइश प्रशासनिक अधिकारियों की ही होती है, जहां हर पड़ाव एक ट्रांसफर है। जाहिर है धर्मशाला से भरमौर भेजे गए एसडीएम संजीव कुमार भोट के ट्रांसफर आर्डर भी पड़ाव रहे होंगे, लेकिन जिन संदेहों की बरसात हो रही है, उन्हें सिरे से नकारा भी नहीं जा सकता। भोट सिर्फ एक अधिकारी या सेवा काल का बिछौना नहीं कि चंद दिनों में किन्नौर, डोडरा-क्वार, धर्मशाला और अब भरमौर में प्रशासनिक अधिकारी बना कर बिछा दिया जाए। संजीव भोट से जुड़ी अपेक्षाएं एक आदमी से नहीं, उनकी क्षमता में अधिकार प्राप्त अधिकारी से हैं। जाहिर है सरकार को भरोसा है, इसलिए चौथी जगह एसडीएम बनाए गए, लेकिन बार-बार के स्थानांतरण उनके व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन को कहीं न कहीं हास्यास्पद बनाते रहे हैं। यही वजह रही कि इस अधिकारी ने अपने क्षोभ की परिणति में पद से ही त्यागपत्र देकर अपनी प्रशासनिक कुंडली में विराम और सचिवालय की एक जुंडली में अविश्वास लिख दिया। यह कोई छोटी घटना नहीं, बल्कि इसने विमल नेगी से जुड़े संदेहास्पद घटनाक्रम में एक नया सवाल जोड़ दिया है। संजीव भोट के सजीव बोध को सौ फीसदी सत्य न मानें, लेकिन यह मंजर आत्म संतुष्टि का नहीं, आत्मचिंतन का जरूर है। अपने ट्रांसफर आर्डर को रेखांकित करते भोट ने जो सवाल उठाए हैं, उनके साथ प्रशासनिक अधिकारियों की एक रूठी हुई शाखा हो सकती है। कुछ तहें भले ही ढकी रहें, लेकिन सड़ांध को ढांपना मुश्किल है। क्यों एक अधिकारी के लिए नौकरी से इस्तीफा देना आसान हो गया और क्यों वह इस सुलूक को स्वर्गीय नेगी के मजमून तक ले गया। संजीव भोट को स्थानांतरित करना विशेषाधिकार रहा होगा या कुछ कारण भी गिने जा सकते हैं, लेकिन जनता की कचहरी में हर ट्रांसफर एक व्यक्ति नहीं नया विश्वास है। इसी परिप्रेक्ष्य में किसी स्कूल में ट्रांसफर आर्डर पर आनेवाला एक व्यक्ति नहीं, एक अध्यापक होता है। दुर्भाग्य से आजकल कर्मचारी-अधिकारी मोहरबंद होने लगे हैं। सरकारी नौकरी सियासी कैडर में विभक्त होने लगी है। अस्थायी सत्ता के करीब सरकारी कार्यसंस्कृति ने स्वयं को इतना कमजोर कर लिया है कि प्रशासनिक सेवाओं में लोग नेताओं के आगे पानी भरते दिखाई देते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दु:ख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आप–को अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर–स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जी–वनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दखल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। गुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जी–वनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें – हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस–पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का–सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 11:26 तक
नक्षत्र : मृगशिरा दोपहर 02:22 तक
योग : अतिगंड प्रातः 08:33 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:26 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , भद्रा प्रातः 11:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम सैनी ने खोला होडल विधानसभा क्षेत्र के लिए घोषणाओं का पिटारा

10 करोड़ की तीन विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

चंडीगढ़,30 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अक्षय तृतीया के अवसर पर पलवल जिला के होडल विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास परियोजनाओं की सौगात दी। होडल विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 करोड़ रुपए की लागत की 3 परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

साथ ही, मुख्यमंत्री ने होडल विधानसभा क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए 5–5 करोड़ रुपए, डीएचबीवीएन के होडल में कार्यालय भवन के लिए 3.54 करोड़ रुपए व हसनपुर में 1.95 करोड़ रुपए, नीरपुर, कोराली, पेंगलतु व सीहा में सब हेल्थ सेंटर, सीहा में फ़सल खरीद केंद्र, होडल में पुन्हाना मोड़ तक ड्रेन के लिए 1.50 करोड़, हसनपुर में उप तहसील को तहसील का दर्जा, विभिन्न तालाबों का पुनरुद्धार तथा क्षेत्र की सभी सड़कों की मरम्मत और सुधार करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री बुधवार को पलवल जिला के होडल में आयोजित बृज विकास रैली को सम्बोधित कर रहे थे। साथ ही, केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और होडल के विधायक हरिन्द्र सिंह द्वारा रखी गई अधिकतर मांगों को मौके पर ही मंजूर किया। साथ ही शेष मांगों को व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) अध्ययन करवाने के उपरांत पूरा करवाने की बात कही। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज अक्षय तृतीया के शुभ और पुण्य पर्व पर आप सबके बीच आकर मन अत्यंत प्रसन्न है। उन्होंने इस पावन पर्व की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। बृज भूमि होडल में आकर मैं स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहा हूं। होडल का नाम जब भी लिया जाता है, हमारे मन में एक ऐसा

चित्र उभरता है, जहां की मिट्टी में मेहनत, वीरता की गाथाएं और संस्कारों की खुशबू विद्यमान है। यह वही वीर भूमि है, जहां महारानी किशोरी जैसी वीरांगना ने जन्म लिया। महारानी किशोरी जी की वीरता, त्याग और सेवा भावना हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह क्षेत्र उस सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का भाग है, जिसने महाभारत के युद्ध और कथाओं को आकार दिया।

उन्होंने कहा कि इस जनसभा का उद्देश्य आप सबसे सीधे संवाद करना, आपकी आकांक्षाओं को जानना और आपसे मिलकर एक नए हरियाणा का सपना देखना और उसे साकार करना। इस क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना हमारी प्राथमिकता थी, है और प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यह सरकार आपकी सरकार है। हमारा एकमात्र उद्देश्य 'हर क्षेत्र का विकास, हर नागरिक का उत्थान' है। हम होडल को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, रोजगार के क्षेत्र में विशेष पहल करते हुए, हम होडल को आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बृज विकास रैली में होडल विधानसभा क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत की 3 परियोजनाओं के उद्घाटन किए। इनमें 5 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से नगर परिषद भवन, 2 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से उप–तहसील भवन का निर्माण तथा 1 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से रामगढ़ गांव में खेल स्टेडियम का निर्माण शामिल है।

पंजाब सरकार पर दबाव बनाए भाजपा, नहीं तो हरियाणा को झेलना पड़ेगा जल संकट : हुड्डा

चंडीगढ़,30 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि जल बंटवारे के मुद्दे पर प्रदेश सरकार को सर्वदलीय बैठक और विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। हरियाणा को जल संकट से बचाने के लिए पंजाब सरकार पर दबाव बनाया जाना चाहिए। लेकिन अबतक हरियाणा के हिस्से का पानी लेने में बीजेपी सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। बीजेपी सरकार के नकारापन की वजह से प्रदेश के लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। कांग्रेस द्वारा बार–बार सचेत किए जाने के बावजूद प्रदेश सरकार ने जल बंटवारे के मुद्दे पर कभी ध्यान नहीं दिया। इस नजरअंदाजी का नतीजा अब सबके सामने है।

हुड्डा अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के पास हरियाणा के पानी को रोकने का कोई अधिकार नहीं है। ऐसा करके वो संघीय ढांचे पर चोट पहुंचाना रहे हैं। हरियाणा कोई भीख नहीं मांग रहा है बल्कि यह प्रदेश के हिस्से का पानी है, जिसकी मात्रा दोनों प्रदेशों के बीच बाकायदा समझौते के तहत तय हुई थी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश को अपने हिस्सा का पूरा पानी मिलता था। क्योंकि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में कांग्रेस हरियाणा की पूरी भागीदारी सुनिश्चित करती थी। इसमें हरियाणा से तीन–तीन सदस्य होते थे। विशेष तौर पर सिंचाई विभाग के अधिकारी को बीबीएमबी का सदस्य नियुक्त किया जाता था। कांग्रेस सरकार द्वारा बोर्ड में लगातार एसडीओ और जूनियर इंजीनियर्स की नियुक्तियां की जाती थीं। बोर्ड में कायदे से चीफ इंजीनियर हरियाणा से होना चाहिए। लेकिन बीजेपी सरकार के दौरान उसकी नियुक्ति ही नहीं की गई। जब हरियाणा के लोग ही बोर्ड में नहीं होंगे तो हमारे अधिकार की बात कौन करेगा। इस मुद्दे को विधानसभा में उठाए जाने के बावजूद बीजेपी सरकार ने कभी इस ओर ध्यान नहीं दिया।

किरण चौधरी ने मान सरकार पर किया कटाक्ष, कहा–

पानी पर हक है तो लेकर रहेंगे

चरखी दादरी,30 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा में पानी को लेकर मचे बवाल पर पंजाब की भगवंत मान सरकार पर कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा कि पानी का हक है, तो लेकर रहेंगे। पंजाब में विधानसभा चुनाव को देखकर मान सरकार ने हरियाणा का पानी रोककर राजनीति शुरू कर दी है। जबकि, सच्चाई यह है कि पंजाब की जनता मान सरकार को आईना दिखाएगी और भाजपा बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। पानी का हक सबको बराबर है, लेकिन राजनीति के चक्कर में ये पानी पर बवाल कर रहे हैं।

दरअसल, सांसद किरण चौधरी बुधवार को चरखी दादरी के रेस्ट हाउस में पहुंची थीं, जहां उन्होंने जन समस्याएं सुनीं और समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान किरण चौधरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार थी, तो पंजाब ने उस समय हरियाणा का पानी क्यों नहीं रोका? अब पंजाब चुनाव को देखते हुए हरियाणा का पानी रोक रहे हैं। ये कभी हरियाणा पर पानी में जहर घोलने का आरोप लगाते हैं, तो कभी अपना स्वार्थ साधने के लिए बेफजूल की बातें करते हैं।

आतंकवाद को कुचलना मोदी सरकार का संकल्प है : बड़ौली

चंडीगढ़,30 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन सनातन धर्म की रक्षा और समाज में न्याय की स्थापना के लिए समर्पित रहा है। भगवान परशुराम कर्म, शौर्य और ज्ञान के अद्वितीय प्रतीक हैं। ये बातें बड़ौली बुधवार को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर ब्राह्मण उत्थान समिति (रजि.) सोनीपत द्वारा संतोष गार्डन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर उन्होंने प्रदे–शवासियों को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण उत्थान समिति के अध्यक्ष पंडित मुकेश शर्मा ने की।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं। उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम सात चिरंजीवियों में से एक हैं।

जोधपुर में नकली करेंसी गैंग का भंडाफोड़

जोधपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर की मंडोर मंडी में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो 500–500 के नकली नोटों की गड्डियों से बाजार को ठगने का काम कर रहा था। इस ऑपरेशन में पुलिस के हाथ लगे हैं 7.50 लाख रुपए के जाली नोट और दो ऐसे शातिर दिमाग, जो दो लाख में 10 लाख की नकली करेंसी बाजार में उतारने की फिराक में थे।

इस गिरोह ने अपराध की नींव एक किराए के कमरे में रखी थी, जो मंडी की एक दुकान के ऊपर बना हुआ था। यहां रंगीन प्रिंटर, स्कैनर, पेपर कटिंग मशीन और कंप्यूटर सिस्टम के सहारे जालसाज नकली करेंसी छाप रहे थे। इतने पेशेवर तरीके से नकली नोट तैयार किए गए कि पहली नजर में असली और नकली में फर्क कर पाना मुश्किल था।

गैंग का मॉडल सिंपल था लेकिन खतरनाक–2 लाख रुपए दो और बदले में 10 लाख की नकली करेंसी ले जाओ। यानी 500–500 के नोटों से भरे बैग, जिनकी कीमत सिर्फ कागज़ थी, लेकिन ये बाजार में चलाकर असली नोटों की जगह ले रहे थे। अंदेशा है कि ये गैंग बड़े व्यापारियों और नकद लेन–देन करने वालों को निशाना बना रही थी। पुलिस ने नागौर जिले के दो बदमाशों–श्रवण व्यास (28) और बाबूलाल प्रजापत (40)–को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों मंडी के पास किराए पर कमरा लेकर यह धंधा चला रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से नकली नोटों के साथ–साथ नकली नोट छापने की पूरी मशीनरी जब्त की है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि बालसमंद क्षेत्र की मगजी की घाटी में भी उनका एक ठिकाना है। पुलिस ने तुरंत वहां दबिश दी और वहां से भी सबूत जुटाए। फिलहाल पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन–कौन लोग शामिल हैं और अब तक कितने नकली नोट बाजार में चला दिए गए हैं।

युवक से 11 लाख की ऑनलाइन ठगी

अजमेर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में ऑनलाइन ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ताजा मामला सुभाष नगर रोड का है, जहां एक युवक से इन्वेस्टमेंट के नाम पर 11 लाख रुपए की ठगी कर ली गई। पीड़ित ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

साइबर थाना पुलिस के अनुसार, सुभाष नगर रोड निवासी कपिल देव माथुर ने शिकायत दी है कि उसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने निवेश के बहाने व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। ग्रुप में शामिल अन्य लोगों ने निवेश पर मोटा मुनाफा मिलने का दावा किया। झांसे में आकर कपिल ने अलग–अलग किश्तों में करीब 11 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। जब मुनाफा नहीं मिला और संपर्क टूट गया, तो उसे ठगी का अहसास हुआ।

पीड़ित ने पहले 1930 हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की, जिसे बाद में रामगंज थाने स्थानांतरित किया गया। हालांकि, वहां मुकदमा दर्ज नहीं हो सका।

परीक्षा के पेपर लीक के नाम पर हो रही साइबर ठगी

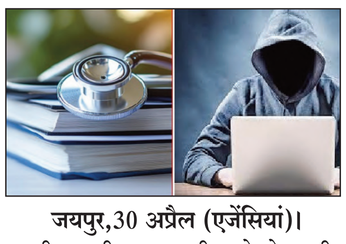

जयपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। नीट–यूजी 2025 परीक्षा के पेपर लीक के नाम पर हो रही साइबर ठगी के संबंध में एक एडवाइजरी जारी की गई है। राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड एवं राजस्थान साइबर क्राइम शाखा ने छात्रों और अभिभावकों को ऐसे धोखेबाजों से सावधान रहने की सलाह दी है जो नीट–यूजी का पेपर लीक होने का दावा करके पैसे ठगने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें स्पष्ट किया है कि इस परीक्षा की प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित और गोपनीय है और पेपर लीक होने की कोई संभावना नहीं है।

महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं आमजन में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से राज्य में लगातार प्रयास किये जा रहे है।इसी क्रम में देशभर में आयोजित होने वाली नीट–यूजी, 2025 परीक्षा का पेपर लीक / प्राप्त करने की भ्रामक सूचनाओं से अभिभावकों से लाखों रूपये ठगने के तरीके टेलीग्राम एप्प व अन्य सोश्यल मीडिया के माध्यम से अपनाये जा रहे हैं।डीजी प्रियदर्शी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए देशभर में आगामी 4 मई को नीट यूजी 2025 परीक्षा आयोजित होने जा रही है। परीक्षा से पहले टेलीग्राम एप्प व सोशल मीडिया पर कथित पेपर लीक / प्राप्त करने से संबंधी भ्रामक सूचनाओं ने छात्रों और अभिभावकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। नीट लीक पेपर के नाम पर अभिभावकों से लाखों रुपए वसूलने/ठगने के लिए साईबर ठग भ्रामक संदेशों के जरियें छात्रों व उनके अभिभावकों को फंसाकर प्रिंटिंग प्रेस से पेपर लीक कराने, टॉप रैंकर्स और कोचिंग सेंटरों आदि के नामों से धोखाधड़ी कर लोगों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं।

वक्फ संशोधन कानून की विरोध में

लोगों ने मकानों व दुकानों की 15 मिनट बिजली बंद रखकर किया ब्लैकआउट

जयपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में बुधवार रात देशभर में अनूठा प्रदर्शन देखने को मिला। जयपुर सहित राजस्थान के कई शहरों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रात 9 बजे से 9:15 बजे तक अपने घरों, दुकानों और संस्थानों की बिजली स्वेच्छा से बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराया। यह शांतिपूर्ण 'ब्लैकआउट प्रोटेस्ट' ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर किया गया था, जिसे एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी समेत कई मुस्लिम संगठनों ने समर्थन दिया।

जयपुर में रामगंज, घाटगेट, शास्त्री नगर, झोटवाड़ा, पहाड़गंज सहित मुस्लिम बहुल इलाकों में लोग तय समय पर बिजली बंद करके इस विरोध अभियान में शामिल हुए। हालांकि कुछ

जगहों पर लोगों ने बिजली बंद नहीं की, लेकिन कुल मिलाकर विरोध का व्यापक असर देखा गया।उदयपुर के मल्लातलाई, सवीना, खान्जीपीर और अन्य मुस्लिम इलाकों में भी लोगों ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर अपनी नाराजगी बिजली बंद करके जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह कानून वक्फ संपत्तियों के अधिकार और प्रबंधन को कमजोर करता है और धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप है।

राजस्थान ही नहीं, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बंगाल जैसे राज्यों में भी मुस्लिम समुदाय ने इस अभियान को समर्थन दिया। इस शांतिपूर्ण विरोध की विशेषता यह रही कि किसी तरह का नारा या सड़कों पर प्रदर्शन नहीं हुआ, बल्कि केवल प्रतीकात्मक रूप से बिजली बंद करके सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि यह कानून उन्हें स्वीकार नहीं है।

वक्फ संशोधन कानून में हाल ही में किए गए प्रस्तावों के अनुसार वक्फ संपत्तियों के पुनरीक्षण, उनके दस्तावेजीकरण और सरकारी दखल को लेकर समुदाय में असंतोष है। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि इससे समुदाय की धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक संस्थाओं के अधिकार कमजोर होंगे और वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता पर असर पड़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025

भजनलाल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति का गठन

जयपुर,30 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के उत्सव और अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष–2025 के दौरान राज्य स्तर पर गतिविधियों के सफल कार्यान्वयन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में एक राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। कृषि एवं उद्यानिकी तथा ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले, पशुपालन एवं डेयरी, सहकारिता और नगरीय विकास और स्वायत्त शासन विभाग के मंत्रीगण इस समिति के सदस्य बनाएं गये हैं। मुख्य सचिव को समिति का सदस्य संयोजक तथा वित्त और ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त सचिवों को सदस्य नियुक्त किया गया है।

इसके अतिरिक्त सूचना एवं जन–सम्पर्क , राजस्व एवं उपनिवेशन , नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले और सहकारिता विभागों के प्रमुख शासन सचिव व मत्स्य, पशुपालन और डेयरी और कृषि और बागवानी विभाग के शासन सचिव भी सदस्य नियुक्त किए गए हैं।

संस्कृत शिक्षा परिषद का परीक्षाफल घोषित

10वीं में विधांशु और 12वीं में भूमिका ने किया टॉप

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, लखनऊ द्वारा वर्ष 2025 की पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) की परीक्षाओं का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। पूर्व मध्यमा में 92.58 प्रतिशत छात्र सफल रहे, जबकि उत्तर मध्यमा प्रथम के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 रहा। इसी तरह, उत्तर मध्यमा द्वितीय के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 है। पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10) में ज्ञानोदय संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊ के विधांशु शर्मा ने 93.42 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप

किया, जबकि उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) में अंबाजी आश्रम माध्यमिक संस्कृत विद्यालय जौनपुर की भूमिका ने 85.21 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। परीक्षा परिणाम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ महेंद्र देव और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल ने परीक्षाफल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परीक्षा में 8708 अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की गई, जो संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान का संकेत है। कुल 1265 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में से 1075 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इन परीक्षाओं के लिए 247 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में सम्पन्न कराई गईं। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से रियल टाइम मॉनिटरिंग की गई, जबकि जनपद और मण्डल स्तर पर भी निगरानी के लिए ऑनलाइन कंट्रोल रूम स्थापित किए गए थे। इसके चलते नकलविहीन, पारदर्शी और शुचिता के साथ परीक्षाओं को संपन्न कराने में सफलता मिली। पूर्व मध्यमा द्वितीय में कुल 13,574 छात्र प्रथम श्रेणी, 1,330 छात्र द्वितीय श्रेणी में पास हुए। वहीं, उत्तर मध्यमा द्वितीय में 5160 छात्र प्रथम, 4101 छात्र द्वितीय और 287 छात्र तृतीय श्रेणी में पास हुए।

पूर्व मध्यमा द्वितीय परीक्षा में 18,107 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 14,916 उत्तीर्ण हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.58 प्रतिशत रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.62 प्रतिशत तथा बालिकाओं का 92.45 प्रतिशत रहा। उत्तर मध्यमा प्रथम परीक्षा में 15,645 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 13,365 सफल हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 प्रतिशत रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.51 प्रतिशत जबकि बालिकाओं का 90.87 प्रतिशत दर्ज किया गया। उत्तर मध्यमा द्वितीय परीक्षा में 11,488 परीक्षार्थियों में से 9,561 सफल हुए। यहां उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 प्रतिशत रहा। बालिकाओं ने 89.50 प्रतिशत सफलता के साथ बालकों (87.18 प्रतिशत) से बेहतर प्रदर्शन किया।

काशी में भिक्षुकों के वेश में रह रहे रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठिये

वाराणसी, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद धर्मनगरी काशी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने गोमती जोन के पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सुरक्षा तैयारियों की गहन समीक्षा की। पता चला कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिये भिक्षुक बनकर काशी में रह रहे हैं।

पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिया कि रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, मंदिरों और प्रमुख पर्यटक स्थलों पर भिक्षुकों या फेरीवालों के वेश में रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उनका पूर्ण सत्यापन किया जाए। अवैध रूप से निवास कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे लाइन किनारे, पार्कों, गांवों के बाहरी इलाकों और खुले

मैदानों में बसे लोगों का भी सत्यापन कर अवैध कब्जों को हटाने को कहा गया । मकान मालिकों को बिना सत्यापन के किसी को भी किरायेदार न बनाने की चेतावनी दी गई है।

गंगा घाट, बीएचयू परिसर और अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर रोक के निर्देश पुलिस कमिश्नर ने दिए। उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। गौ-तस्करी, अवैध शराब, मादक द्रव्यों और हथियारों की तस्करी में लिप्त व्यक्तियों व गिरोहों पर कड़ी निगरानी और कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ऑपरेशन-चक्रव्यूह के अंतर्गत प्रमुख चौराहों, सीमावर्ती मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिसकर्मियों को रात्रि गश्त के दौरान अनुशासन और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने और अनिवार्य रूप से सीटी (व्हीसल) का प्रयोग सुनिश्चित करने को कहा गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने हेतु ग्राम प्रधानों और सम्मानित नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है।

इजराइली टेक्नोलॉजी से होगी किसानों की आमदनी दोगुना

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार खेती-किसानी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहती है। सरकार की योजना प्रदेश में सब्जी उत्पादन को तकनीकी सहायता से सशक्त बनाने की है। इसके लिए इजराइली तकनीक की मदद ली जा रही है। इसके तहत, कौशाम्बी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स और चंदौली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजीटेबल्स की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में 150 हाईटेक नर्सरियों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पौधे और आधुनिक तकनीक सुलभ हो सकेगी।

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि इजराइली तकनीक की मदद से किसानों की आमदनी को दोगुना किया जाए। इसके तहत 26 करोड़ पौध को तैयार करने की योजना बनाई गई है। इन पौध से

सब्जियों के उत्पादन में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार आएगा, जिससे बाजार में अच्छी कीमत मिल सकेगी।

प्रदेश में 150 हाईटेक नर्सरियों की स्थापना की जा रही है। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी, बीज, पौध और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल प्रदेश के हर जिले में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। योगी सरकार ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दे रही है। ड्रिप सिंचाई में इकाई लागत के सापेक्ष लघु एवं सीमांत कृषकों को 90 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। वहीं स्प्रिंकलर सिंचाई के लिए लघु एवं सीमांत कृषकों को 75 प्रतिशत और अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है।

नर्सरियों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म की पौध, उर्वरक, जैविक उत्पाद, कीटनाशक नियंत्रण, जल प्रबंधन, फसल संरक्षण एवं विपणन की तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे उत्पादन लागत में कमी और लाभ में वृद्धि संभव होगी।

जजों के लिए लखनऊ और प्रयागराज में बनेंगे 39 बंगले

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में न्यायिक प्रणाली से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष तौर पर फोकस कर रही है। प्रदेश में विभिन्न जिलों में पुराने-जर्जर कोर्ट परिसरों तथा जजों के रिहाइशी भवनों का भविष्य की जरूरतों के अनुसार कायाकल्प, नवनिर्माण व विकास का कार्य जारी है। इसी क्रम में, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रॉसिंग से समीप 25 रिहाइशी भवन तथा प्रयागराज में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जजों के लिए क्लाइव रोड के प्लॉट नंबर-19 पर 14 बंगलों के निर्माण व विकास की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए 143 करोड़ रुपए की लागत आएगी तथा 18 महीने की समयावधि में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस विषय में नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके आधार पर निर्माण व विकास कार्यों को प्रगति दी जा रही है। योजना के

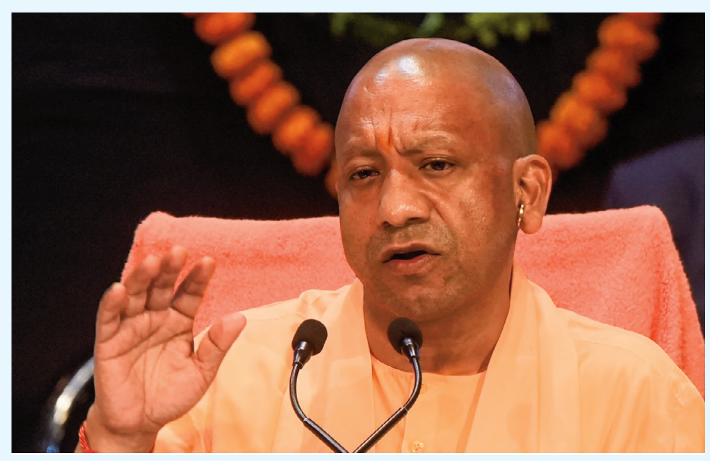

अनुसार, हाईकोर्ट के जजों के लिए लखनऊ,प्रयागराज में बन रहे रिहाइशी भवन भविष्य आधारित आधुनिक सुविधा युक्त होंगे। इनमें जजों के रिहाइशी खंडों के साथ ही गेस्ट हाउस, गार्ड रूम, वॉच टावर व डॉर्मेटरी जैसी सुविधाएं होंगी तथा परिसरों को सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम व सौर ऊर्जा चालित संयंत्र समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से लैस किया जाएगा।

नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रॉसिंग के समीप 25 रिहाइशी भवन तैयार किए जाएंगे। यह भूतल समेत एक मंजिला परिसर होगा और इसे विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। परिसर में इन रिहाइशी भवनों के साथ ही भूतल समेत 2 मंजिला गेस्ट हाउस का निर्माण होगा। साथ ही, 2 डॉर्मेटरी, 3 सिक्योरिटी डॉर्मेटरी, 3 गार्ड रूम, 4 वॉच टावर, पंप रूम, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, डीजी सेट, सीसीटीवी सिस्टम, लिफ्ट, सीसी रोड, पार्किंग, डिवाइडर, ग्रीनरी बेल्ट, सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट तथा बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा।

इसी प्रकार, प्रयागराज में बनने वाले जजों के 14 रिहाइशी बंगलों के साथ ही परिसर में एक डॉर्मेटरी, मल्टीपर्पज फैसिलिटी रूम, वॉच टावर, पंप रूम, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, डीजी सेट, सीसीटीवी सिस्टम, लिफ्ट, सीसी रोड, पार्किंग, डिवाइडर, ग्रीनरी बेल्ट, सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट तथा बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। इसके लिए 18 महीने की समयावधि निर्धारित है और इन्हें ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा। योगी सरकार द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में न्यायिक परिसर के विकास व निर्माण से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाएं जारी है। इसमें अलीगढ़, जौनपुर (फैमिली कोर्ट निर्माण), ललितपुर के तहसील तालबेहट, गोरखपुर, गाजीपुर, श्रावस्ती, कासगंज, अमेठी, शामली, हाथरस, औरैया, चन्दौली, महोबा, कासगंज, मुरादाबाद, आगरा, बलिया व इटावा प्रमुख हैं। यहां विभिन्न प्रकार के नए निर्माण के साथ ही कई प्रकार के विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर को मिलेगी वृद्धाश्रम की सुविधा

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को वृद्धाश्रम की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें न केवल आश्रय मिलेगा, बल्कि एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य जांच, भोजन और मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसी आवश्यक सेवाएं भी दी जाएंगी।

ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सुविधा एक संवेदनशील और दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जो समाज के ऐसे वर्ग के लिए है, जिसे दशकों तक उपेक्षा और भेदभाव का सामना करना पड़ा। योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अधिकार,

गरिमा और अवसर मिलें। प्रदेश में ट्रांसजेंडरों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए उनका पंजीकरण भी किया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश सरकार ने हर जनपद में ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल की स्थापना की है। जिलाधिकारी देखरेख में इस सेल संचालित की जा रही है, जिससे इनकी कार्यप्रणाली प्रभावी और उत्तरदायी बनी रहे। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तर पर भी ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल का गठन किया गया है जो समग्र निगरानी और नीति-निर्माण में सहयोग करता है। सुरक्षा सेल के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को पुलिस संरक्षण, कानूनी सहायता, उत्पीड़न के मामलों में कार्रवाई और सामाजिक पुनर्वास जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में भयमुक्त वातावरण का संचार हुआ है।

योगी सरकार द्वारा संचालित वृद्धाश्रमों में ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए व्यवस्थित और संवेदनशील देखभाल व्यवस्था की गई है। इनमें पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थ्य जांच, दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सकीय देखरेख और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग सेवाएं शामिल हैं। इन वृद्धाश्रमों में सामुदायिक गतिविधियों, पुस्तकालय, योग एवं ध्यान सत्र जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें सक्रिय और सकारात्मक जीवन जीने के अवसर मिल रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मासिक पेंशन और आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी दिया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए केवल वृद्धाश्रम की सुविधा ही नहीं, बल्कि योगी सरकार ने व्यापक स्तर पर योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए समर्पित कल्याण नीति लागू की। इसी वर्ष उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का गठन किया गया, जो योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालता है। गोरखपुर में पहला गरिमा गृह स्थापित किया गया है, जो ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। इस गृह में रहने, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास से संबंधित समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अब तक 1,067 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो रही है। साथ ही 248 ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जिससे वे शिक्षा की मुख्यधारा में आकर आत्मनिर्भर बन सकें। योगी सरकार का लक्ष्य एक समावेशी समाज का निर्माण करना है, जहां हर व्यक्ति को सम्मान और अवसर मिले। ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रमुख सचिव, समाज कल्याण एल. वेकेंटेश्वर लू ने कहा कि आने वाले समय में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए और योजनाएं लाई जाएंगी, ताकि उनका सामाजिक, आर्थिक और मानसिक सशक्तिकरण हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा ट्रांसजेंडरों का पंजीकरण कार्य किया जा रहा है जिससे उनको सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। साथ योजनाओं का प्रचार प्रसार के लिए प्रदेश स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए गैरसरकारी संगठनों की भी सहायता ली जाएगी।

प्रदेश के सभी मंडलों में स्थापित होगी फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब

लखनऊ, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और दवा गुणवत्ता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष पहल की है। जिसके तहत, प्रदेश के सभी 18 मंडलों में फूड एंड ड्रग लैब स्थापित की जा रही हैं, जिसमें से 12 मंडलों के मुख्यालयों पर नई लैब बनाई जा रही हैं। इनमें से लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जहां जुलाई माह तक टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा।

साथ ही इन लैबों में उच्च तकनीकि क्षमता युक्त टेस्टिंग मशीनें लगाई जा रही हैं, जो प्रदेश की फूड और ड्रग सैंपल की टेस्टिंग की गुणवत्ता और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि लाएगा। सीएम योगी का यह प्रयास दवाओं और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को दूर कर जन स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। प्रदेश की खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की विशेष सचिव रेखा सिंह चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर फूड एंड ड्रग टेस्टिंग की उच्च तकनीकी क्षमता युक्त लैब स्थापित की जा रही हैं। इस पहल के तहत एक ओर तो प्रदेश में पहले से स्थापित टेस्टिंग लैबों को हाई टेक्नालॉजी युक्त बनाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर 12 मंडलों में नई लैब बनाई जा रही हैं।

इनमें से लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। टेस्टिंग मशीनों के इंस्टॉलेशन के साथ ही संभवतः जुलाई माह से इन लैबों में सैंपल टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि इससे स्थानीय स्तर पर ही फूड एंड ड्रग सैंपलों की उच्च गुणवत्तायुक्त जांच संभव हो सकेगी। वर्तमान में प्रदेश के लखनऊ, आगरा, मेरठ, झांसी, गोरखपुर और वाराणसी में खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की सैंपल टेस्टिंग लैब पहले से ही कार्य कर रही हैं। जबकि अलीगढ़, आजमगढ़, प्रयागराज, कानपुर, चित्रकूट, देवीपाटन, अयोध्या, बस्ती, बरेली, मिर्जापुर, मुरादाबाद, और सहारनपुर मंडल मुख्यालय में नई लैब बनाई जा रही हैं।

इसके साथ ही राजधानी लखनऊ में विभाग की नई बिल्डिंग का निर्माण हुआ है जिससे अब लखनऊ में खाद्य पदार्थ और ड्रग एनालिसिस अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर संभव हो सकेगी। नई टेस्टिंग लैबों के लिए लैब टेक्नीशियन और लैब असिस्टेंट के लगभग 1200 नए पदों का सृजन हुआ है, जिनकी भर्ती कार्मिक विभाग जल्द ही सुनिश्चित करेगा। यूपी के सभी संभागों में फूड एंड ड्रग सैंपल टेस्टिंग लैब की स्थापना प्रदेश की दवा और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट की जांच क्षमता में कई गुना की वृद्धि लायेगा। खाद्य पदार्थों की सैंपल टेस्टिंग की क्षमता लगभग 300 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2016-17 में 36,000 की तुलना में 1,08,000 प्रतिवर्ष हो जाएगी। इसके साथ ही दवाओं की सैंपल टेस्टिंग क्षमता में भी 450 प्रतिशत वृद्धि होगी।

एएफसी चैम्पियंस लीग : अल-अहली ने अल हिलाल को हराकर फाइनल में बनाई जगह

जेद्दाह, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट सेमीफाइनल में अल-अहली ने मंगलवार को जेद्दाह में खेले गए मुकाबले में अल-हिलाल को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ अल-अहली अब अपने पहले एशियाई खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है।

फिरमिनो और टोनी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल-अहली ने आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में रॉजर इबानेज के पास पर ब्राज़ीलियन विंगर गेलेनो ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे रॉबर्टो फिरमिनो ने छह गज के बॉक्स में पहुंचते हुए गोल में तब्दील कर दिया। 27वें मिनट में रियाद महरेज़ के पास पर इवान टोनी ने दूसरा गोल दागा। हालांकि इसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीएआर जांच के बाद गोल मान्य हुआ।

पहले हाफ के आखिरी पलों में सालेम अल-दोसारी ने एक मौका भुनाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन दूसरे हाफ में अल-हिलाल को बड़ा झटका तब लगा जब 60वें मिनट में कालिदू कुलीबाली को दूसरा येलो कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई।

देर से आए मौके, लेकिन अल-अहली ने की जीत पक्की

अल-अहली ने लगातार तीसरे गोल की कोशिश की और 85वें मिनट में उसे पेनल्टी भी मिली, लेकिन फ्रैंक केसी की किक को यासीन बोनू ने बचा लिया। हालांकि इंजुरी टाइम में फेरास अल-ब्रीकान ने तीसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी और घरेलू दर्शकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

कोच जैस्ले ने टीम को सराहा मैच के बाद अल-अहली के कोच माथियास जैस्ले ने कहा, ये एक शानदार शाम थी। मैं अपने हर खिलाड़ी और हमारे फैंस पर गर्व करता हूं। ये जीत पूरी तरह से हमारी मेहनत का नतीजा है।

फाइनल में अल-नास्र या कावासाकी से भिड़ंत

अब अल-अहली का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में या तो साथी सऊदी क्लब अल-नास्र से होगा या जापान के कावासाकी फ्रंटाले से, जो बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल खेलेंगे।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के दौरान अजिक्य रहाणे हुए चोटिल, चोट गंभीर नहीं

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के

कप्तान अजिंक्य रहाणे को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली 14 रन की जीत के दौरान हाथ में चोट लग गई। अब उनकी चोट की गंभीरता का मूल्यांकन आज टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा किया जाएगा। फील्डिंग के दौरान लगी चोट, मैच से बाहर रहे रहाणे रहाणे को ये चोट उस वक्त लगी जब वे शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। आंद्रे रसेल की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस ने जोरदार शॉट मारा, जो सीधा रहाणे के दाहिने हाथ पर लगा। गेंद मिड ऑफ की ओर गई और इस दौरान रहाणे तुरंत मैदान छोड़कर मेडिकल सहायता लेने चले गए। इसके बाद वे पूरे मैच में मैदान पर नहीं लौटे और उनका हाथ पट्टी से बंधा नजर आया। सुनील नारायण ने की कप्तानी, आखिरी 9 ओवरों में दिलाई जीत रहाणे के बाहर होने और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर की जगह इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोड़ा के आने के बाद, सुनील नारायण को टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने आखिरी नौ ओवरों में कप्तानी करते हुए शानदार गेंदबाजी की और अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और फाफ डु प्लेसिस को आउट कर मैच का रुख बदल दिया। ठीक हूं, ज्यादा गंभीर नहीं है चोट - रहाणे पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में रहाणे ने अपनी चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं ठीक हूं, सब ठीक रहेगा। 2021 की तरह फिर से कर सकते हैं वापसी केकेआर फिलहाल 10 मैचों में 9 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। रहाणे ने कहा कि टीम को 2021 की तरह प्लेऑफ में पहुंचने का आत्मविश्वास है।

वैभव की पारी को लेकर शुभमन के बयान पर भड़के अजय जडेजा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की उस बयान के लिए आलोचना की है। जिसमें शुभमन ने वैभव सूर्यवंशी की धमामेदार पारी को लेकर कहा है कि ये उनका दिन था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ मुकाबले में केवल 35 गेंदों में ही शतक लगाकर सभी को हैरान कर दिया था। अपनी टीम की हार से निराश शुभमन ने इस दिन को वैभव के लिए भाग्य शाली करार दिया था। शुभमन ने कहा, यह वैभव के लिए भाग्यशाली दिन रहा। उनकी पारी जबरदस्त थी और उन्होंने हालातों का पूरा लाभ उठाया। इसपर जडेजा नाराज हो गए। जडेजा ने कहा, टीवी पर कुछ खिलाड़ी वैभव के शतक को केवल एक भाग्यशाली दिन बता रहे हैं जबक एक 14 साल के बच्चे की आत्मविश्वास से खेली पारी जिससे कि विरोधी टीम हार जाये कोई छोटी बात नहीं है। ये कहना किसी भी तरह से सही नहीं। उन्होंने आगे कहा, हम सभी ने 14-15 साल की उम्र में क्रिकेट खेलने का सपना देखा था और ऐसी पारियों की कल्पना की थी पर इस खिलाड़ी ने मैदान में जाकर उस सपने को साकार किया. उसकी ताकत, उसकी टाइमिंग, उसकी संयम देखकर मैं हैरान हूं।

प्रतिका रावल ने रचा नया इतिहास, वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवां अर्धशतक जमाया

नई दिल्ली। श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज प्रतिका रावल

ने अपने धमाकेदार प्रदर्शन से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने वनडे क्रिकेट में लगातार पांचवीं बार अर्धशतक लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वह वनडे क्रिकेट में लगातार पांच बार अर्धशतक जड़ने वाली दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। इसके अलावा प्रतिका ने अपने वनडे करियर के महज आठवीं पारी में 500 रन पूरे करके एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वह सबसे तेज 500 रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। त्रिकोणीय श्रृखला के दूसरे मैच में प्रतिका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 91 गेंदों में 78 रनों की पारी खेली जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने इस पारी के दौरान हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रनों की अहम साझेदारी भी की। इससे पहले वह स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़ चुकी थीं। मंधाना 36 रन बनाकर आउट हो गईं। लेकिन प्रतिका ने पारी को आगे बढ़ाते हुए न केवल अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया बल्कि एक और अर्धशतक जड़कर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा दिया। इस त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में भी उन्होंने 62 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच चुनी गई थीं।

चेन्नई प्लेऑफ से बाहर, पंजाब ने चार विकेट से हराया

चहल के बाद श्रेयस-प्रभसिमरन चमके

चेन्नई, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि महेंद्र सिंह धोनी की उड्घ टीम प्लेऑफ में खेलते न दिखे, लेकिन फैंस को इस बार यह दर्द झेलना होगा। 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पंजाब किंग्स ने एक रोमांचक मुकाबले में हराते हुए आईपीएल 2025 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया है। चेन्नई की यह 10 मैचों में 8वीं हार रही, जबकि उसे प्लेऑफ में बने रहने के लिए पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत चाहिए थी। उसने पहले बैटिंग करते हुए अपने घरेलू मैदान पर 190 रनों का स्कोर खड़ा किया, जबकि युजवेंद्र चहल ने 19वें ओवर में 4 विकेट सहित हैट्रिक ली। इसके बाद पंजाब के बल्लेबाजों ने भौकाल दिखाते हुए लक्ष्य 19.4 ओवरों में हासिल कर लिया। मार्को यानसेन ने विनिंग फोर लगाया। श्रेयस अय्यर ने 72 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 54 रन ठोके।प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पंजाब को दी जबरदस्त शुरुआत 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को जबरदस्त शुरुआत मिली। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने पहले विकेट के लिए 4.4 ओवरों में 44 रनों की साझेदारी की।

प्रियांश 15 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए तो कप्तान श्रेयस अय्यर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रभसिमरन सिंह के साथ मिलकर टीम को 116 रनों तक पहुंचा दिया। इसी स्कोर पर नूर अहमद ने प्रभसिमरन को 54 रनों के स्कोर पर डेवाल्ड ब्रेविस के हाथों कैच आउट कराया। सिंह ने 36 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्के लगाए। आर्य ने अपनी पारी में 5 चौके जड़े थे। इसके बाद नेहल वढ़ेरा (5) का विकेट भी जल्दी गिर गया।मैच खत्म होते ही बवाल... कुलदीप यादव ने मारे रिंकू सिंह को कई चांटे, गुस्से से लाल हो गया चेहराश्रेयस अय्यर ने हालांकि शशांक सिंह के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया। शशांक सिंह का शानदार कैच रविंद्र जडेजा की गेंद पर डेवाल्ड ब्रेविस ने सीमा रेखा पर लपका तो टीम का स्कोर 180 रन था।

बीसीसीआई बना रहा आईपीएल विस्तार का प्लान, 94 मैच खिलाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, 30 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के आगामी संस्करणों में विस्तार की योजना पर विचार किया जा रहा है। बीसीसीआई का प्लान था कि 2025 तक आईपीएल के मैचों की संख्या बढ़ाकर 84 की जाए, लेकिन अत्यधिक व्यस्त कार्यक्रम और प्रसारणकर्ताओं की आपत्तियों के चलते विस्तार में देरी हो गई। अब भविष्य में आईपीएल के विस्तार पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। बीसीसीआई के चेयरमैन अरुण धूमल ने साफ कहा कि आगामी मीडिया-राइट्स चक्र के तहत, जो 2028 से शुरू होगा, आईपीएल को होम-एंड-अवे प्रारूप में 94 मैचों के साथ आयोजित करने पर विचार कर रहे हैं। धूमल ने कहा कि यह एक अवसर हो सकता है और हम इस बारे में आईसीसी और बीसीसीआई में चर्चा कर रहे हैं। द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी आयोजनों के संदर्भ में प्रशंसकों की रुचि किस तरह से बदल रही है, इस पर विचार किया जा रहा है।

हमें खेल के हितधारकों के लिए अधिकतम मूल्य बनाने के तरीके पर गहरी सोच रखनी होगी। हम आईपीएल को बढ़ाकर 74 से 94 मैचों तक करने का प्लान तैयार कर रहे हैं, ताकि हर टीम को घर और बाहर खेलते हुए प्रत्येक अन्य टीम से मुकाबला करने का मौका मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में, यह विचार अल्पावधि में व्यावहारिक नहीं हो सकता क्योंकि द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी आयोजनों के संबंध में बीसीसीआई की पहले से तय विंडो है। धूमल का माना है कि भविष्य में जब क्रिकेट की परिस्थितियां बदलेंगी, तो इस विषय पर फिर से विचार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके विस्तार के लिए संभावित रूप से अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर में दो और सप्ताह जोड़ने की जरुरत होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अल्पावधि में आईपीएल का वर्तमान स्वरूप ही सही है और इसमें किसी तरह का बदलाव अभी संभव नहीं है। इस बारे में जब फ्रेंचाइजी अधिकारियों से पूछा गया, तो उन्होंने 94 मैचों के सीजन को प्राथमिकता दी है। उनका मानना :है कि यह विस्तार आईपीएल के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसका निर्भरता इस बात पर होगी कि ब्रॉडकास्टर इसे कितनी प्राथमिकता देते है।

हरभजन ने बाबा महाकाल के दर्शन किये

भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उज्जैन पहुंचकर बाबा के दर्शन किये हैं। दर्शन और पूजा अर्चना के बाद हरभजन ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना की! उन्होंने कहा कि मंदिर समिति बहुत अच्छा काम कर रही है. यहां की दर्शन व्यवस्था बहुत अच्छी है। साथ ही कहा कि बाबा ऐसे ही बुलाते रहें। इसी की मै आगे भी कामना करता हूं। हरभजन ने कहा कि वह बहुत प्रसन्न हैं कि उन्हें महाकाल के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने सभी लोगों का आभार भी जताया है। उन्होंने कहा कि वह अपने को भाग्यशाली समझते हैं क्योंकि बाबा ने उन्हें दर्शनों के लिए बुलाया। तभी वह यहां दर्शन कर सके हैं। वहीं इस दिग्गज स्पिनर ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह घटना बहुत ही दुखद है। अब समय आ गया है कि जब हम सभी लोगोंको एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ कठोरतम कदम उठाने चाहिए। इस प्रकार की घटनाओं को सहन नहीं किया जा सकता कि कोई हमारे देश में घुसकर ही लोगों को मारकर भाग जाये और हम ऐसे ही बैठे रहें।

ग्रैंड चेस टूर, पोलैंड ब्लिट्ज 2025 : प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर, फेडोसेव शीर्ष पर कायम

वारसॉ (पोलैंड), 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्रैंड चेस टूर 2025 के सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में ब्लिट्ज सेगमेंट के पहले दिन रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप पोजिशन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वहीं भारत के आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथांबरम के लिए यह दिन मिले-जुले नतीजों वाला रहा।

फेडोसेव का अपराजेय अभियान जारी रैपिड सेक्शन में भी दमदार खेल दिखा चुके फेडोसेव ने ब्लिट्ज के नौ राउंड में एक भी मुकाबला नहीं हारा। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन (रैपिड और चेस960 दोनों फॉर्मेट में) फेडोसेव अब 19 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं। प्रज्ञानानंद की छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ब्लिट्ज में चार मुकाबले जीते जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कुल स्कोर में बढ़त बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब निगाहें 30 अप्रैल को होने वाले अंतिम नौ राउंड पर टिकी हैं कि क्या युवा खिलाड़ी फेडोसेव की बढ़त को पाट पाएंगे।

चिथांबरम की लड़खड़ाती शुरुआत, तीसरे स्थान पर खिसके

अरविंद चिथांबरम ब्लिट्ज राउंड में फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैपिड सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी मैक्सिम वचिएर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट और लोकेशन

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में पहले सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड सेक्शन खेला गया, जिसके बाद डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज सेगमेंट जारी है। ब्लिट्ज में 5+2 टाइम कंट्रोल रखा गया है और हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक तथा हार पर 0 अंक मिलते हैं। टूर्नामेंट वारसॉ स्थित म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ पोलिश ज्यूज में खेला जा रहा है।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल : डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने आर्सेनल को पहले चरण में 1-0 से हराया

लंदन, 30 अप्रैल (एजेंसियां)।

फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में आर्सेनल को उसके घरेलू मैदान पर हराकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत ही धमाकेदार रही। फ्रांस के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के चौथे मिनट में गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। डेम्बेले ने बीच के घेरे से गेंद आगे बढ़ाई, ख्विचा क्वारात्स्खेलिया को पास दिया और आगे दौड़ लगाते हुए वापस मिली पास पर गोल कर दिया।

गोल करने के बाद पीएसजी ने पूरे मैच में संतुलित और अनुशासित खेल दिखाया। आर्सेनल को बराबरी का कोई ठोस अवसर नहीं मिल सका और उसे 18 यूरोपीय घरेलू मुकाबलों के बाद पहली हार झेलनी पड़ी। मिकेल आर्तेता की टीम इससे पहले मौजूदा विजेता रियल मैड्रिड को दो चरणों में 5-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी।

वीडियो सहायक रेफरी ने छीना गोल, डोनारुमा का शानदार प्रदर्शन

पहले हाफ के अंत में गेब्रियल मार्टिनेली का शक्तिशाली शॉट इटली के गोलकीपर जानलुइजी डोनारुमा ने शानदार बचाव से रोक दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनो का हेडर गोल में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य कर दिया। इसके बाद भी लिएंड्रो त्रोसार्ड और मेरिनो जैसे खिलाड़ियों ने मौके बनाए, लेकिन डोनारुमा दीवार बनकर खड़े रहे।

धीमी गति से मैच को नियंत्रित किया, लेकिन चूके मौके

मैच के अंतिम समय में पीएसजी ने गति धीमी कर खेल को नियंत्रण में रखा। हालांकि, ब्रैडली बारकोला और गोंकालो रामोस के पास बढ़त को दोगुना करने के मौके थे। लेकिन बारकोला का शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया और रामोस की कोशिश क्रॉसबार से टकरा गई। अब दूसरा चरण पेरिस में, फाइनल की ओर बढ़ी पीएसजी

अब दूसरा मुकाबला 7 मई को पेरिस के पार्स दे प्रेंस मैदान पर खेला जाएगा, जिसमें पीएसजी को मामूली बढ़त हासिल होगी। टीम बार्सिलोना या इंटर मिलान के खिलाफ फाइनल में जगह बनाने के करीब है, लेकिन उसे अपने पुराने अनुभवों को ध्यान में रखकर संभलकर खेलना होगा।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर चीनी उत्पादों के उच्च शुल्क का असर

हांगकांग, 30 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन से विभिन्न उत्पादों के आयात पर लगाए गए अमेरिकी उच्च शुल्कों का असर अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। चीन के लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग फेडरेशन ने जारी किया गया आधिकारिक सर्वेक्षण में बताया है कि अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई है। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी उत्पादों पर 145 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने का आदेश दिया था,

अप्रैल में उत्पादों के निर्यात ऑर्डर में गिरावट आई

जिसका प्रभाव अब उसके निर्यात पर दिखाई दे रहा है। वहीं चीन ने इसके जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया है। इस परिस्थिति में आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने 16 महीनों का सबसे निचला स्तर दर्शाते हुए मार्च में 49.0 पर पहुंच गया। वित्तीय सूचना समूह कैक्सिन ने भी एक निजी सर्वेक्षण के माध्यम से बताया कि पीएमआई कम होकर 50.4 पर पहुंच गया है। इस विचार को लेकर कि कैपिटल इकोनॉमिसस्ट ने कहा कि यह गिरावट व्यापक शुल्क के प्रभाव को दिखाती है, जो चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में आपूर्ति और मांग में वृद्धि धीमी रही, निर्यात में कमी आई और रोजगार में थोड़ी कमी आई। विनिर्माताओं ने भंडार कम करने की मांग की, रसद में देरी हुई और कीमतें दबाव में रहीं। निजी अर्थशास्त्रियों के अनुसार इस वर्ष और अगले वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था के पूर्वानुमान में भी कमी आई है। कैपिटल इकोनॉमिस्ट के अनुमान के मुताबिक, 2025 में अर्थव्यवस्था केवल 3.5 प्रतिशत बढ़ेगी। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएफएफ) ने अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए भविष्य के लिए भी कमी के संकेत दिए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जल जीवन है...

पश्चिमी नदियों पर सीजनल फ्लो-मैनिपुलेशन। रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाएं 7 /दिन तक प्रवाह रोक और छोड़ सकती हैं। बुआई के लिए यह दबाव काफी है। नए जल भंडारण बांध। बर्सर, रतले जैसी परियोजनाएं शुरू कर देना ही भविष्य की मारक क्षमता बढ़ा देता है, भले ही इनके निर्माण में दशक लगे। इन्हें सर्जिकल यानी नियंत्रित प्रतिरोधक बनाना जरूरी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून और नैतिकता दोनों का मान भी कायम रहे। भारत ने पहले भी निर्णायक प्रतिक्रियाएं की हैं।

उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर-स्ट्राइक। विश्व मंच ने इन्हें संयमित, किन्तु संकल्पित करार दिया, क्योंकि इनमें जनहानि न्यूनतम रही। इसी संयम से भारत ने संयुक्त/ राष्ट्र में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित करवाया। आज जनता फिर कह रही है, आतंकवाद और पानी साथ साथ नहीं बह सकते तो सरकार ने भरोसा दिया है, हम आतंकियों का पृथ्वी के अंतिम छोर तक पीछा करेंगे।

कुछ आलोचकों का कहना है कि भारत का यह कदम चीन को उकसा सकता है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम तिब्बत में नियंत्रित करता है, इसके प्रवाह को रोक सकता है या बांध बनाकर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ या जल संकट पैदा कर सकता है। ये आशंकाएं सतही तौर पर तार्किक लगती हैं, लेकिन वैश्विक व्यापार और कूटनीति का गणित समझने पर यह स्पष्ट होता है कि चीन के लिए ऐसी कार्रवाई उतनी आसान नहीं है। आज की दुनिया में युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि व्यापार और अर्थव्यवस्था से लड़ा जाता है।

भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 136 अरब डॉलर से अधिक था, जिसमें भारत चीन से इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और रसायनों का आयात करता है, जबकि चीन भारतीय कच्चे माल और वस्तुओं पर निर्भर है। यह व्यापारिक रिश्ता दोनों देशों के लिए लाभकारी है। चीन के लिए आर्थिक प्रगति सर्वोपरि है, इसलिए वह इसे जोखिम में डालने से बचेगा। गलवान घाटी में 2020 के संघर्ष के बाद भी जब दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर था, भारत ने दृढ़ता दिखाई, लेकिन व्यापार पूरी तरह बंद नहीं हुआ। कारण स्पष्ट है, चीन जानता है कि भारत जैसे विशाल बाजार को खोना उसकी अर्थव्यवस्था के लिए आत्मघाती होगा।

चीन की ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने की योजनाएं पुरानी हैं। 2020 में उसने यरलुंग जंगबो (ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम) पर मेगा-हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। लेकिन ये परियोजनाएं मुख्य रूप से ऊर्जा उत्पादन के लिए हैं, न कि भारत के खिलाफ जल हथियारीकरण के लिए। यदि चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को रोकता है, तो यह न केवल भारत, बल्कि बांग्लादेश को भी प्रभावित करेगा, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ेगी। इससे चीन की वैश्विक छवि को नुकसान होगा और दक्षिण एशियाई देशों में उसका प्रभाव कम होगा। इसके अलावा, भारत ने जल प्रबंधन में अपनी क्षमता बढ़ाई है। असम और अरुणाचल में बांध व जलाशयों का निर्माण और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल तकनीकों का उपयोग, भारत को किसी भी संभावित जल संकट से निपटने में सक्षम बनाता है।

आज के युग में संबंध हितों पर टिके हैं। चीन बेल्ट एंड रोड पहल और वैश्विक व्यापार में प्रभुत्व चाहता है, इसलिए भारत के साथ टकराव से बचेगा। 1962 के युद्ध के बाद भी दोनों देशों ने 1988 में राजीव गांधी की बीजिंग यात्रा और 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी के दौरे जैसे कदमों से तनाव कम किया। हाल के वर्षों में भारत ने क्वाड (अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) और ब्रिक्स जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूत की है। चीन को अहसास है कि भारत के साथ खुले टकराव से उसे नुकसान ही होगा। पाकिस्तान का मामला अलग है। उसकी अर्थव्यवस्था चरमराई हुई है और वह आतंकवाद को राज्य नीति के रूप में इस्तेमाल करता है। सिंधु जल संधि निलंबन ऐसा कदम है, जो पाकिस्तान को आर्थिक व कूटनीतिक रूप से कमजोर करेगा। पाकिस्तान का सदाबहार मित्र होने का दावा करने वाले चीन द्वारा उसकी मदद के लिए जल युद्ध शुरू करने की संभावना कम है।

इजराइल की गोल्डा मेयर ने म्यूनिख नरसंहार के बाद ऑपरेशन रैथ ऑफ गॉड चला कर आतंकियों का सफाया किया तो देश ने राहत की सांस ली। 1971/ के युद्ध में इंदिरा गांधी ने अत्याचार झेलते पूर्वी पाकिस्तानियों को मुक्त कराया और जनता ने अभूतपूर्व समर्थन दिया। ये घटनाएं बताती हैं कि जब नेतृत्व जनभावनाओं के साथ खड़ा होता है, तो रणनीति को नैतिक बल मिलता है। आने वाले दिनों में भारत बहुआयामी जवाब दे सकता है-लक्षित सैन्य अभियान, आर्थिक-कूटनीतिक घेराबंदी और वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को अलग-थलग करना। इसके साथ कश्मीर में विकास व विश्वास-निर्माण भी तेज करना होगा, जिससे आतंकियों की जमीन खिसके। संक्षेप में, पानी की नल-बंदी अकेला समाधान नहीं, यह उस व्यापक रणनीतिक शतरंज की एक चाल है, जहां हर मोहरा (कूटनीति, सैन्य, आर्थिक, तकनीकी) संतुलित चले।

जब दो राष्ट्र एक ही नदी का पानी पीते हैं, तो वे सदा के लिए बंध जाते हैं या तो सहयोग की धार से या पानी के नीचे के उलटे प्रवाह से। निर्णय पानी का नहीं, उन हाथों का होता है जो उसका प्रवाह साधते हैं। जल तलवार भी है, पर कुशल हाथों में वही शल्य-चिकित्सक का चाकू बन सकता है, जो आतंक के फोड़े को चीरे, पर क्षेत्रीय शांति की धमनियां सलामत रखे।

सारे रिटायर ...

जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली थी। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है।

आम ...

इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी निर्बाध रूप से चलती रहेगी।

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है।

अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045। जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं।

जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। इससे न सिर्फ जनसंख्या बल्कि जनसांख्यिकी, आर्थिक स्थिति कई अहम पहलुओं का पता चलता है। विपक्षी कांग्रेस समेत तमाम सियासी पार्टियां जाति जन-गणना की मांग कर रहे हैं, ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल संख्या का पता चल सके।

भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था।

पाकिस्तान ..

अलावा भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव को दूर करने को लेकर भी बात हुई। रूस का आधिकारिक रूप से यह कहना है कि भारत और पाकिस्तान आपस का विवाद शांतिपूर्ण तरीके से दूर करें।

इससे पूर्व रूस के उप विदेश मंत्री भारतीय राजदूत के साथ अपनी भेंट के बाद कह चुके थे कि दक्षिण एशिया की ताजा परिस्थितियों पर विस्तार से बात हुई है। भारत ने भी इस बात की तस्दीक की है कि रूस साझा रूप से आतंकवाद को खत्म करने के लिए तैयार है।

क्लास ...

उनमें से ज्यादातर आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए लोग शामिल थे। आरोप है कि इन्हीं लोगों से मिलीभगत कर घटिया स्तर की कक्षाओं का निर्माण कराकर वित्तीय गड़बड़ी की गई। इसमें बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगाया गया। कई जगहों पर किसी कक्षा का निर्माण नहीं किया गया, लेकिन टॉयलेट को एक कक्षा बताकर उसकी कीमत को भी जनता के पैसे से वसूल किया गया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि दिल्ली की तत्कालीन सरकार ने एक ही स्कूल में चार-चार शिफ्ट में स्कूल चलाकर स्कूलों की संख्या बढ़ाकर दिखाई थी।

इस मामले को जनता के सामने उठाने का काम भाजपा नेता नीलकांत बख्शी, वर्तमान में दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा विधायक हरीश खुराना ने किया था। भाजपा नेता नीलकांत बख्शी ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताई थी। लेकिन अब इसकी कलई खुल गई है। यह सामने आ गया है कि बेहतर शिक्षा देने के दावे के पीछे एक संगठित गिरोह बनाकर जनता के पैसे की भारी लूट की गई। इस दौरान बच्चों की सुरक्षा को भी दांव पर लगा दिया गया।नीलकांत बख्शी ने कहा कि आज भी कड़ी-कुंडी तरीके से एक सामान्य कमरे में छत ढालने का खर्च चार-पांच लाख रुपए आता है, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार ने इसका खर्च 25 से 30 लाख रुपए दिखाया। इससे आम आदमी पार्टी का भ्रष्टाचार सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि यह बच्चों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ है और शराब घोटाले से पहले मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन इस मामले में जेल जाएंगे। आम आदमी पार्टी की ओर से खबर लिखे जाने तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

भारतीय ...

रणनीतिक महत्त्व दोनों सुनिश्चित होते हैं।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच इस डील का स्पष्ट संदेश है कि भारत अब वायुसेना और सेना के साथ अपनी नौसेना को भी पूरी मजबूती प्रदान करने को संकल्पबद्ध है। भारत-फ्रांस के बीच इस समझौते में केवल विमान खरीदने तक ही बात सीमित नहीं है बल्कि इसमें एक व्यापक औद्योगिक और तकनीकी सहयोग का भी प्रावधान है। भारत और फ्रांस के बीच हुए इस समझौते में राफेल मरीन पर भारत में विकसित एस्ट्रा बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल को एकीकृत करने की योजना है, जिससे भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक ठोस कदम होगा। साथ ही, विमान के विभिन्न घटकों के निर्माण, रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहोल) सुविधाओं की स्थापना भी की जाएगी, जिससे न केवल घरेलू रक्षा उद्योग को गति मिलेगी बल्कि बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। समझौते में यह भी तय किया गया है कि डिलीवरी अनुबंध की तारीख से 37 महीने बाद शुरू होगी और 66 महीनों के भीतर पूरी कर दी जाएगी। इस प्रकार, पहला राफेल मरीन विमान 2028 के मध्य तक भारत पहुंच जाएगा और 2030 तक सभी विमानों की आपूर्ति पूरी कर ली जाएगी। 26 विमानों में से 22 सिंगल सीटर होंगे, जो ऑपरेशनल मिशन में इस्तेमाल होंगे जबकि चार ट्विन सीटर ट्रेनिंग वर्जन होंगे, जो नौसैनिक पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाए जाएंगे। यह महत्वपूर्ण है कि ट्विन सीटर ट्रेनर जेट्स को विमानवाहक पोत से संचालित नहीं किया जाएगा क्योंकि वे तकनीकी दृष्टिकोण से वाहक संगत नहीं होते।भारत का यह कदम न केवल एक सैन्य अधिग्रहण है बल्कि एक कूटनीतिक संदेश भी है। इस डील जिस समय पर हस्ताक्षर हुए, ठीक उसी समय पाकिस्तान ने अपने नौसेना बेड़े में चीन से प्राप्त चार युद्धपोतों को शामिल किया था। इसके अलावा चीन अपनी नौसैनिक शक्ति को लगातार बढ़ा रहा है, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में उसकी मौजूदगी चिंता का विषय बन चुकी है। चीन के पास अब तीन से अधिक विमानवाहक पोत हैं और वह भारत की समुद्री सीमाओं के आसपास उपस्थिति बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। ऐसे समय में राफेल मरीन का अधिग्रहण भारत की एक ठोस प्रतिक्रिया है, जिससे स्पष्ट संदेश जाता है कि भारत अपनी समुद्री सीमाओं की रक्षा के लिए तैयार है और वह आधुनिक हथियारों, उच्च तकनीक तथा प्रभावी रणनीति के साथ क्षेत्र में अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखेगा। यह डील भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग का भी प्रतीक है। इससे पहले भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमान वायुसेना के लिए खरीदे थे, जिनकी डिलीवरी समय पर और बिना किसी विवाद के की गई। इस सहयोग की सफलता ने नौसेना के लिए भी फ्रांस को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित कर दिया है। यह द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की मजबूती का प्रमाण है कि भारत और फ्रांस ने अब सिर्फ उपकरणों की खरीद-बिक्री तक खुद को सीमित नहीं रखा है बल्कि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, और सामरिक साझेदारी की ओर भी कदम बढ़ा दिए हैं। आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच नौसेना अभियानों में सहयोग, संयुक्त युद्धाभ्यास और इंटेलिजेंस साझेदारी भी बढ़ने की संभावना है।वर्तमान में भारतीय नौसेना दो प्रमुख विमानवाहक पोतों (आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत) का संचालन कर रही है। इन पोतों से मिग-29के विमान संचालित किए जा रहे हैं, जो अब तकनीकी रूप से पुराने हो चुके हैं और उनकी परिचालन क्षमता भी समय के साथ घट रही है। इन परिस्थितियों में नौसेना के लिए एक उन्नत, बहुआयामी लड़ाकू विमान की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। राफेल मरीन इसी आवश्यकता को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त साबित होगा। डसॉल्ट एविएशन द्वारा निर्मित यह विमान पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में अपनी उपयोगिता और विश्वसनीयता साबित कर चुका है। अब इसके मरीन वर्जन को नौसेना में शामिल करना रणनीतिक रूप से तार्किक कदम है। राफेल मरीन की सबसे बड़ी विशेषता इसका मल्टी-रोल क्षमताओं से लैस होना है। यह विमान हवा से हवा में, हवा से जमीन पर और हवा से समुद्र में लक्ष्य भेदने में सक्षम है। इसमें मेटियोर मिसाइल, स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट बम जैसे आधुनिक हथियार तैनात किए जा सकते हैं। राफेल मरीन हवा में ईंधन भरने की क्षमता, स्टील्थ तकनीक, उन्नत एवियोनिक्स, एक्टिव इलैक्ट्रॉनिक स्कैन एरे रडार और सटीक लक्ष्यान्वेषण प्रणाली जैसी विशेषताओं से सुसज्जित है। यह विमान अत्यधिक संकरी जगहों से भी उड़ान भर सकता है और बहुत कम रनवे पर लैंड कर सकता है, जो एक विमानवाहक पोत पर संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक विशेषता है। साथ ही यह विभिन्न मौसमों में ऑपरेशन के लिए उपयुक्त है और उच्च समुद्री परिस्थितियों में भी अपनी मारक क्षमता बनाए रखता है।राफेल मरीन विमान विशेष रूप से लंबी दूरी तक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है, जिससे भारत की स्ट्राइक क्षमता बढ़ेगी। यह 3700 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है और हवा में ही ईंधन भर सकता है। इसकी यह क्षमता इसे दूरदराज के समुद्री क्षेत्रों में भी ऑपरेशन करने में सक्षम बनाती है। यह चीन की तथाकथित पर्ल ऑफ स्ट्रिंग्स नीति को प्रभावी तरीके से जवाब देने का एक रणनीतिक औजार भी है, जिसके अंतर्गत चीन ने श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और म्यांमार जैसे देशों में नौसैनिक आधार विकसित करने की कोशिश की है। राफेल मरीन की क्षमताओं की तुलना जब मिग-29के से की जाती है तो स्पष्ट होता है कि यह विमान तकनीकी, सामरिक और ऑपरेशनल दृष्टिकोण से बहुत अधिक उन्नत है। मिग-29के की सीमित रेंज, कम मिसाइल कैरिंग क्षमता और अपेक्षाकृत कम अविश्वसनीयता के कारण इसे अब धीरे-धीरे सेवा से बाहर किया जा रहा है। इसके विपरीत, राफेल मरीन में दुश्मन के रडार से बच निकलने की क्षमता, सटीक टारगेटिंग सिस्टम और लंबी रेंज के हथियार इसे एक घातक समुद्री फाइटर बनाते हैं। इसके जरिए भारत अब अपने विमानवाहक पोतों को एक बार फिर से संपूर्ण रूप से युद्ध-तैयार बना सकेगा। राफेल मरीन के आने से भारतीय नौसेना की संयुक्त संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। भारतीय वायुसेना पहले से ही राफेल विमान संचालित कर रही है, जिससे दोनों बलों के बीच ऑपरेशनल तालमेल आसान हो जाएगा। इससे लॉजिस्टिक सपोर्ट, प्रशिक्षण, रखरखाव और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति जैसी चीजें साझा हो सकेंगी, जिससे लागत कम होगी और प्रभावशीलता बढ़ेगी। यह समन्वय भारत के तीनों सैन्य अंगों के एकीकृत संचालन की दिशा में भी एक महत्त्व-पूर्ण कदम है।राफेल मरीन डील के समांतर भारत अमेरिका से भी 3.5 बिलियन डॉलर के समझौते के तहत 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन खरीद रहा है, जिनमें से 15 नौसेना के लिए होंगे। इन दोनों समझौतों के एक साथ अमल में आने से भारतीय नौसेना को आसमान और समुद्र दोनों में निगरानी और हमला करने की अद्वितीय शक्ति प्राप्त होगी। आने वाले समय में भारत को अपनी समुद्री रणनीति को और अधिक समग्र बनाने की आवश्यकता है। ऐसे में राफेल मरीन जैसे लड़ाकू विमान उस रणनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकते हैं लेकिन इसके साथ-साथ देश को अपने स्वदेशी परियोजनाओं पर भी ध्यान देना होगा। डीआरडीओ द्वारा विकसित किया जा रहा ट्विन इंजन डेक-बेस्ड फाइटर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसे 2032 तक संचालन के लिए तैयार करने की योजना है। यदि यह परियोजना सफल होती है तो भारत अपनी नौसेना के लिए पूरी तरह से स्वदेशी विमान विकसित करने वाले चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा।

कुल मिलाकर, राफेल सौदा भारत की आत्मनिर्भरता की नीति के अनुरूप भी है। जहां एक ओर फ्रांस से विमान खरीदे जा रहे हैं, वहीं इसके साथ भारत में एमएसएमई सेक्टर को जोड़ने, तकनीकी हस्तांतरण और स्वदेशी हथियार प्रणालियों के एकीकरण की योजना भी सुनिश्चित की गई है। इससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल को मजबूती मिलेगी। भारत धीरे-धीरे एक ऐसे रक्षा खरीद मॉडल की ओर बढ़ रहा है, जो विदेशी सहयोग के साथ-साथ घरेलू निर्माण को भी प्रोत्साहित करता है। राफेल मरीन डील केवल एक सैन्य खरीद नहीं है बल्कि भारत की भविष्य की रक्षा रणनीति, उसकी भू-राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इससे भारत की नौसेना को न केवल अपनी सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम बनाया जाएगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रभावी शक्ति के रूप में उभरने में भी सहायता मिलेगी। आने वाले वर्षों में यह सौदा भारत के समुद्री भविष्य की नींव साबित होगा।

भारत के ...

बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, वजीरिस्तान और तालिबान-नियंत्रित सीमा क्षेत्रों में उग्रवादी आंदोलनों के और भी मजबूत होने के साथ-साथ इसकी आंतरिक दरारें भी बदतर होती जा रही हैं।एसयू-30एमकेआई सिर्फ़ एक और लड़ाकू विमान नहीं है; यह भारत की तकनीकी शक्ति और रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस के सुखोई डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एसयू-30एमकेआई आज घातक स्तर की क्षमता पा चुका है। आज 260 से ज्यादा एसयू-30एमकेआई भारतीय वायुसेना की सेवा में हैं। यह भारत का सबसे बड़ा लड़ाकू बेड़ा है, जो हवाई श्रेष्ठता से लेकर रणनीतिक बमबारी और समुद्री अभियानों तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एसयू-30एमकेआई को भारत की अनूठी परिचालन आवश्यकताओं के तहत अत्यधिक अनुकूलित किया गया है। भारत के रक्षा योजनाकारों ने हिमालय जैसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में निरंतर उच्च-ऊंचाई वाले अभियानों के मुताबिक इस विमान में संशोधनों की सिफारिश की थी। संशोधनों के साथ एसयू-30एमकेआई में रूस, इजराइल, फ्रांस और स्वदेशी भारतीय प्रणालियों की तकनीकों का बेहतर मिश्रण शामिल है।

विमानन विशेषज्ञों का कहना है कि एसयू-30एमकेआई की वायुगतिकीय श्रेष्ठता और नियंत्रण सटीकता को पाकिस्तान वायुसेना कम्पीट नहीं कर सकती। हवा से हवा, हवा से जमीन और जहाज रोधी मिसाइलों से लैस यह जेट अपने 12 हार्डपॉइंट पर आठ टन तक का पेलोड ले जा सकता है। खास बात यह है कि यह रूसी मूल की मिसाइलों जैसे कि आर-73 और आर-77 के साथ-साथ भारत में विकसित हथियार जैसे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भी दाग सकता है। एसयू-30एमकेआई में पश्चिमी तकनीकों का समावेश है, जिसमें फ्रांसीसी नेविगेशन सिस्टम और भारतीय मिशन कंप्यूटर शामिल हैं, जो इसे ऑपरेशनल लचीलापन देता है, जो पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों में नहीं है। सिस्टम का यह मिश्रण सुनिश्चित करता है कि एसयू-30एमकेआई पारंपरिक युद्ध परिदृश्यों और उच्च-प्रौद्योगिकी, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध दोनों में प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 01 मई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अत्तापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मंगलवार को अत्तापुर स्थित रामबाग राम मंदिर प्रांगण में भगवान परशुराम भक्त मंडल के तत्वावधान में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर काला हनुमान मंदिर से भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों एवं पुरुषों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सुदर्शन प्रसाद तिवारी, अशोक शर्मा एवं शशिकांत शर्मा के नेतृत्व में किया गया। भगवान परशुराम जन्मोत्सव को सफल बनाने में सुदर्शन प्रसाद तिवारी, शशिकांत शर्मा, अशोक शर्मा, शोभा पाण्डेय, राम कुमार तिवारी, संदीप कुमार तिवारी, नवनीति व्यास, गोविंद ओझा, राजेश शर्मा, विमल खंडेलवाल, मूलचंद शर्मा,

पन्नालाल शर्मा, अशोक शर्मा, बाबूलाल जोशी, राजेश्वरी शर्मा, पार्वती शर्मा, शोभा शर्मा सहित अनेक सनातनी भक्तों ने सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन दिनेश शर्मा ने किया।इस अवसर पर मंडल की ओर से भाजपा नेता मल्ला रेड्डी कौमार्य, सुलगी वेंकटेश, सबदा विजय कुमार, सुरेश मोदी, बाबूलाल जोशी, विमल शर्मा , नवरत्न इंदौरिया, गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष सरदार चेतन सिंह, साई बाबा मंदिर के प्रभारी सुधाकर रेड्डी (स्टार राजू), वेंकट, राजू पहल-वान, वासु, विजय स्वामी, मुकेश बरादर, राजेंद्र अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, बालू सुब्रमण्यम, देहाती विश्वनाथ, पवन कुमार भारती सहित अनेक गणमान्यों का शॉल, साफा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

शोभा यात्रा में भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने खरीदा एक और सभागृह

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना ने बुधवार, दि. 30 अप्रैल को अक्षय तृतीय के अवसर पर आबिड्स स्थित राघव रत्न टॉवर में एक नये सभा गृह की ख़रीद किया। इस सभा गृह का शेत्रफल 1500 एसएफटी है। यह अग्रवाल समाज तेलंगाना की तीसरी सम्पति है । ज्ञातव्य रहे कि राघव रत्न टावर्स में अग्रवाल समाज तेलंगाना का कार्यालय है और सिकंदराबाद में अग्रवाल समाज का अपना अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल है।

बुधवार को लकड़ी का पूल स्थित रजिस्ट्री कार्यालय इस सभागृह का पंजीकरण अग्रवाल समाज तेलंगाना के नाम पर किया गया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, मीडिया कमेटी चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल, पवन डोकानिया, एडवोकेट अंकित अग्रवाल, विमल डालिया, राकेश रासीवाला, नीलम कासट, सब रजिस्टार नागराज व अन्य उपस्थित थे ।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ने समाज के सभी अग्रवाल बंधुओं को उक्त नए सभा गृह पर बधाई दी और भविष्य में समाज के लिए उपयोगी और कुछ सम्पत्ति जोड़ने के इच्छा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पुराने कार्यालय का सौन्दर्यकरण किया जा रहा जिसके बाद नये खरीदे गये सभागृह का सौन्दर्यकरण किया जाएगा। अध्यक्ष ने सभी दानदाताओं को धन्यवाद किया ।

भगवान परशुराम भक्त मंडल द्वारा रामबाग अत्तापुर स्थित काले हनुमान मंदिर व रामसिंहपुरा मंदिर गणेश मंदिर में आयोजित भगवान परशुराम की जयंती पर आयोजन शोभायात्रा में उपस्थित श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, अशोक शर्मा, निर्मल शर्मा, गिरीश जोशी, शशिकांत शर्मा, धर्माराम ढाका, सूर्य शुक्ला, अनिल कौशिक, शोभा पांडे, राजेश्वरी जोशी, दत्ता बिरादर, पुरुषोत्तम सिंह, वीरेंद्र सिंह, तिलक सिंह, लोकेश इंदौरिया, रोहण जोशी व अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को अक्षय तृतीय के अवसर पर नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर महेश अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, अरविन्द गुप्ता, उमा रानी, ई-जगन (चंपा पेट), नयन संघी, कैलाश चंद केडिया,निर्मला केडिया, राजेश योगा सरजी एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

गौ संरक्षण के लिए गोमाता महा हरथी का आयोजन 4 को

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। परंपरा और स्थिरता को पुनर्जीवित करना: हैदराबाद में गौ संरक्षण के लिए गोमाता महा हरथी का आयोजन किया जाएगा ।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के संदर्भ में सोमाजीगुडा बेगमपेट स्थित होटल मिनरवा में विभिन्न गोसेवा संघटनों की बैठक मंगलवार दि. 29-4-2025 को सायं 5 बजे से आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी नरेन्द्र गोयल ने की अवसर पर विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष के अभिनेता वैभव सूर्या, महामंत्री डा. समता, लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट आर.के.जैन, युग तुलसी फाउंडेशन चेरमेन के. शिवकुमार, रमेश मजेठीया, प्रमोदकुमार गोयल, अखिल भारत गो सेवा फाउंडेशन चेरमेन बालकृष्ण गुरूस्वामी, डा. रमादेवी, शिवाजी फाउंडेशन के चंद्रशेखर चवान, बीजेपी नेता अशोक सेन, स्किन स्पेश्यलिस्ट डा. हरीकुमार, सपना जैन, चेतना गदी, मल्लेश गौड आदि उपस्थित थे। बैठक के प्रारंभ में हाल में कश्मीर में हुई आतंकवादी घठना में शहीद हुए शहीदो को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

बैठक को संबोधीत करते हुए विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष के अभिनेता वैभव सूर्या ने कहा कि पारंपरिक भारतीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने और पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने के एक हार्दिक प्रयास में, हैदराबाद में जल्द ही एक अनूठा और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी कार्याम 'गोमाता हारथी' का आयोजन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य गौ संरक्षण और संरक्षण (गौ संरक्षण) के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह कार्याम रविवार दि. 04.05.25 को ललिता कला थोरानम, पब्लिक गार्डन, नामपल्ली, हैदराबाद में निर्धारित है, और इसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी और आध्यात्मिक उत्साह आने की उम्मीद है। कार्याम में विशेष अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंत्री बंडी संजय, केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, सांसद डी. अरूणा, संसद कोंडा विश्वेवर रेड्डी, सांसद ईटेला राजेन्द्रा, सांसद रघुनंदन राव, सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, विधायक ठाकुर राजा सिंह, पूर्व एम.एल.सी. रामचंद्र राव, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेरमेन आर.के. जैन, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फाउंडेशन अध्यक्ष मुकेश चौहान, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार आदि भाग लेंगे और बडी संख्या में गौशाला के पदाधिकारी, गौसेवी संस्थायें, समाजीक संगठन भाग लेंगे।

विश्व हिंदू महासंघ द्वारा आयोजित यह कार्याम आध्यात्मिक नेताओं, पर्यावरणविदों, किसानों, गौभक्तो और आम जनता को भारतीय संस्कृति, कृषि और दैनिक जीवन में गोमाता (गाय) की पवित्र भूमिका का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है। कार्याम में वैदिक होम, पारंपरिक हरथी अनुष्ठान और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल होंगे, जिसमें देशी गाय की नस्लों, जैविक खेती के तरीकों और पंचगव्यआधारित स्थिरता मॉडल के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल ने कहा ऐसे देश में जहां 190 मिलियन से ज़्यादा गायें हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, गोमाता का संरक्षण और सम्मान करना न केवल आस्था का विषय है, बल्कि एक पारिस्थितिक और आर्थिक आवश्यकता भी है। इस पहल का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, जन भागीदारी को संगठित करना और गोरक्षा के बारे में नीतिस्तरीय बातचीत को प्रोत्साहित करना है।

विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना मंत्री डॉ. समता ने कहा कि यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल के तहत प्राकृतिक खेती, ग्रामीण आजीविका और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। आयोजकों ने भारत के माननीय प्रधान मंत्री सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों को निमंत्रण भेजा है, ताकि इस नेक काम के लिए उनका आशीर्वाद और समर्थन मिल सके।

राजस्थानी प्रगति समाज एवं रामायण मेला समिती द्वारा आयोजित प्रथम सनातन धर्म संस्कृति बाल संस्कार शिविर के समापन पर आशीर्वचन देते हुए डॉ.अनंत काबरा, संचालक मंडल के सदस्य राधेश्याम राठी, श्यामलता नावांदर, सुरेखा सारडा, राजेश तोषनीवाल व अन्य।

माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट का मासिक अन्नप्रसाद कार्यक्रम के अंतर्गत अक्षय तृतीया के अवसर पर एवं पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ई.एन.टी. सरकारी अस्पताल, कोठी में लगभग 400 जरूरतमंदों में अन्नदान किया गया । उक्त सेवा में ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य विनय किशोर तायल, एडवोकेट हेमा मालिनी तायल, प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल अन्य सदस्यों में गोवर्धन लाल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, कांता अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, संतोष गोयल, मधु गोयल, सुनीता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सपना तुलस्यान, निर्मला अग्रवाल, लक्ष्मी दत्त आदि उपस्थित थे।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,242.24
-46.14 -0.06% ↓
एनएसई :24,334.20
-1.75 (-0.01%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 97,910/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,650/-
(प्रति किलोग्राम)

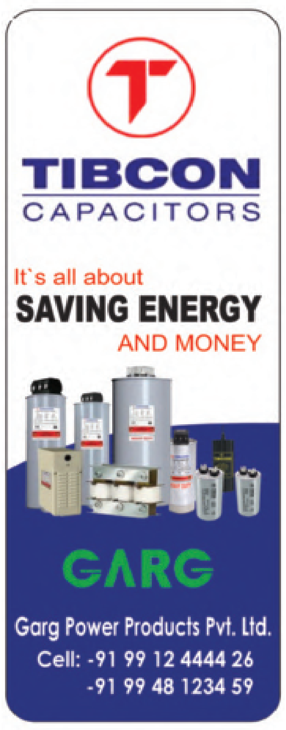

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38°
न्यूनतम : 27°

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एनएमडीसी के ईडी सतेन्द्र राय डिजिटल चैम्पियन्य अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिजिटल परिवर्तन की दिशा में निरंतर प्रयासों के लिए एनएमडीसी लिमिटेड को इंडिया पीएसई समिट 2025 के दौरान प्रतिष्ठित डिजिटल चैम्पियंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह आयोजन एक्सप्रेस कंप्यूटर (इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप) द्वारा प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के विकास इंजन को सशक्त बनाना थीम के अंतर्गत हैदराबाद में आयोजित किया गया।

एनएमडीसी लिमिटेड के अधिशासी निदेशक श्री सत्येन्द्र राय (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) ने संगठन की ओर से यह पुरस्कार प्राप्त किया। यह सम्मान एनएमडीसी द्वारा नवाचार और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से परिचालन उत्कृष्टता हासिल करने और भारत को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में किए गए कार्यों को रेखांकित करता है।

इस अवसर पर श्री राय ने कहा, यह पुरस्कार एनएमडीसी की दूरदर्शिता और तकनीकी नवाचार की दिशा में किए गए निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। हम भारत की डिजिटल यात्रा में अपना योगदान देने पर गर्व महसूस करते हैं और खनन क्षेत्र में तकनीकी नवाचार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बताते चलें कि पिछले फरवरी माह में भी एनएमडीसी के ईडी सतेन्द्र राय को हैदराबाद में आयोजित टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस समिट में बेस्ट डिजिटल ट्रॉसफॉर्मेशन इनिशिएटिव अवॉर्ड मिला था। श्रीराय मूलतः उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के श्रीनगर गांव के निवासी हैं और उन्होंने बीआईटी मेसरा से इंजीनियरिंग में स्नातक की शिक्षा ली है।

इंडिया पीएसई समिट देश की सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (झडए), नीति-निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर यह दिखाने का प्रयास करता है कि किस प्रकार डिजिटल नवाचार राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डिजिटल चैम्पियंस श्रेणी में एनएमडीसी को मिला यह सम्मान सार्वजनिक क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में उसके नेतृत्व को दर्शाता है।

भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी द्वारा किए गए डिजिटल प्रयासों में एआई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग, प्रक्रियाओं का स्वचालन, और उन्नत आईटी अवसंरचना की तैनाती शामिल है, जिससे यह कंपनी भारी उद्योगों में डिजिटल परिवर्तन का मानक बन गई है।

नराकास खम्मम की अर्ध-वार्षिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय स्टेट बैंक, खम्मम के संयोजन और तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम की अर्ध-वार्षिक बैठक आज, यानी 30.04.2025 को संपन्न हुई।

जिसमें सदस्य कार्यालयों में राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, उपक्रमों और केन्द्र सरकार के कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक, श्री राम बरन ने की।

बैठक का संचालन भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खम्मम के सदस्य-सचिव श्री वाई प्रसन्न कुमार ने किया। पंजाब नेशनल बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्री राजा सुधीर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ हैदराबाद में लाइटें बंद

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और हैदराबाद के कई अन्य निवासियों और दुकान मालिकों ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मौन विरोध में शामिल होने के लिए अपने घरों और प्रतिष्ठानों की लाइटें बंद कर दीं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा 30 अप्रैल को रात 9 से 9:15 बजे के बीच शुरू किए गए अखिल भारतीय विरोध प्रदर्शन को पूरे देश से भारी समर्थन मिला।

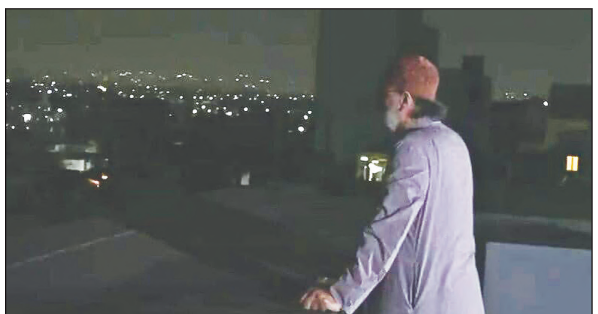

पहलगाम आतंकवादी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता के प्रतीक के रूप में, एआईएमपीएलबी ने वक्फ अधिनियम में विवादास्पद संशोधनों के खिलाफ अपने अभियान को 23 अप्रैल से तीन दिनों के लिए स्थगित कर दिया था।

एआईएमपीएलबी ने चेतावनी दी है कि वक्फ संशोधन विधेयक के कारण मुस्लिम मस्जिदों, दरगाहों, धर्मार्थ संस्थाओं और मूल्यवान भूमि सहित वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण खो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, निकाय ने वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करने के लिए हैदराबाद के दारुस्सलाम में एक विरोध प्रदर्शन और एक सार्वजनिक बैठक आयोजित की। पुरानी दिल्ली, महाराष्ट्र के परबनी और बिहार सहित अन्य शहरों से भी तस्वीरें सामने आई हैं।

एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने एक बयान में कहा, इस अभियान के तहत देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक कई शहरों में कई बड़ी जनसभाएं हो चुकी हैं और साथी नागरिकों और नागरिक समाज के साथ गोलमेज बैठकें भी की जा चुकी हैं। जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शन और मानव श्रृंखला कार्यक्रम भी हुए हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता के प्रतीक के रूप में, एआईएमपीएलबी ने वक्फ अधिनियम में विवादास्पद संशोधनों के खिलाफ अपने अभियान को 23 अप्रैल से तीन दिनों के लिए स्थगित कर दिया था।इलियास ने कहा कि हालांकि लाइट आउट कार्यक्रम दिखने में प्रतीकात्मक है, लेकिन यह देश के मुसलमानों और सभी न्याय-प्रिय लोगों द्वारा इन काले संशोधनों के खिलाफ एकजुट होकर विरोध की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति के रूप में काम करेगा।

विवादास्पद विधेयक को संसद द्वारा अनुमोदित किया गया तथा 6 अप्रैल को राष्ट्रपति की स्वीकृति भी प्राप्त हुई। हालांकि, इसे देश की मुस्लिम आबादी की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा है, जिनका कहना है कि यह विधेयक उनके अधिकारों का उल्लंघन करता है। वक्फ एक सतत दान है, जिसमें ईश्वर के नाम पर दान के उद्देश्य से भूमि दान की जाती है, जिसे सदका-ए-जारिया कहते हैं। सदका दान है, और जारिया जारी है। एक बार जब भूमि धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए और वह भी ईश्वर के नाम पर बना दी जाती है, तो उसे न तो अलग किया जा सकता है, न ही बिक्री, उपहार या हस्तांतरण के माध्यम से इसकी स्थिति बदली जा सकती है। लेकिन नया वक्फ अधिनियम वक्फ भूमि को निजी या सरकारी संपत्ति में बदलने की सुविधा प्रदान करता है।

प्रेरणा संस्था द्वारा छांछ वितरित

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेरणा संस्था द्वारा अशोक नगर स्थित शीतल ग्रैंड बाजार के समीप राहगीरों में छांछ वितरित किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में संस्था की संस्थापिका एवं संचालिका पूजा गुप्ता ने बताया कि बुधवार दि. 30 अप्रैल को संस्था द्वारा छांछ वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकाल में राहत पहुंचाने हेतु शीतल छांछ वितरित किया गया। जिसका कई लोगों ने लाभ लिया। कार्यक्रम में पूजा गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, अक्षत गुप्ता, मेघा बद्रुका, कविता अग्रवाल, तोषित एवं अन्य ने भाग लिया। प्रेरणा संस्था की आधारशिला जो श्रीमती करुणा अग्रवाल की चौथी पुण्यतिथि अक्षय तृतीया पर रखी गई थी। उस उपलक्ष्य उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री परशुराम मंदिर जगतगिरगुट्टा में अक्षय तृतीया पर आयोजित सुन्दरकाण्ड, भजन संध्या में भाग लेते हुए विनाध्यांचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, मन्दिर के अध्यक्ष श्री गोपाल, भजन गायक पुष्पेंद्र शुक्ला, विष्णुदत पाण्डेय, राजू महराज, राजन शुक्ला, प्रकाश महाराज, नीरज शुक्ला, नितिन ऊर्मालिया व अन्य।

केबीआर पार्क में इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा और आरती में सभी ने भाग लिया। जिसमें राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर सभी को बधाई दी। तत्पश्चात आरती व प्रसाद वितरण किया गया। पूजा कार्यक्रम में राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, विजय, विजय शांति टीचर, नम्रता, बाबूलाल केडिया, सुधाकर पंपाटी, प्रवीण अग्रवाल, संतोष बाई, राजकुमार सेसैया गरु, सरोज रेड्डी, विजय कुमार थुम्बी, विठ्ठलदास अग्रवाल (बड़ेगांव वाले), विजय कुमार अग्रवाल, दिनेश पंचोल ने भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य यजमानों में प्रवीण अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, सरोज रेड्डी, सेसैया गरु, उमेश माया अग्रवाल एवं अन्य शामिल रहे।

एफटीसीसीआई में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट रचनात्मक योदान एवं कला के लिए युद्धवीर स्मारक अवार्ड से पुरस्कृत थोटा वैकुंठम को बधाई देते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता। इस अवसर उन्होंने आयोजन समिति के विमपा वीर एवं एमएलसी आमिर अली खान को बधाई दी।

ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी द्वारा कैंडल मार्च का आयोजन

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित हेतु सुल्तान बाजार चौरस्ता से वीर सावरकर प्रतिमा तक कैंडल मार्च निकाली गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, अध्यक्ष वी. किशन यादव ने बताया कि ज्वाइंट एक्शन कमेटी सुल्तान बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन भाग्यनगर पटरी ठेला हॉकर बड़ी संघ ट्रेडर्स एसोसिएशन बड़ी चौड़ी ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा भव्य रूप से कैंडल मार्च निकाला गया और मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मनोहर सूर्यवंशी वी. किशन यादव, संतोष गुप्ता, ममता गुप्ता, वाई कृष्ण, शंकर यादव, पवन कुमार, गिरधारी लाल दगा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी, वासु श्रीकांत, अनिल कुमार, मारुति राव, संगीता, शशि खलील, श्रीनिवास लोया, अरुण दर्शन, शक्ति सिंह, अरूण, वासु, सोनी, नवल सांखला, जुगल सांखला, आशीष, पुरुषोत्तम शर्मा, जयशंकर तथा ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्शन कमेटी के सदस्य गण ठेला पत्ता के सदस्य गण सभी ने इस कैंडल रैली में भाग लिया और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन के अधिकारियों पर वित्तीय धोखाधड़ी का मामला दर्ज

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (एचजीए) के कई पूर्व अध्यक्षों, सचिवों, कप्तानों और समिति के सदस्यों के खिलाफ कथित धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और सबूत नष्ट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 2016 से अप्रैल 2025 के बीच एसोसिएशन को कई करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ है।

यह मामला शुरू में एचजीए के स्थायी सदस्य श्रीनाथ रेड्डी कोट्टम द्वारा गोलकोंडा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था और बाद में इसे केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) में स्थानांतरित कर दिया गया था।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना एक विक्रेता को गलत तरीके से मौजूदा भागीदार के रूप में पेश करके 1.75 करोड़ रुपये से अधिक का ठेका दिया गया। कथित तौर पर विक्रेता को वैध कार्य आदेश के बिना 50 लाख रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया।

साइट निरीक्षण से पता चला कि विक्रेता सूचीबद्ध पते पर मौजूद नहीं था।श्रीनाथ ने आगे आरोप लगाया कि नए गोल्फ कोर्स के डिजाइन अनुबंध में हेराफेरी की गई, जिसमें आधिकारिक विवरण में हेराफेरी की गई, ताकि एक विक्रेता को सबसे कम बोली लगाने वाला दिखाया जा सके, जबकि दूसरे विक्रेता ने काफी कम बोली प्रस्तुत की थी।

एक स्वतंत्र लेखापरीक्षा में 2.58 करोड़ रुपये की अधिक कीमत, अनियमित विक्रेता पहचान, डुप्लिकेट क्रय आदेश, असंगत जर्नल प्रविष्टियां और गायब रिकॉर्ड सहित विसंगतियां उजागर हुईं, जिससे लेखापरीक्षा में जानबूझकर बाधा डालने और साक्ष्य नष्ट करने का संकेत मिलता है।भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 316(5), 318(4), 336(3), 340(2), 61(2), 238 और 241 सहपठित 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच जारी है।

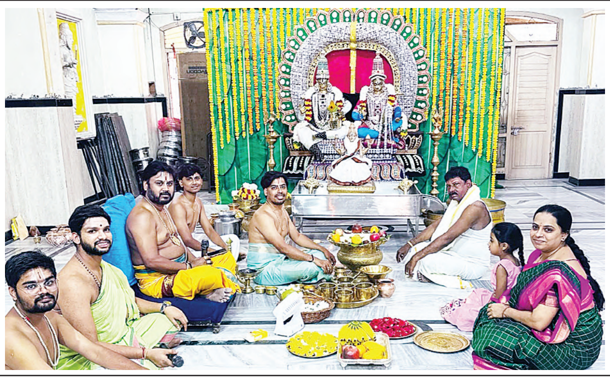

मैदान खाँ चौक, चारमीनार में श्री बालाजी मंदिर मेंअक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री श्रृंगाराम आत्रेय स्वामी के सान्निध्य में श्री कुबेर अस्तलक्ष्मी धनप्राप्ति हवन सम्पन्न हुआ। औषधि महा पूर्णाहुति द्वारा 108 हवन किये गये एवं लक्ष्मी जी का पंचामृत अभिषेक, कुबेर महालक्ष्मी अर्चन एवं यात्रा पूजन किया गया।

अत्तापुर डिवीजन के हुडा कॉलोनी में सात लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क के कार्य का शुभारंभ किया गया। शिलान्यास अत्तापुर डिवीजन के पार्षद संगीता गौरीशंकर ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता मोंद्रा कोमरय्या, अत्तापुर बीजेपी प्रेसिडेंट सुलिगे वेंकटेश, पेंजरला वेंकट रेड्डी, मुकेश बिराधर, आरिफ, संतोष सैन एवं कॉलोनी वासी उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज एस आर नगर शाखा की कार्यकारिणी सभा शाखा अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता के कार्यालय पर संपन्न हुई। सभा में वर्ष 2025-27 की कार्यकारिणी सदस्य के चुनाव की बारे में विस्तृत चर्चा की गई। चर्चा के बाद रविवार दि. 18 मई 2025 को शाखा के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में हेमचंद गुप्ता, राकेश अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, हरेश अग्रवाल ,सुशील अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता आदि उपस्थित थे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल बाह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा भगवान श्री परशुराम का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस संदर्भ में प्रात 7:51 बजे से भगवान परशुराम जी का अभिषेक, पुजा - अर्चना विधिवत रूप से की गई। इस अवसर पर समाज के भजन प्रेमियों ने मधुर भजनों से श्रोताओं का मन मोह लिया। सायं 6:11 बजे महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुरलीधर तिवारी, नारायणलाल उपाध्याय, अनील जायलवाल, कंवरीलाल जोशी, सत्यनारायण व्यास, कमल किशोर नागला, द्वारिकाप्रसाद पण्डित, अज्जु वैष्णव व अन्य उपस्थित थे।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, KASTHURI ALAGUR Mother of Service No. 2611196H Hav NEMANNA ALGUR, R/o.Vill: Jamakandi, Teh:Mainpuri, Dist:Bagalkot, Karnataka-587119 have changed my name and DOB from B KASTURI, DOB:02-04-1969 to KASTHURI ALAGUR, DOB:01-01-1964 vide affidavit dt:30-04-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BUJABALI ALAGUR Father of Service No. 2611196H Hav NEMANNA ALGUR, R/o.Vill: Jamakandi, Teh:Maigur, Dist:Bagalkot, Karnataka-587119 have changed my name and DOB from BHUJABALI, DOB:11-3-1958 to BUJABALI ALAGUR, DOB:01-01-1954 vide affidavit dt;30-04-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

नवोदय विद्यालय के स्थान को लेकर कांग्रेस मंत्री और भाजपा सांसद में नोकझोंक

संगारेड्डी, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा और मेडक के सांसद एम. रघुनंदन राव अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में केंद्र द्वारा हाल ही में संगारेड्डी जिले के लिए स्वीकृत नवोदय विद्यालय को स्थापित करने के लिए आपस में संघर्ष कर रहे हैं।

चूंकि केंद्र ने प्रत्येक जिले में एक संस्थान स्थापित करने की सरकार की नीति के तहत तेलंगाना को सात नए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रदान किए हैं, जिनमें से एक संगारेड्डी को भी दिया गया है, इसलिए मंत्री और सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्रों में संस्थान स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, जो दोनों ही संगारेड्डी जिले में हैं।

दामोदर राजनरसिम्हा ने जिला अधिकारियों को अंडोले निर्वाचन क्षेत्र में नवोदय परिसर की स्थापना के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान करने का निर्देश दिया है, जबकि रघुनंदन राव ने अधिकारियों से पाटनचेरु विधानसभा क्षेत्र के अमीनपुर में उपयुक्त भूमि की पहचान करने को कहा है, जो मेडक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

अधिकारी दुविधा में हैं क्योंकि दोनों नेता नरमी बरतने को तैयार नहीं हैं। अधिकारियों की एक टीम ने जहां अंडोले विधानसभा क्षेत्र में एक स्थान की पहचान की, वहीं अधिकारियों की एक अन्य टीम ने अमीनपुर नगर पालिका में एक अन्य स्थान की पहचान की।

चूंकि केंद्र ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष से नवोदय विद्यालय शुरू करने का फैसला किया है, इसलिए अधिकारी जोगीपेट में जिला परिषद हाई स्कूल के परिसर में एक अस्थायी भवन में स्कूल शुरू करने की तैयारी कर रहे थे, जो अंडोल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

जबकि रघुनंदन राव अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्कूल स्थापित करने के लिए नई दिल्ली में पैरवी कर रहे थे, जिला प्रशासन के सूत्रों ने कहा कि संस्थान कहां स्थापित किया जाए, इस बारे में अंतिम निर्णय राज्य सरकार का होगा।

जैसे-जैसे शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के दिन नजदीक आ रहे हैं, दोनों नेता अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में संस्थान स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के ऋग्वेदिक विद्वान को कांची कामकोटि पीठम के अगले शंकराचार्य के रूप में नियुक्त किया गया

कांचीपुरम (तमिलनाडु), 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के ऋग्वैदिक विद्वान श्री सत्य चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य का बुधवार को यहां एक भव्य धार्मिक समारोह में प्राचीन कांची कामकोटि पीठम के कनिष्ठ पुजारी के रूप में अभिषेक किया गया।

कांची मठ की परंपरा के अनुसार संन्यास की दीक्षा लेने से पहले गणेश शर्मा द्रविड़ के नाम से जाने जाने वाले 25 वर्षीय आचार्य को मठ ने वर्तमान संत श्री विजयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य के उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता दी थी।यह ऐतिहासिक कार्यक्रम शुभ अक्षय तृतीया पर हुआ, जिसमें देश भर से संतों ने भाग लिया। संन्यास प्रवेश महोत्सव के दौरान, वरिष्ठ पुजारी श्री विजयेंद्र सरस्वती ने डुड्डू सत्य वेंकट सूर्य सुब्रमण्यम गणेश शर्मा द्रविड़ को सत्य चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती शंकराचार्य के संन्यास नाम का आशीर्वाद दिया, जो कांची कामकोटि पीठम के अनुसार पीठम के 71वें शंकराचार्य के रूप में उनके आरोहण को चिह्नित करता है।

आरोहण से जुड़े अनुष्ठान मंगलवार को पंच गंगा तीर्थम, श्री कांची कामाक्षी अंबल देवस्थानम में शुरू हुए।

इस अवसर पर श्री कामाक्षी मंदिर में श्री कामाक्षी अंबल सन्निधि और जगद्गुरु आदि शंकराचार्य सन्निधि की विशेष पूजा की गई। श्री शंकराचार्य और श्री सुरेश्वराचार्य सन्निधि में भी विशेष पूजाएँ आयोजित की गईं, जिसके बाद कनिष्ठ पुजारी ने श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती और श्री जयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य के बृंदावन का दौरा किया।तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के विभिन्न मंदिरों से लाए गए प्रसाद मंदिर प्रतिनिधियों द्वारा 71वें आचार्य को अर्पित किए गए।कांची कामकोटि पीठम के अनुसार, यह आयोजन जगद्गुरु आदि शंकराचार्य के 2534वें जयंती महोत्सव (2 मई, 2025) के साथ हुआ, जिन्होंने 482 ईसा पूर्व में श्री कांची कामकोटि पीठम की स्थापना की थी। तब से, पीठम को 70 आचार्यों (आध्यात्मिक नेताओं) की एक अखंड परंपरा का गौरव प्राप्त है।

आंध्र प्रदेश के अन्नवरम क्षेत्र के इस ऋग्वैदिक विद्वान ने श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम, बसारा, निर्मल जिला, निज़ामाबाद, तेलंगाना में सेवा की थी। उन्होंने यजुर्वेद, सामवेद, षडंगस और दशोपनिषत् में भी अपनी पढ़ाई पूरी की।

वरिष्ठ मठाधीश को उनके पूर्ववर्ती और 69वें मठाधीश जयेन्द्र सरस्वती ने 29 मई, 1983 को 15 वर्ष की अल्पायु में पीठम का आचार्य बनाया था। जयेन्द्र सरस्वती को उनके पूर्ववर्ती चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती ने 24 मार्च, 1954 को आचार्य बनाया था।पीठम में मठवासी दीक्षा की प्रतिष्ठित परंपरा का पालन करते हुए, उनके गुरु और वर्तमान पीठाधिपति विजयेंद्र सरस्वती ने नए आचार्य को एक दंड सौंपा , इस समारोह में तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।उनके पिता, डुड्डू धन्वंतरि, जो अन्नवरम के प्रसिद्ध श्री सत्यनारायण स्वामी मंदिर में पुजारी के रूप में कार्यरत थे, मां अलीवेलु मंगादेवी और बहन भी दीक्षा समारोह की गवाह बनीं।

भाजपा के राज्य प्रमुख नैनार नागेंथिरन, जिन्होंने विस्तृत अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आयोजित इस भव्य समारोह में भाग लिया, ने कहा कि वह महान आध्यात्मिक गुरु आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित कांची कामकोटि पीठम के 71वें आचार्य के रूप में श्री सत्य चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती के अभिषेक में व्यक्तिगत रूप से शामिल होकर बहुत प्रसन्न हैं ।

नागेंथिरन ने कहा, मैं उन्हें अपना सम्मानपूर्ण अभिवादन देता हूं क्योंकि वह मठ की कालातीत परंपरा को अगली पीढ़ी तक ले जाने की तैयारी कर रहे हैं। हमारा महान राष्ट्र हमारे संन्यासियों और ज्ञान गुरुओं के आशीर्वाद के कारण धर्मक्षेत्र के रूप में चमकता रहता है।

समग्र विकास में तेलंगाना चौथे स्थान पर : रिपोर्ट

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केयरएज रेटिंग्स की 2025 की समग्र राज्य रैंकिंग के अनुसार, तेलंगाना ने समग्र विकास के लिए भारत के 17 बड़े राज्यों में चौथे शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में अपना स्थान बनाए रखा है। यह रैंकिंग सात प्रमुख विकास स्तंभों पर आधारित है: आर्थिक, राजकोषीय, वित्तीय विकास, बुनियादी ढांचा, सामाजिक, शासन और पर्यावरण, जिनका मूल्यांकन 50 प्रदर्शन संकेतकों के माध्यम से किया गया है।महाराष्ट्र 56.5 अंक के साथ सूची में शीर्ष पर रहा, उसके बाद गुजरात (52.4) और कर्नाटक (51.9) का स्थान रहा। तेलंगाना ने 51.4 के समग्र स्कोर के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जो 2023 में 50.9 से ऊपर था, जो कई क्षेत्रों में लगातार प्रदर्शन को दर्शाता है।

आर्थिक और राजकोषीय श्रेणियों में, तेलंगाना क्रमशः 43.0 और 51.7 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहा, जो मजबूत प्रति व्यक्ति जीएसडीपी, पर्याप्त औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के योगदान और मजबूत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह के कारण संभव हुआ।राज्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन वित्तीय विकास स्तंभ में रहा, जहां यह 53.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जिसका श्रेय महत्वपूर्ण बैंक ऋण संवितरण और महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को लक्षित ऋण को जाता है।तेलंगाना ने बुनियादी ढांचे में भी अच्छा प्रदर्शन किया और 44.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। शासन और सामाजिक मोर्चों पर, राज्य ने क्रमशः 62.5 और 61.6 अंकों के साथ छठा और आठवां स्थान हासिल किया, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण मेट्रिक्स में सुधार को दर्शाता है।पर्यावरण स्तंभ भी एक और ताकत था, जहां वन क्षेत्र में वृद्धि और पीने योग्य पानी तक बेहतर पहुंच के लिए तेलंगाना 64.5 अंक के साथ कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

गांजा रखने और बेचने के आरोप में 3 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अवैध रूप से गांजा रखने और बेचने की कोशिश करने के आरोप में मंगलवार, 29 अप्रैल को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 24 किलोग्राम सूखा गांजा और तीन मोबाइल फोन जब्त किए।

आरोपियों की पहचान मोहम्मद उमर, मोहम्मद गौस हुसैन और मोहम्मद सोहेल के रूप में हुई है।विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने आर-ोपी को गिरफ्तार कर लिया और एनडीपीएस अधिनियम (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट) की धारा 8(सी) सह धारा 20(बी)(2)(बी) के तहत मामला दर्ज किया।

दो अन्य व्यक्ति, सोना जावेद और फैजल, जो नशीली दवाओं के कारोबार में शामिल थे, अभी भी फरार हैं। आगे की जांच जारी है।

तेलंगाना ईआरसी का कहना है कि 2025-26 के लिए बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं होगी

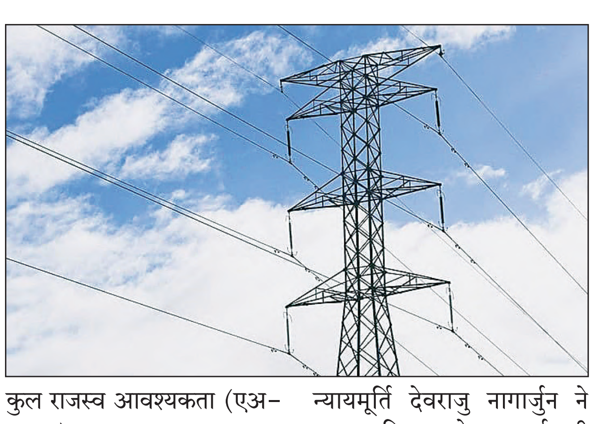

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक आयोग (टीजीईआरसी) ने सोमवार को घोषणा की कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तेलंगाना में किसी भी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी।

यह निर्णय दक्षिणी और उत्तरी विद्युत वितरण कंपनियों (टीज-ीएसपीडीसीएल और टीज-ीएनपीडीसीएल) द्वारा विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 64 के तहत 28 जनवरी को याचिका दायर करने के बाद आया। उन्होंने 65,849.74 करोड़ रुपये की कुल राजस्व आवश्यकता (एआरआर) का अनुमान लगाया था।

हालांकि, आयोग ने 58,628.09 करोड़ रुपए की कम एआरआर को मंजूरी दी। टीजीईआरसी के अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति देवराजु नागार्जुन ने बताया कि आयोग यथार्थवादी अनुमान लगाने के लिए अपनी खुद की पद्धति का उपयोग करता है, खासकर तब जब डिस्कॉम कृषि बिजली के उपयोग को बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं।

डॉ. नागार्जुन ने चेतावनी दी कि यदि बिजली की खपत इसी तरह जारी रही तो तेलंगाना को 2030 तक बिजली की कमी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने उपभोक्ताओं से जिम्मेदारी से बिजली का उपयोग करने का आग्रह किया और इस बात पर बल दिया कि भविष्य में टैरिफ वृद्धि या नवीकरणीय ऊर्जा पर अधिक निर्भरता जैसे उपायों की आवश्यकता हो सकती है - लेकिन टैरिफ बढ़ाने से आम नागरिकों पर बोझ पड़ेगा।

राजस्व अंतर के संबंध में, टीजीईआरसी ने डिस्कॉम के लिए 13,122.04 करोड़ रुपये और केंद्रीय विद्युत आपूर्ति योजना (सीईएसएस) के लिए 377.37 करोड़ रुपये मंजूर किए, जबकि प्रस्तावित अंतर क्रमशः 20,151 करोड़ रुपये और 446.21 करोड़ रुपये था।अन्य प्रमुख निर्णयों में एलटी-11 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए अनुबंधित लोड सीमा को 56 किलोवाट /75 एच पी से बढ़ाकर 150 किलोवाट /201 एच पी करना शामिल है। ग्रिड सपोर्ट चार्ज 18.48 रुपये प्रति किलोवाट प्रति माह तय किया गया, जो प्रस्तावित 20.04 रुपये से कम है।

आरामगढ़ फ्लाईओवर रैंप के काम में तेजी लाएं : जीएचएमसी प्रमुख

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आरवी कर्णन ने अधिकारियों को आरामगढ़ फ्लाईओवर के अप और डाउन रैंप के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है।

यह निर्देश बुधवार, 30 अप्रैल को आरामगढ़-चिड़ियाघर पार्क फ्लाईओवर और शास्त्रीपुरम रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान दिए गए।

निरीक्षण के दौरान परियोजना अधिकारी श्रीनिवास ने जीएचएमसी आयुक्त को बताया कि आरओबी का रेलवे हिस्सा अभी भी लंबित है। जवाब में आरवी कर्णन ने रेलवे खंड और पूरी परियोजना के पूरा होने की समय सीमा के बारे में पूछा।

इंजीनियरिंग अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि रेलवे खंड पूरा होने के बाद शेष कार्य 30 से 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।जीएचएमसी आयुक्त कर्णन ने अधिकारियों से रेलवे के मुख्य अभियंता के साथ समन्वय स्थापित करने तथा लंबित रेलवे कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया, ताकि आगे और देरी से बचा जा सके।

इसके अतिरिक्त, आगामी विश्व सौंदर्य प्रतियोगिता के कारण चारमीनार में पर्यटकों की अपेक्षित आमद को देखते हुए, आयुक्त ने चारमीनार के क्षेत्रीय आयुक्त को आसपास के क्षेत्रों में सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

हैदराबाद के एक व्यक्ति ने क्रिप्टो करेंसी निवेश धोखाधड़ी में 1.6 करोड़ रुपये गंवाए

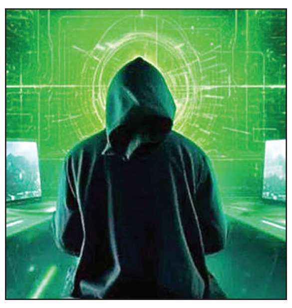

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक व्यक्ति ने साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया है कि साइबर जालसाजों ने उसे क्रिप्टो मुद्राओं में निवेश के लिए भारी रिटर्न का वादा करके 1.60 करोड़ रुपये की ठगी की है।मियापुर निवासी 47 वर्षीय निजी कर्मचारी ने पुलिस को बताया कि उसका मोबाइल नंबर हाल ही में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया था, जहां एक महिला ने उससे संपर्क किया, जिसने 'बिटकॉइन' में निवेश करने पर भारी रिटर्न दिखाने का दावा किया और इसके लिए उसे मार्गदर्शन और सुझाव भी दिए।पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने इस प्रस्ताव को सच मानकर शुरुआत में ई-वॉलेट के जरिए 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक की रकम भेजी।उसने तुरंत देखा कि उसका निवेश दोगुना हो गया है। इसके अलावा, उन्होंने दावा किया कि उसे 5 लाख रुपये जमा करने होंगे और सदस्यता लेनी होगी, ताकि वह अधिक राशि निवेश कर सके और अधिक लाभ कमा सके। उन्होंने उसे मुनाफे पर 20 प्रतिशत कमीशन देने के लिए भी कहा।इसके अनुसार, उन्होंने उनके बैंक खातों में कुल 1.02 करोड़ रुपये भेजे। कुछ दिन पहले, जब उन्होंने अनुबंध समाप्त करना चाहा, तो उन्होंने उनसे कमीशन के रूप में 30 लाख रुपये मांगे, जो उन्होंने चुका दिए। इसके अलावा, विभिन्न खर्चों के नाम पर, उन्होंने कुल 1.6 करोड़ रुपये वसूले। हालांकि, जब उन्होंने उनसे अपना निवेश और मुनाफा वापस मांगा, तो उन्होंने उसे टालना शुरू कर दिया और उसका नंबर ब्लॉक कर दिया।शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर अपराधियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

हैदराबाद में बड़े पैमाने पर फेरबदल करते हुए 146 पुलिस इंस्पेक्टरों का तबादला किया गया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के पुलिस स्थापना बोर्ड ने मंगलवार, 29 अप्रैल को एक बैठक बुलाई और एक बड़े फेरबदल के तहत 146 पुलिस निरीक्षकों के तत्काल स्थानांतरण और नियुक्ति का आदेश दिया।

कुछ फेरबदल में नरसिंह कुरधाम शामिल हैं, जो पहले एबिड्स पीएस में डिटेक्टिव इंस्पेक्टर (डीआई) के रूप में काम करते थे, अब उन्हें सुल्तान बाजार पुलिस स्टेशन के एसएचओ के रूप में स्थानांतरित किया गया है। श्रीनिवास चारी सोमवरपु, जो पहले सुल्तान बाजार पीएस में स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) थे, को दक्षिण पूर्व क्षेत्र सीसीआर में स्थानांतरित किया गया है।

कोई नियम नहीं, सब जोखिम भरा

हैदराबाद की सड़कों पर टिंटेड विंडो और बिना नंबर प्लेट वाली कारें आम बात हो गई हैं

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऐसे समय में जब तेलंगाना परिवहन विभाग इस बात पर जोर दे रहा है कि सभी वाहन मालिकों को अपने वाहनों में अनिवार्य रूप से उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) लगानी चाहिए , शहर की सड़कों पर बिना नंबर प्लेट के चलने वाले वाहनों की संख्या बढ़ रही है।

यह अनियंत्रित उल्लंघन न केवल अनिवार्य एचए-सआरपी नियम को सख्ती से लागू करने की अधिकारियों की योजना को चुनौती देता है, बल्कि कई अन्य खतरे भी पैदा करता है।

दुर्घटनाओं या अपराधों के मामलों में ऐसे वाहनों का पता लगाना कठिन हो जाता है, वहीं यातायात उल्लंघन के लिए उन्हें दंडित करना भी एक चुनौती है।

इस बीच, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और मंचों पर काले शीशे वाली और बिना नंबर प्लेट वाली कारों की बढ़ती संख्या के बारे में शिकायतों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।उल्लंघनों के बारे में पोस्ट करने वालों ने पाया है कि पिछले 6-12 महीनों में ऐसे मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे यातायात पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं।

रेडिट पर एक ऐसी ही पोस्ट में, एक यूजर u/deepoops ने हैदराबाद के चित्रपुरी में एक सड़क पर चल रही एक सफ़ेद हुंडई वर्ना कार की तस्वीर

शेयर की, जिसकी खिड़कियाँ पूरी तरह से रंगी हुई थीं और उस पर कोई नंबर प्लेट नहीं थी।

पोस्ट में लिखा था: पूरी तरह से रंगी हुई कार, बिना नंबर प्लेट वाली (चित्रपुरी के पास) मुझे उसकी कार से टकराने का मन हुआ और देखना था कि क्या वह बाहर आता है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक अन्य Reddit उपयोगकर्ता, u/Visual-Run-4718 ने पूछा: क्या किसी ने बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की संख्या में हाल ही में वृद्धि देखी है? नेन ओनली एपी लो एव्टोंडी एंकुन्ना। यह 6 महीने पहले भी आम नहीं था।

एक अन्य उपयोगकर्ता, u/rogueck ने तेलुगु (अंग्रेजी लिपि में) में लिखा: कोथागा चुस्तनमा ब्रो इडी, रोजू 50 कारें अन्ना चुस्तम इटला, मनम केलुक्कोलेम, पुलिस ओल्लू आपारू। इलांती कारों की डोरम उन्दाम मनाकी सुरक्षित.. मन परिवार की सुरक्षित - मोटे तौर पर इसका अनुवाद: यह नया है, हम एक दिन में कम से कम 50 ऐसी कारें देखते हैं। हम उनसे सवाल नहीं कर सकते और पुलिस भी नहीं करती। ऐसी कारों से दूर रहना बेहतर है - हमारी और हमारे परिवार की सुरक्षा के लिए।

हैदराबाद में यातायात नियमों के उल्लंघन के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए शहर के निवासियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेना अब चिंताजनक रूप से आम बात हो गई है। हालांकि, साइबराबाद, हैदराबाद और राचकोंडा के त्रि-आयुक्तालयों में यातायात पुलिस उल्लंघनकर्ताओं पर अंकुश लगाने के लिए बहुत कम या कोई कार्रवाई नहीं करती है।

गलत साइड ड्राइविंग, अनियमित नंबर प्लेट, बिना हेलमेट के वाहन चलाना और दोपहिया वाहनों पर दो से ज़्यादा लोगों का होना हैदराबाद की सड़कों पर होने वाले कई उल्लंघनों में से कुछ हैं। नतीजतन, शहर में गाड़ी चलाना शतरंज के तनावपूर्ण खेल से कम थकाऊ नहीं रह गया है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेलंगाना एससएससी परिणाम में कुल 92.78 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण

महबूबाबाद जिला 99.29% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र (एसएससी) परीक्षा में बैठने वाले छात्रों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.78% रहा। यह पिछले वर्ष के कुल उत्तीर्ण प्रतिशत से 1.47% अधिक है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार, 30 अप्रैल को हैदराबाद के रवींद्र भारती ऑडिटोरियम से आधिकारिक रूप से परिणामों की घोषणा की।

इस वर्ष 21 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित परीक्षा के लिए कुल 5,09,403 छात्रों ने पंजीकरण कराया था।इनमें से 4,95,590 नियमित परीक्षार्थी और 226 प्राइवेट परीक्षार्थी थे।लड़कों ने 91.32% सफलता हासिल की है, जबकि लड़कियों ने 94.26% सफलता हासिल की है।कुल 4,629 स्कूलों ने 100% पास रिजल्ट हासिल किया है। इनमें 2,007 निजी स्कूल, 1,675 जिला परिषद हाई स्कूल, 230 केजीबीवी, 143 बीसी कल्याण आवासीय संस्थान, 126 आश्रम स्कूल, 108 समाज कल्याण आवासीय स्कूल, 91 अल्पसंख्यक आवासीय संस्थान, 79 मॉडल स्कूल, 45 आदिवासी कल्याण आवासीय संस्थान, 24 तेलंगाना आवासीय स्कूल, 28 सहायता प्राप्त स्कूल और 73 अन्य सरकारी स्कूल शामिल हैं।

महबूबाबाद जिला 99.29% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर रहा, जबकि विकाराबाद 73.97% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ सबसे निचले स्थान पर रहा।निजी स्कूलों में 94.21%, तेलंगाना आवासीय विद्यालयों में (98.79%), बीसी कल्याण आवासीय संस्थानों में (97.79%), समाज कल्याण आवासीय संस्थानों में (97.71%), आदिवासी कल्याण आवासीय संस्थानों में (97.63%), अल्पसंख्यक आवासीय संस्थानों में (96.57%), मॉडल स्कूलों में (95.31%), आश्रम स्कूलों में (95%), केजीबीवी स्कूलों में (94.42%), सहायता प्राप्त स्कूलों में (90.65%), जिला परिषद हाई स्कूल में (89.13%), अन्य सरकारी स्कूलों में (84.83%) क्रमशः दर्ज किए गए हैं।

एसएससी एडवांस सप्लीमेंट्री परीक्षाएं 3 से 13 जून तक आयोजित की जाएंगी। छात्र अपने संबंधित स्कूलों में 16 मई तक परीक्षा शुल्क का भुगतान कर सकते हैं, या अपने संबंधित विषय में परीक्षा शुरू होने से 2 दिन पहले तक 50 रुपये का विलंब शुल्क दे सकते हैं।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने विद्यार्थियों को पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन के लिए 1 से 15 मई तक आवेदन करने की अनुमति दी है।

विद्यार्थी पुनर्गणना के लिए प्रति विषय 500 रुपए और पुनर्मूल्यांकन के लिए प्रति विषय 1000 रुपए का भुगतान कर सकते हैं। इस वर्ष से, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने ग्रेड प्वाइंट औसत (जीपीए) प्रणाली के अनुसार विद्यार्थियों को ग्रेड देना बंद कर दिया है, तथा विद्यार्थियों को अंक देने की पुरानी प्रणाली पर वापस लौट आया है, तथा विद्यार्थियों के अंकों के आधार पर उन्हें क्रमशः ए1, ए2, बी1, बी2, सी1, सी2, डी तथा ई ग्रेड दिया जाता है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जाति जनगणना पर केंद्र के फैसले का स्वागत किया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश भर में जनसंख्या और जाति जनगणना कराने के केंद्र सरकार के फैसले ने पूरे देश में व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस कदम का स्वागत किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट को धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी जाहिर की। रेवंत रेड्डी ने इस फैसले को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की पुष्टि बताया।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने भी केंद्र के फैसले की सराहना करते हुए इसे कांग्रेस पार्टी की जीत बताया।तेलंगाना भारत का पहला ऐसा राज्य है जिसने वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से जाति गणना की है। मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना कांग्रेस सरकार ने सफलतापूर्वक सर्वेक्षण पूरा किया, जिससे राज्य में विभिन्न जातियों का सटीक अनुपात सामने आया।इस डेटा के आधार पर सरकार ने सामाजिक न्याय प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिनमें पिछड़े वर्गों (बीसी) को 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय भी शामिल है।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राहुल गांधी लगातार देश भर में जाति गणना की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद, गांधी राष्ट्रीय नीति चर्चाओं को प्रभावित करने में कामयाब रहे।कांग्रेस पार्टी ने जाति जन-गणना के लिए दबाव बनाने के लिए पूरे भारत में विरोध प्रदर्शन और आंदोलन चलाए थे, जिसमें दिल्ली में तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं द्वारा प्रदर्शन भी शामिल था।

रेवंत रेड्डी ने केंद्र के फैसले के लिए इस सामूहिक प्रयास को श्रेय देते हुए कहा कि यह लोगों द्वारा डाले गए दबाव को दर्शाता है।तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा की गई जाति जनगणना की भाजपा लंबे समय से आलोचना करती रही है। हालांकि, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि केंद्र के नए फैसले से संकेत मिलता है कि भाजपा अब तेलंगाना के नक्शेकदम पर चल रही है। उन्होंने इसे तेलंगाना सरकार की जीत बताया और मांग की कि केंद्र राज्य में पारित 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को भी वैधता प्रदान करे।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आगे बोलते हुए कहा कि जाति गणना के लिए तेलंगाना के वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम की है।

विशाखापत्तनम के सिंहाचलम मंदिर में दीवार गिरने से सात लोगों की मौत, कई घायल

विशाखापत्तनम, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्थित प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर सिंहाचलम में बुधवार तड़के टिकट खरीदने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि गंधमावस्या पर प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में भगवान वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के दर्शन के लिए 300 रुपये का टिकट खरीदने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालु कतार में खड़े थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान पट्टी दुर्गा स्वामी नायडू (32), येदला वेंकट राव (48), मुम्मापटला मणिकांठा (28), गुज्जरी महालक्ष्मी (65), पैला वेंकट रत्नम (45), पिल्ला उमामहेश्वर राव (30) और पिल्ला शैलजा (26) के रूप में हुई है। मृतकों में से सॉफ्टवेयर इंजीनियर पिल्ला उमामहेश्वर राव, उनकी पत्नी पिल्ला शैलजा, उनकी मां पिल्ला पैला वेंकटरत्नम और उनकी चाची जी महालक्ष्मी एक ही परिवार के सदस्य थे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आधी रात के बाद हजारों लोग पहाड़ी मंदिर में पहुंचने लगे और विशेष दर्शन के लिए टिकट खरीदने के लिए लंबी कतार में लग गए। इस दौरान भारी बारिश के साथ तूफान आया, जिसके कारण 20 फुट लंबी दीवार का एक हिस्सा गिर गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद राज्य की गृह मंत्री वी अनिता, जिला कलेक्टर एम.एन, हरेंधीरा प्रसाद, पुलिस आयुक्त शंखब्रत बागची, सांसद एम श्रीभारत मौके पर पहुंचे।

वहीं, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने पीड़ितों को मलबे से निकाला और उन्हें अस्पतालों में पहुंचाया।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख और सदमे का इजहार किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये और घायलों को तीन-तीन लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ आभासी माध्यम से बात कर घायलों को बेहतरीन इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है।उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने चंदनोत्सव के अवसर पर श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के दर्शन के लिए कतार में इंतजार कर रहे सात लोगों की दीवार गिरने से हुई मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और जिला प्रशासन को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का निर्देश दिया।

चंद्रबाबू नायडू ने घटना की जांच के आदेश दिए 25-25 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

विशाखापत्तनम, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विशाखापत्तनम के सिम्हाचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर की दीवार गिरने की घटना की तीन सदस्यीय समिति द्वारा जांच की घोषणा की है, जिसके परिणामस्वरूप आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।मुख्यमंत्री ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने धर्मस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले मंदिरों में आउटसोर्सिंग के आधार पर प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने का भी वादा किया।इसी प्रकार, मुख्यमंत्री ने कहा कि घायलों को 3 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी तथा प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार निश्चित रूप से उनके साथ खड़ी रहेगी।घटना के बारे में जानने के तुरंत बाद, सीएम नायडू ने मंत्रियों अनम रामनारायण रेड्डी, डोला बाला वीरंजनेय स्वामी, वंगालापुडी अनिता और अनागनी सत्य प्रसाद, एमपी भरत और सिम्हाचलम मंदिर के ट्रस्टी अशोक गजपति राजू के साथ टेलीकांफ्रेंस की।उन्होंने घटना की विस्तृत जानकारी ली और घायलों को दी जा रही चिकित्सा सहायता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिया कि मलबे को तुरंत हटाया जाए ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

तेलंगाना में आंध्र के अधिकारियों के लिए रेवंत रेड्डी की रुचि पर सवाल

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने एक बार फिर आंध्र प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी को तेलंगाना सरकार में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। आंध्र प्रदेश के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी केएस श्रीनिवास राजू की मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में नवीनतम नियुक्ति ने कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से तेलंगाना प्रशासन में आंध्र के प्रभुत्व पर बहस को फिर से हवा दे दी है।

इस नियुक्ति की कड़ी आलोचना हुई है क्योंकि रेवंत रेड्डी प्रशासन ने एक दशक से अधिक समय पहले राज्य के विभाजन के बावजूद, तेलंगाना की प्रमुख प्रशासनिक भूमिकाओं में आंध्र प्रदेश के अधिकारियों और राजनीतिक पदाधिकारियों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है।श्रीनिवास राजू, जो पहले टीटीडी के संयुक्त कार्यकारी अधिकारी सहित विभिन्न पदों पर आंध्र प्रदेश में सेवा दे चुके हैं और आंध्र कैडर से सेवानिवृत्त हुए हैं, को पिछले जुलाई में तेलंगाना सरकार में बुनियादी ढांचे और परियोजनाओं पर सरकारी सलाहकार के रूप में लाया गया था। लेकिन सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाओं को समाप्त करने के राज्य सरकार के फैसले के बाद, उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में समायोजित किया गया है और वे अगले दो वर्षों तक इस पद पर बने रहेंगे।

यह कोई अकेला मामला नहीं है। रेवंत रेड्डी के कार्यकाल में एक चौंकाने वाली प्रवृत्ति सामने आई है, जिसमें आंध्र प्रदेश सरकार के करीबी या टीडीपी से जुड़े लोगों को तेलंगाना सरकार में प्रभावशाली पदों पर बैठाया गया है।अनिला वविल्ला को टीज-आईआरईडीसीओ का उपाध्यक्ष और एमडी नियुक्त किया गया; पूर्व आंध्र प्रदेश मुख्य सचिव आदित्यनाथ दास अब सिंचाई मामलों के सलाहकार हैं; अय्यादेवरा प्रसन्ना कुमार विधानसभा सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं; और पूर्व आंध्र प्रदेश चुनाव आयुक्त निम्मगड्डा रमेश कुमार भी सरकार के सलाहकार हैं।इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि आंध्र प्रदेश के एक पूर्व टीडीपी नेता को तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) में नियुक्त किया गया है, जिससे तेलंगाना की पहचान और स्वायत्तता के प्रति सरकार की मंशा और प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।विभाजन के एक दशक बाद भी, तेलंगाना के शीर्ष पदों पर गैर-स्थानीय लोगों का कब्जा है, जिससे स्थानीय नौकरशाहों और तेलंगाना कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है। आलोचकों का तर्क है कि आंध्र कैडर के सेवानिवृत्त और राजनीतिक नियुक्तियों के पक्ष में सक्षम स्थानीय अधिकारियों और विशेषज्ञों को दरकिनार करके, रेवंत रेड्डी तेलंगाना के लोगों की कड़ी मेहनत से हासिल की गई आकांक्षाओं को खत्म कर रहे हैं।

।। विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ।।
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
मंगला शासन
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
आज के यजमान : 01-05-2025
स्तुति काबरा स्मृति काबरा लड्डा को जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएँ
अतिविशिष्ट यजमान : श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान : तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलाइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित :श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
वरिष्ठ मार्गदर्शक सहित : अमित अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, जगदीश प्रसाद लोया, वीणा काबरा, मेघराज अग्रवाल, चकिलम रामनया, हरि भाई चांडक, गोविंद राठी, कमल काकानी, बद्रीप्रसाद सारडा, गुलाबचंद देवड़ा, पुरषोतम लाहोठी, अरुण ज्योति, शोभा रानी, रूपेश काकड़ा, विष्णु कडेल, आलोक शुक्ला, विनोद बंग एवं जगन्नाथ मठ परिवार
9963910401 | 9440061537 | 9908222206

हाइड्रा ने सड़क अवरोधों को हटाया एनएच 44 पर पहुंच बहाल की

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के अधिकारियों द्वारा बुधवार, 30 अप्रैल को अवरोधों को हटाने के बाद देवरायमजाल और कंडलकोया गांवों से राष्ट्रीय राजमार्ग 44 तक पहुंच बहाल कर दी गई है।यह कदम स्थानीय लोगों की शिकायतों के बाद उठाया गया है, जिन्होंने बताया था कि मेडचल-मलकाजगिरी जिले के शमीरपेट मंडल में देवरायंजाल गांव को जाने वाली सड़क को जानबूझकर अवरुद्ध कर दिया गया है।रिपोर्ट के अनुसार, बंदकुंटा नरसिम्हा रेड्डी ने गेट लगा दिए थे और दो गांवों के बीच सड़क के कुछ हिस्सों को खोद दिया था, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही थी।शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, हाइड्रा ने साइट का निरीक्षण किया और पुष्टि की कि गेट, बोल्डर और खाइयों सहित अवरोध यातायात को अवरुद्ध कर रहे थे।यह सड़क, जो कंडलकोया के सर्वेक्षण संख्या 135 और 136 में सरकार द्वारा आवंटित भूमि को भी जोड़ती है, सार्वजनिक पहुंच के लिए महत्वपूर्ण है।ये ज़मीनें जिला न्यायालय परिसर, मेडचल उप पंजीयक कार्यालय और मेडचल यातायात पुलिस स्टेशन जैसी आगामी सुविधाओं के लिए निर्धारित की गई हैं। हालाँकि इन पर निर्माण अभी शुरू होना बाकी है, लेकिन मार्ग का उपयोग पहले से ही निवासियों और आस-पास के उद्योगों द्वारा किया जा रहा है।हाइड्रा अधिकारियों ने अवरोधों को हटा दिया, खोदी गई खाई को मिट्टी से भर दिया और यातायात प्रवाह को बहाल कर दिया। बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए इस खंड पर 40 फुट चौड़ी डंबर सड़क बनाने की भी योजना है।

शाहनवाज कासिम को औषधि नियंत्रण प्रशासन का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 30 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के सचिव के रूप में लगभग दो साल की सेवा के बाद, आईपीएस अधिकारी शाहनवाज कासिम को बुधवार 30 अप्रैल को औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक के पद पर स्थानांतरित कर दिया गया है।वह तेलंगाना के मद्यनिषेध एवं आबकारी विभाग के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।वह औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी का स्थान लेंगे, जो सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

शुभ लाभ का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं
शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)
सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक
सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...
A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

चतुर्थ पुण्यतिथि
हमारी पूज्य माँ,
स्व. श्रीमती सरस्वती देवी पारीक
(धर्मपत्नी : श्री परमेश्वरलालजी शर्मा)
गोलोकवास : शनिवार, दि. 1-5-2021

हृदय की गहराइयों से आपको, श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम। आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम ।।
परमपिता परमेश्वर से कोटि-कोटि अरज । हमारी माँ हो बंधन मुक्त, मिले मोक्ष सहज ।।
आज चतुर्थ पुण्यतिथी पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं :-
श्यामसुन्दर-शशीकला, जगदीशप्रसाद प्रभा, गोपाल-कुसुम (पुत्र-वधू) नीलेश-नित्या, हेमन्त-अनिता, हरीश-मेघा, शैलेश-कोमल, आंनद-मेघा, यश-अन्तीमा, किशन नेहा (पौत्र-बहू), महेश (पौत्र), जय, विराट (पड़पौत्र), सिद्धवी (पड़पोती) एवम् समस्त पारीक परिवार
फर्म : परमेश्वरलाल श्यामसुन्दर पारीक
21-7-556, कोकरवाड़ी, घाँसीबाजार, हैदराबाद.
फोन: 9885555151, 9848089098, 9000005855
GOPAL COLLECTIONS
Jagdish Complex, Serilingampally, Hyderabad. Ph: 040-23033289
Hala HALA MOBILITY INDIA PVT. LTD.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.